

घरती आवा की जयंती एवं स्थापना दिवस

रजत पर्व का उत्सव

आज का कार्यक्रम

जतरा

समय: 11 बजे पूर्वाह्न से 01 बजे अपराह्न तक
स्थान: जैप - 1 ग्राउंड, डोस्टा, रांची से बिरसा मुंडा स्मृति पार्क, जेल चौक तक

सांस्कृतिक कार्यक्रम

समय: 04 बजे अपराह्न से 08 बजे रात्रि तक
स्थान: मोरहाबादी मैदान, रांची

- स्ट्रिम ऑफ फॉक
- शास्त्रीय कृत्य एवं समकालीन आधुनिक कृत्य
- झारखण्ड के कलाकार टॉम मुर्मू की प्रस्तुति
- ड्रोन शो
- बॉलीवुड प्ले बैक सिंगर श्रीमती शिल्पा राव एवं दल की प्रस्तुति

हेमन्त सोरेन

मुख्यमंत्री, झारखण्ड

PR No. 366145 (IPRD) 2025-26

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

लोक धुनों, आदिवासी परंपराओं और सम्मान समारोहों से गूंज उठा कोडरमा

झारखंड राज्य स्थापना दिवस कोडरमा में चमका झारखंड का 25 वर्षों का गौरव रजत जयंती समारोह भव्यता के साथ संपन्न

नव प्रदेश संवाददाता

कोडरमा। झारखंड राज्य स्थापना दिवस झारखंड @25 रजत जयंती समारोह 2025 शनिवार को बागीटांड स्थित इंजीनियरिंग कॉलेज ऑडिटोरियम में अद्भुत गरिमा और उत्साह के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त ऋतुराज, जिला परिषद अध्यक्ष रामधन यादव, उप विकास आयुक्त रवि जैन सहित विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। अतिथियों का स्वागत पुष्प-गुच्छ भेंट कर किया गया। शुरूआत कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय



विद्यालय जयनगर की बच्चियों के स्वागत गीत ने की, जिसने माहौल को उत्सवमय बना दिया। स्वागत भाषण में जिला पर्यटन पदाधिकारी गुषार राय ने झारखंड की स्थापना,

ऐतिहासिक संघर्ष और राज्य निर्माण के वीर आंदोलनकारियों का स्मरण किया। विभिन्न विद्यालयों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ हमर सोना झारखंड, आदिवासी जंगल का

रखवाला रे तथा बिरसा मुंडा पर आधारित नृत्य- नाटिकाने दर्शकों से जोरदार तालियां बटोरीं। उपायुक्त ऋतुराज ने अपने संबोधन में राज्य के 25 वर्षों की उपलब्धियों का

उल्लेख करते हुए कहा कि झारखंड शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत संरचना एवं जनकल्याण योजनाओं में तेजी से आगे बढ़ रहा है। पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह ने 112 पर त्वरित प्रतिक्रिया और जिले की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई। जिला परिषद अध्यक्ष रामधन यादव ने राज्य सरकार की युवा-केन्द्रित योजनाओं की सराहना की। समारोह में झारखंड आंदोलनकारियों को मोमेंटो और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। पेंटिंग, नृत्य, गायन और आकलन परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों की भी पुरस्कृत किया गया। विभिन्न विभागों द्वारा जन्म प्रमाण पत्र, ग्रीन राशन कार्ड, पेंशन स्वीकृति पत्र, सीएफआर पट्टा, आयुभान कार्ड, अनुदान राशि

और आपदा मुआवजा सहित कई परिसंपत्तियों का वितरण किया गया। कार्यक्रम का संचालन रंजीत कुमार एवं गगन कुमार ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन जिला शिक्षा पदाधिकारी अविनाश राम ने दिया। समारोह मेंअनुमंडल पदाधिकारी रिया सिंह, अपर समाहर्ता पूनम कुजूर, जिला परिवहन पदाधिकारी विजय कुमार सोनी, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी ओम प्रकाश मंडल, जिला पंचायती राज पदाधिकारी प्रिंस गोडविन कुजूर, सामाजिक सुरक्षा कोषांग के सहायक निदेशक नीतीश कुमार निशांत, जिला योजना पदाधिकारी अनूप कुजूर, नगर प्रशासक शंभू प्रसाद कुशवाहा, सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

एक नजर

मरकच्चो में बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती और झारखंड स्थापना दिवस पर भव्य समारोह आयोजित

नव प्रदेश/मरकच्चो। प्रखंड मुख्यालय स्थित सभागार में शनिवार को भगवान बिरसा मुंडा की 150वी जयंती एवं झारखंड राज्य के 25वें स्थापना दिवस पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बीडीओ हुलास महतो और अंचलाधिकारी परमेश्वर कुशवाहा ने संयुक्त रूप से की। मुख्य अतिथि के रूप में प्रखंड प्रमुख एवं स्थानीय मुखिया रंजीत कुमार सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण से हुई। सखी मंडल की दिदीयों ने पारंपरिक मुकुट पहनकर एवं आरती उतारकर अतिथियों का स्वागत किया। मंच संचालन प्रखंड समन्वयक लेखराज दास ने किया, जबकि स्वागत गीत की प्रस्तुति ने बातावरण को उत्साहपूर्ण बना दिया। अधिकारियों ने अपने संबोधन में भगवान बिरसा मुंडा की वीरता, संघर्ष और योगदान पर प्रकाश डाला तथा झारखंड राज्य के 25 वर्षों की प्रगति को रेखांकित किया। इस अवसर पर झारखंड आंदोलनकारी नरेश राय और कौशल्या देवी को मोमेंटो व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सर्वजन पेंशन योजना के लाभुकों को स्वीकृति पत्र भी प्रदान किए गए। वहीं जेएसएलपीएस द्वारा सखी मंडल के की 25 लाख रुपये का चेक तथा एक लाभुक को 2 लाख रुपये का बैंक वलेम चेक सीपा गया। कस्तूरबा विद्यालय की छात्राओं शबनम, मुस्कान, ममता और रानी के नृत्य-संगीत ने कार्यक्रम में वार चांद लगा दिए। कार्यक्रम में प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी लक्ष्मी नाथ लोहारा, बीपीओ सियाराम सिंह, सीडीपीओ गीता सोई, प्रदीप सिंह, राजेश कुमार, बीरेंद्र यादव, दीपक कुमार, सूरज यादव, कमल कुमार, इंद्रदेव कुमार आदि प्रखंड एवं अंचल कमी के साथ दर्जनों ग्रामीण मौजूद रहे।

सतगावा में रजत जयंती समारोह, झारखंड आंदोलनकारियों को मोमेंटो देकर किया गया सम्मानित

नव प्रदेश/सतगावा। प्रखंड कार्यालय प्रांगण में शनिवार को झारखंड राज्य के 25वें स्थापना दिवस सह रजत जयंती पर प्रखंड स्तरीक कार्यक्रम धुमधाम से आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ बीडीओ ओम प्रकाश बड़ाइक, बीस सूत्री अध्यक्ष विजय कुमार सिंह एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। समारोह में झारखंड अलग राज्य के निर्माण में योगदान देने वाले आंदोलनकारियों को मोमेंटो और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं स्वास्थ्य शिविर में वृद्ध महिला-पुरुषों का बीपी, शुगर और सामान्य रोगों का जांच किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बीडीओ बड़ाइक ने कहा कि आंदोलनकारियों के संघर्ष की बदौलत आज झारखंड अपनी पहचान के साथ तेजी से विकास की राह पर आगे बढ़ रहा है। कार्यक्रम में जेएसएलपीएस बीपीएम सुधीर कुमार, जेएमएम प्रखंड अध्यक्ष गणेश राय, वीरेंद्र राय, दिवाकर कुमार सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

चंदवारा में बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती और झारखंड स्थापना दिवस पर गरिमा पूर्ण समारोह

नवप्रदेश/चंदवारा। प्रखंड सभागार में शनिवार को धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती एवं झारखंड के 25वें स्थापना दिवस पर भव्य आयोजन किया गया। प्रखंड विकास पदाधिकारी सुमित कुमार मिश्रा के नेतृत्व में अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। बीडीओ मिश्रा ने संबोधित करते हुए कहा कि अंग्रेजों और जमींदारी प्रथा के अत्याचार के खिलाफ बिरसा मुंडा ने उलगुलान आंदोलन चलाकर आदिवासी समाज को संगठित किया, जिससे अंग्रेज भयभीत हो उठे। उनका आंदोलन आगे चलकर स्वतंत्रता संग्राम का प्रेरणा स्रोत बना। उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा का संघर्ष आज भी समाज को एकता, साहस और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने की सीख देता है। कार्यक्रम में विभिन्न लाभुकों के बीच प्रशस्ति पत्र व योजना स्वीकृति पत्रों का वितरण किया गया। मौके पर उप प्रमुख खुशबू देवी, पंचायत समिति सदस्य उमाशंकर रविदास तथा प्रखंड व अंचल कमी सहित कई लोग उपस्थित रहे।

बिहार में विकास और सुशासन की जीत हुई : डॉ नीरा



नव प्रदेश/कोडरमा। विधायक और प्रदेश की पूर्व शिक्षा मंत्री डॉ नीरा यादव ने बिहार में भारतीय जनता पार्टी और एनडीए की इस जीत को जनता की जीत बताया। उन्होंने बयान जारी कर कहा कि यह जीत बताता है कि लोग अब ह्रदयिकास और सुशासन को पसंद करते हैं। नतीजों ने बता दिया कि बिहार के लोग अब फिर से हज़नगल राज के फेर में नहीं पड़ने वाले हैं। बिहार की जनता अयवस्था और भ्रष्ट नेतृत्व को स्वीकार नहीं करती। बिहार के लोग पीएम मोदी की नीतियों के साथ हैं, एनडीए गठबंधन की सरकार में सीएम नीतीश कुमार के कार्यकाल में जो विकास हुआ, उस विकास के साथ हैं। विधायक डॉ नीरा यादव ने इसे अभूतपूर्व जीत बताते हुए इसके लिए एनडीए गठबंधन, पार्टी नेतृत्व, कार्यकर्ताओं और पूरे बिहार की जनता को बधाई दी है।

झारखंड विधि महाविद्यालय में बिरसा मुंडा जयंती व झारखंड स्थापना दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया



नव प्रदेश/झुमरी तिलैया। झारखंड एजुकेशनल एंड कल्चरल डेवलपमेंट सोसाइटी के अंतर्गत संचालित झारखंड विधि महाविद्यालय एवं झारखंड संंध्याकालीन महाविद्यालय में शनिवार को झारखंड के 25वें स्थापना दिवस एवं बिरसा मुंडा जयंती का संयुक्त रूप से उत्साहपूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सचिव डॉबिंटर डी एन मिश्रा द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इस दौरान उप प्राचार्य प्रो. अजय भट्टाचार्य ने बिरसा मुंडा के संघर्ष, उनके क्रांतिकारी विचारों और सामाजिक चेतना पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा के सिद्धांत आज भी राज्य के विकास के मार्गदर्शक हैं। छात्र दिनेश कुमार दास ने बिरसा मुंडा के जीवन से जल, जंगल और जमीन की रक्षा का संदेश बिरसा मुंडा का आग्रह किया। कार्यक्रम में शिक्षकों, शिक्षकेत्तर कर्मचारियों और छात्रों ने झारखंड की 25 वर्षीय विकास यात्रा पर भी चर्चा की और राज्य के उज्ज्वल भविष्य के संकल्प को दोहराया। अंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ विकास राय, डॉ प्रोशाल कुमार, प्रो. सुरभी कुमारी, डॉ सुरेंद्र कुमार पांडे, प्रो अजय कुमार प्रो राघवेंद्र प्रसाद दत्त, प्रो कविता कुमारी, संध्याकालीन महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ एस बी मिश्रा, प्रो महजबी प्रवीण, ललन कुमार, राम बालक पांडे, नीरज कुमार सिंहा, प्रमोद कुमार सिंह, विनोद कुमार सिंह, धर्मेन्द्र कुमार पांडे, अमित कुमार एवं अन्य कमी उपस्थित रहे।

आर.पी.वाई. ग्लोबल स्कूल में झारखंड स्थापना दिवस पर रजत जयंती का रंगारंग उत्सव

नव प्रदेश संवाददाता

कोडरमा। आर.पी.वाई. ग्लोबल स्कूल में शनिवार को झारखंड राज्य के गौरवशाली 25वें स्थापना दिवस एवं रजत जयंती समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत प्रार्थना और दीप प्रज्वलन से हुई, जिसके बाद छात्रों ने झारखंड की सांस्कृतिक विरासत को प्रस्तुत करते हुए लोक नृत्य, भाषण, कविता-पाठ और राजकीय प्रतीकों पर आधारित आकर्षक रंगोली प्रदर्शित की। बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने पूरे परिसर में उत्साह का माहौल बना दिया। सभी गतिविधियाँ शिक्षकों के मार्गदर्शन में आयोजित की गईं, जिन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करने और कार्यक्रम को सफल बनाने में



महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रधानाचार्या ने अपने संबोधन में झारखंड की संस्कृति, इतिहास और राज्य निर्माण में युवाओं की अहम भूमिका पर प्रकाश डालते हुए बच्चों के प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने छात्रों को सांस्कृतिक

गतिविधियों में निरंतर सक्रिय रहने का प्रोत्साहन भी दिया। समारोह ऊर्जा, प्रेरणा और सांस्कृतिक विविधता से भरपूर रहा, जिसने विद्यार्थियों को अपने राज्य की गौरवशाली पहचान से जोड़ने का अवसर प्रदान किया।

चौपारण में झारखंड रजत जयंती पर आंदोलनकारियों को किया गया सम्मानित

नवप्रदेश संवाददाता

चौपारण। झारखंड राज्य की रजत जयंती के शुभ अवसर पर प्रखंड कार्यालय परिसर में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में झारखंड आंदोलन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले चौपारण प्रखंड के आंदोलनकारियों को सम्मानित किया गया। प्रखंड विकास पदाधिकारी नीतिश भास्कर, अंचलाधिकारी संजय यादव, थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी भाजपा नेता राजदेव यादव, पसस जनार्दन सिंह सहित जेसेएलपीएस की देवी ने संयुक्त रूप से सभी आंदोलनकारियों को शॉल, प्रशस्ति पत्र एवं फूलमाला भेंटकर अभिनंदन किया।इस समारोह में जिन आंदोलनकारियों को सम्मानित किया गया, उनमें बजरंग साव, ब्रज भूषण गुरु, मीना देवी, मोहम्मद तनवीर अख्तर, जयंती देवी पति स. अभय सिंह , मनोज कुमार सिंह, बिरेन्द्र राणा,दशरथ प्रसाद



महतो, नवीन कुमार सिंह (बेंदुआरा), अनिल कुमार सिंह (कुतलु), गजाधर प्रसाद (परतापुर) तथा लईक अहमद खाँ उर्फ फोलेटेन खाँ (मरहेड़ी), सीताराम साहू सहित अन्य शामिल रहे। अधिकारियों ने कहा कि झारखंड आंदोलनकारियों के समर्पण, त्याग और संघर्ष के कारण ही राज्य का निर्माण संभव हो सका। उनके योगदान को सदैव याद रखा जाएगा। सम्मान समारोह के उपरांत प्रखंड परिसर में पौधारोपण

कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसमें सीओ संजय यादव, बीडीओ नीतिश भास्कर, थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी एवं हरियाली दूत दिनेश साव ने विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए। अधिकारियों ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हमारी साझा जिम्मेदारी है और ऐसे प्रयास आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित भविष्य देने की दिशा में महत्वपूर्ण हैं।कार्यक्रम में कई प्रखंड स्तरीय कर्मी, ग्रामीण तथा आमजन उपस्थित थे।

राज इंटरनेशनल स्कूल में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया भगवान बिरसा मुंडा जयंती



नव प्रदेश संवाददाता

कोडरमा। राज इंटरनेशनल स्कूल में शनिवार को भगवान बिरसा मुंडा जयंती एवं झारखंड स्थापना दिवस संयुक्त रूप से हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत प्राचार्य राहुल घोष द्वारा दीप प्रज्वलन और पुष्पांजलि के साथ हुआ। उन्होंने छात्रों को बिरसा मुंडा के त्याग, संघर्ष और जनजातीय गौरव से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। शिक्षक आशीष कुशल ने उनके बलिदान को राष्ट्र की

अमूल्य धरोहर बताया। असेंबली प्रभारी उजाला रानी एवं पम्मी मैम के निर्देशन में छात्रों द्वारा नागपुरी गीत, नृत्य, नाटक व सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को जीवंत बनाया। कक्षा 5 की आकृति ने बिरसा मुंडा के विचार रखे, उमंग ने उनके जीवन पर आधारित प्रश्न पूछे, साध्य तनवीर ने प्रभावी भाषण दिया और साक्षी ने भावपूर्ण कविता प्रस्तुत की। कार्यक्रम में शिक्षकों व बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की सक्रिय उपस्थिति रही।

जेवरात सहित 25 लाख की चोरी, जांच में जुटी पुलिस

नवप्रदेश संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग के कटकमदाग थाना क्षेत्र स्थित वार्ड नंबर 24 के कूद मोहल्ले में स्थानीय महिला मंडल की अध्यक्ष किरण देवी के घर को दिनदहाड़े निशाना बनाया। घटना शुक्रवार की है। बताया गया है कि घर की अलमारी तोड़कर लगभग 25 लाख रुपये कीमत के सोने-चांदी के साथ 10 हजार रुपये नकद पर हाथ साफ कर दिया गया। चोर जितने भी जेवरात लेकर गए उनमें उनकी नई-नवेली बहू को विवाह में मिले कीमती जेवर भी शामिल हैं, जिनका अब तक उपयोग भी नहीं हुआ था। इस घटना के समय किरण देवी महिला मंडल से जुड़े कार्य के लिए अपने मायके दुधमनिया गई हुई थीं। परिवार के बाकी सदस्य भी काम से बाहर थे। शुक्रवार सुबह 9:30 बजे से लेकर दोपहर 3:30 बजे तक घर पूरी तरह खाली रहा और इसी मौके का फायदा उठाकर चोरों ने वारदात को अंजाम दिया। रात में जब परिरजन घर आए तो घर मे बिखरे सामान



को देख पता चला। घटना की जानकारी मिलते ही शनिवार को कटकमदाग थाना पुलिस मौके पर पहुंची। थाना प्रभारी प्रमोद कुमार राय ने बताया कि सूचना मिलते ही जांच टीम गठित कर दी गई है। मामले को जल्द खुलासा करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस घर के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच कर रही है, ताकि चोरी में शामिल लोगों की पहचान की जा सके। पुलिस टीम

मोहल्ले में संदिग्ध गतिविधियों की पड़ताल कर रही है। घर तरुण सिंह का है। वह मूल रूप से टाटीझरिया थाना क्षेत्र के दुधमनिया गांव के निवासी हैं। वे खेतीबाड़ी करते हैं और अपने पैतृक गांव में रहते हैं। जबकि उनकी पत्नी किरण देवी और छोटा बेटा पंकज सिंह शहर के वार्ड नंबर 24 में रहते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले कुछ महीनों में हजारीबाग शहर और आसपास के इलाकों में चोरी की घटनाओं में लगातार इजाफा हुआ है। इससे लोगों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। इस संबंध में अज्ञात चोरों के खिलाफ शनिवार को मामला दर्ज कराया गया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

घटनाओं में लगातार इजाफा हुआ है। इससे लोगों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले कुछ महीनों में हजारीबाग शहर और आसपास के इलाकों में चोरी की घटनाओं में लगातार इजाफा हुआ है। इससे लोगों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। इस संबंध में अज्ञात चोरों के खिलाफ शनिवार को मामला दर्ज कराया गया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

मारवाड़ी युवा मंच, झरिया शाखा द्वारा वंदे मातरम् के 150 वर्ष पर भव्य कार्यक्रम

कार्यक्रम के अंतर्गत वंदे मातरम् गायन प्रतियोगिता भी आयोजित

नवप्रदेश संवाददाता

धनबाद झरिया। मारवाड़ी युवा मंच, झरिया शाखा द्वारा तथा झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच के आह्वान पर वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में एक भव्य एवं धूमधामपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन एसडीएम स्कूल, आजाद नगर, भागा में किया गया। कार्यक्रम राष्ट्रगान एवं दीप प्रज्वलन के साथ आरंभ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण के रूप में वंदे मातरम् गायन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत प्रस्तुतियों से



सभी को प्रभावित किया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित मारवाड़ी युवा मंच झरिया शाखा के पूर्व अध्यक्ष एवं बालिका विद्या मंदिर के सचिव गणेश अग्रवाल ने

बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में राष्ट्रभावना, अनुशासन और आत्मविश्वास का संचार करते हैं। उन्होंने कहा,

मारवाड़ी युवा मंच सदैव ऐसे सांस्कृतिक एवं राष्ट्रभक्ति को बढ़ावा देने वाले आयोजनों को प्रार्थमिकता देता है। वंदे मातरम् के 150 वर्ष जैसे ऐतिहासिक अवसर

पर बच्चों को मंच प्रदान करना हमारे लिए गर्व की बात है। शाखा अध्यक्ष डॉ. मनीष शर्मा ने कहा, वंदे मातरम् के 150 वर्ष जैसे ऐतिहासिक अवसर पर बच्चों का जोश और देशभक्ति देखकर मन गर्व से भर गया। हमारा उद्देश्य नई पीढ़ी में राष्ट्रभावना और सांस्कृतिक जागरूकता को बढ़ाना है। मारवाड़ी युवा मंच आगे भी ऐसे सार्थक और प्रेरणादायी कार्यक्रम जारी रखेगा। प्रतियोगिता का मूल्यांकन एसडीएम स्कूल के निदेशक आर. पी. त्रिपाठी तथा प्रधानाचार्य अजित कुमार त्रिपाठी द्वारा किया गया। विद्यालय के सभी शिक्षकों एवं प्राचार्य का पूरा सहयोग कार्यक्रम की सफलता में महत्वपूर्ण रहा। पुरस्कार परिणाम: प्रथम पुरस्कार: शगुन और कनक

द्वितीय पुरस्कार: अर्चना और परी सिंह तृतीय पुरस्कार: जयवर्धन, अखिल और अमन सभी विजेताओं को मंच पर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में शाखा अध्यक्ष डॉ. मनीष शर्मा, शाखा सचिव दीपक अग्रवाल, कार्यक्रम संयोजक पूनम शर्मा, तथा बालिका विद्या मंदिर के सदस्य कुमार सौरव सहित मंच के अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम के दौरान बच्चों की मधुर एवं जोशपूर्ण प्रस्तुतियों से वातावरण देशभक्ति की भावना से सराबोर रहा। संयोजक पूनम शर्मा, मंच की टीम, विद्यालय प्रशासन एवं शिक्षक-स्टाफ के संयुक्त प्रयास से कार्यक्रम अत्यंत अनुशासित, सौहार्दपूर्ण और सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

भगवान बिरसा मुंडा के आशीर्वाद से अगले 25 साल में झारखंड करेगा देश दुनिया में नाम रोशन : उपायुक्त

झारखंड को शीघ्र पर ले जाने एवं झारखंड आंदोलनकारियों के सपने को साकार करने का किया आह्वान

नवप्रदेश संवाददाता

धनबाद। भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती तथा झारखंड राज्य स्थापना के रजत जयंती के अवसर पर बैंक मोड़ स्थित बिरसा चौक पर स्थापित भगवान बिरसा मुंडा की आदमकद प्रतिमा पर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन सहित अन्य पदाधिकारियों ने भगवान बिरसा मुंडा के चरणों में पुष्प अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद उपायुक्त ने झारखंड राज्य स्थापना दिवस और भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के शुभ अवसर पर समस्त जिले वासियों को शुभकामनाएं दीं। उपायुक्त ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा के आशीर्वाद से अगले 25 साल में झारखंड देश दुनिया में नाम रोशन



करेगा। भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती और झारखंड राज्य स्थापना की रजत जयंती से समस्त झारखंड गौरवान्वित महसूस कर रहा है। उपायुक्त ने कहा कि झारखंड राज्य स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर न्यू टाउन हॉल में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में झारखंड आंदोलनकारियों को उनके योगदान एवं बलिदान के लिए सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने सभी से झारखंड को शीघ्र पर ले जाने एवं झारखंड आंदोलनकारियों के सपने को साकार करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा देश के जनजातीय समुदायों के शौर्य, साहस, पराक्रम और बलिदान के प्रतीक हैं। भारतीय इतिहास में भगवान बिरसा मुंडा एक ऐसे नायक थे जिन्होंने अपने क्रांतिकारी चिंतन से उन्नीसवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में आदिवासी समाज की दशा और दिशा बदलकर नवीन सामाजिक और राजनीतिक युग का सूत्रपात किया। भगवान बिरसा मुंडा सही मायने में पराक्रम और सामाजिक जागरण के धरातल पर तत्कालीन युग के एकलव्य थे। बिरसा मुंडा चौक के

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित

नवप्रदेश संवाददाता

दुमका। कार्यक्रम के अंतर्गत भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने भगवान बिरसा मुंडा जी की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इसके साथ ही नगर क्षेत्र में स्थित सभी महान स्वतंत्रता सेनानियों की प्रतिमाओं पर भी माल्यार्पण कर उनके योगदान और बलिदान को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया गया। माल्यार्पण के दौरान कार्यकर्ताओं ने कहा कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा जी का संघर्ष, स्वाभिमान और जनजातीय संघर्ष के अधिकारों की रक्षा के लिए उनका अदम्य साहस सदैव प्रेरणा स्रोत रहेगा। जनजातीय गौरव दिवस जैसे ऐतिहासिक निर्णय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में जनजातीय समाज के सम्मान को राष्ट्रीय पहचान दिलाई है। कार्यक्रम



में पूर्व सांसद सुनील सोरेन, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य निवास मंडल, अनुज आर्या, अमरेंद्र सिंह, अंजुला मुर्मू, पवन केसरी, धर्मेन्द्र सिंह, मार्शल ऋषिराज टुडू, बबलू मंडल, रमेश मुर्मू, संतोष सोरेन, सोनी हेंब्रम, रूशेश मंडल, बिरेन्द्र मरांडी, रामकृष्ण हेमब्रम, रुसीलाल टुडू, चारलेश हांसदा, सहदेव मरांडी, सुनील सोरेन, मनोज सिंह पहाड़िया, मलय नंदी, दीपक स्वर्णकार, अजय गुप्ता,

किशोरेंद्र दास, अमन राज, गायत्री जायसवाल, टिकू गण, रानी सिंह, दीपाली मंडल, दिनेश सिंह, मनोज साह, प्रवीण सिंह, ओम केसरी, नवल किस्कू सहित भाजपा के वरिष्ठ नेता, विभिन्न मोचाओं के पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, युवा कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में भाजपा परिवार के सदस्य उपस्थित रहे और इस अवसर को श्रद्धा, सम्मान तथा संकल्प के साथ मनाया।

बेलगड़िया में विकास की नई शुरुआत, 15 ई-रिवशा और मार्केट कॉम्प्लेक्स की दुकानें आवंटित



नवप्रदेश संवाददाता

धनबाद/झरिया। झारखंड स्थापना दिवस के मौके पर झरिया पुनर्वास एवं विकास प्राधिकरण (जेआरडीए) ने शनिवार को धनबाद के बेलगड़िया टाउनशिप में, कई विकासात्मक योजनाओं की शुरुआत की। कार्यक्रम में शांतिंग सेंटर का उद्घाटन, आंगनवाड़ी केंद्र का शिलान्यास, दुकानों के आवंटन आदेश का वितरण और 15 लाभुकों को ई-रिक्शा सौंपे गए। झरिया विधायक रागिनी सिंह सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो एवं जेड्डा

के अधिकारी द्वारा उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए झरिया विधायक रागिनी सिंह ने जेआरडीए द्वारा ई-रिक्शा वितरण का यह दूसरा चरण है। नए लाभुक अब अपनी कमाई शुरू कर सकेंगे। साथ ही न्यू मार्केट कॉम्प्लेक्स की दुकानों की चाबी सौंपकर लाभुकों को तुरंत कारोबार शुरू करने का अवसर दिया गया है। उन्होंने कहा कि पहले बेलगड़िया के लोग कई बुनियादी समस्याओं से जूझते थे, लेकिन अब क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार दिख रहा है। आने वाले समय में और भी योजनाएँ लागू की जाएंगी।

अवसर मिलेंगे। सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो ने बताया कि जेआरडीए द्वारा ई-रिक्शा वितरण का यह दूसरा चरण है। नए लाभुक अब अपनी कमाई शुरू कर सकेंगे। साथ ही न्यू मार्केट कॉम्प्लेक्स की दुकानों की चाबी सौंपकर लाभुकों को तुरंत कारोबार शुरू करने का अवसर दिया गया है। उन्होंने कहा कि पहले बेलगड़िया के लोग कई बुनियादी समस्याओं से जूझते थे, लेकिन अब क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार दिख रहा है। आने वाले समय में और भी योजनाएँ लागू की जाएंगी।

स्कूली बच्चों द्वारा बनाई गई पेंटिंग प्रदर्शनी हेतु प्रभातम मॉल में लगाई गई

उपायुक्त ने प्रदर्शनी का किया अवलोकन, की पेंटिंग की खरीदारी

नवप्रदेश संवाददाता

धनबाद। झारखंड स्थापना दिवस के अवसर पर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निदेशानुसार स्कूली बच्चों द्वारा बनाए गए बेस्ट पेंटिंग को घैया स्थित प्रभातम मॉल में प्रदर्शनी हेतु लगाई गई है। यह पेंटिंग धनबाद जिला के सभी प्रखंडों के स्कूली बच्चों द्वारा

मॉल पहुंच प्रदर्शनी में लगाए गए पेंटिंग का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कई पेंटिंग को खरीदा। यह ऐसे पेंटिंग बनाने वाले बच्चों को सौंपी जाएगी। उपायुक्त ने कहा की धनबाद जिला के बच्चे काफी प्रतिभाशाली हैं, शिक्षा के साथ साथ कला, खेल में भी अव्वल हैं। इस

रजत जयंती वर्ष में होगा अंतर्राष्ट्रीय नाटक और नृत्य महोत्सव : राजेंद्र बगड़िया

नवप्रदेश/गिरिडीह। कला संगम की कार्यकारिणी की बैठक अधिवक्ता संघ भवन में संरक्षक राजेन्द्र बगड़िया की अध्यक्षता में हुई। बैठक में उन्होंने बताया कि इस वर्ष झारखंड स्थापना के पच्चीस वर्ष और अखिल भारतीय बहुभाषी नाटक, नृत्य प्रतियोगिता की रजत जयंती मनाई जाएगी। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय नाटक और नृत्य प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। संरक्षक सतविंदर सिंह सलूजा ने कहा कि इस बार नाटक प्रतियोगिता में बारह राज्यों के कलाकार के साथ नेपाल, श्रीलंका, बंगलादेश से भी टीम को आमंत्रित किया गया है। आयोजन का प्रायोजक सलूजा गोल्ड होगा। प्रतियोगिता स्व. उमा रानी ताह की स्मृति में आयोजित की जाएगी। संयोजक चुनुकांत ने कहा कि कार्यक्रम 29, 30, 31 जनवरी 1 फरवरी 2026 को आयोजित की जाएगी। संरक्षक अजय कुमार सिन्हा ने कहा कि इस बार अनुमानित बजट नौ लाख का है, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। बैठक का संचालन करते हुए सचिव सतीश कुन्दन ने बताया कि सभी सदस्यों का डिजिटल आईडी कार्ड बनाया जायेगा। इसके लिए सभी सदस्यों को 15 दिसंबर तक सदस्यता शुल्क के साथ पासपोर्ट साईज का फोटो देना है। एक सात सदस्यीय कोष कमिटी का गठन किया गया, जिसमें सतीश कुन्दन, मदन मंजवं, पंकज ताह, रवीश आनंद, बिनय बक्शी तथा कोर्डिनेटर देवेंद्र सिंह व शिवेंद्र सिन्हा को बनाया गया। पत्राचार की जिम्मेवारी सचिव सतीश कुन्दन को दी गई। स्मारिका 'सर्जना' के प्रकाशन का निर्णय लिया गया। इसके लिए संपादकमंडल के गठन की जिम्मेवारी भी सतीश कुन्दन को दी गई। संस्था के रजिस्ट्रेशन के लिए बीस हजार का प्रस्ताव पारित करते हुए, जिम्मेवारी कार्यकारी अध्यक्ष पंकज ताह को दी गई। कला संगम के नाट्य दल को राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने आजमगढ़ और डिहरी ओनसोन भेजन का निर्णय लिया गया। सह सचिव सुजय गुप्ता ने कहा ठहराने की जिम्मेवारी हमारी होगी। नीतीश आनंद के प्रस्ताव पर शहर को सजाने का निर्णय लिया गया। नाटक नृत्य का पंजीकरण 15 नवंबर से 31 दिसंबर तक चलेगा। बैठक में डॉ ताक नाथ देव, सह संयोजक सुनील भूषण, राजेश सिन्हा, संगीत प्रभारी अरित चंद्रा, संजय सिन्हा, देवेंद्र सिंह, शिलधर प्रसाद, नीतीश आनंद, रवीश आनंद, शुभम, मनोज कुमार मुन्ना, सुनील लाभ, सिद्धांत रंजन, आकाश, विकास, इंद्रजीत, अनुराग, संदीप, संस्कृति, अनुष्का, कविन्द्र भट्टाचार्य, संजय सिन्हा सहित अन्य कई सदस्य उपस्थित थे।

एक नजर

युवा संघर्ष मोर्चा ने भगवान बिरसा को उनकी 150वीं जयंती पर किया याद



नवप्रदेश/धनबाद। युवा संघर्ष मोर्चा के केंद्रीय संयोजक दिलीप सिंह एवं मोर्चा के तमाम सदस्यों ने झारखण्ड स्थापना के 25वीं वर्षगांठ एवं भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर बैंक मोड़ स्थित भगवान बिरसा के आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें शत शत नमन किया। इस अवसर पर दिलीप सिंह ने कहा कि झारखंड में भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती मनाई जा रही है। साथ ही झारखण्ड अपने स्थापना दिवस की रजत जयंती भी मना रहा है। आज ही के दिन वर्ष 2000 में बिहार से अलग होकर यह देश का 28वां राज्य बना था। उनका जीवन आज भी आदिवासी अस्मिता और संघर्ष की अमर प्रेरणा है। बिरसा मुंडा का नारा अबुआ दिशुम, अबुआ राज आज भी प्रासंगिक है। उन्होंने जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए जो आंदोलन शुरू किया, वह आज भी अधूरा है। यह दिन ब्रिटिश शासन के खिलाफ मुंडा विद्रोह के नेतृत्व और आदिवासी अधिकारों के लिए उनके संघर्ष की याद दिलाता है।

धनबाद में सुबह झारखंड कार्यक्रम के साथ स्थापना दिवस का उत्सव



नवप्रदेश/धनबाद। झारखंड स्थापना दिवस और भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर सोमवार को रणधीर वर्मा चौक पर सुबह ए झारखंड कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। राज्य के रजत जयंती वर्ष को समर्पित इस कार्यक्रम में स्थानीय कलाकारों ने बिरसा मुंडा के संघर्ष, बलिदान और प्रेरक योगदान को नाटक के माध्यम से जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। सांस्कृतिक माहौल से पूरा परिसर उत्सवधर्मी नजर आया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स ऑफिसर उमेश लोहरा उपस्थित हुए, जिन्होंने कलाकारों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए इसे झारखंड की समृद्ध सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक बताया।

बेलगड़िया में विकास की नई शुरुआत, 15 ई-रिवशा और मार्केट कॉम्प्लेक्स की दुकानें आवंटित



नवप्रदेश/धनबाद। झारखंड स्थापना दिवस के मौके पर झरिया पुनर्वास एवं विकास प्राधिकरण (जेआरडीए) ने शनिवार को धनबाद के बेलगड़िया टाउनशिप में कई विकासात्मक योजनाओं की शुरुआत की। कार्यक्रम में शांतिंग सेंटर का उद्घाटन, आंगनवाड़ी केंद्र का शिलान्यास, दुकानों के आवंटन आदेश का वितरण और 15 लाभुकों को ई-रिक्शा सौंपे गए। सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो ने बताया कि जेआरडीए द्वारा ई-रिक्शा वितरण का यह दूसरा चरण है। नए लाभुक अब अपनी कमाई शुरू कर सकेंगे। साथ ही न्यू मार्केट कॉम्प्लेक्स की दुकानों की चाबी सौंपकर लाभुकों को तुरंत कारोबार शुरू करने का अवसर दिया गया है। उन्होंने कहा कि पहले बेलगड़िया के लोग कई बुनियादी समस्याओं से जूझते थे, लेकिन अब क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार दिख रहा है। आने वाले समय में और भी योजनाएँ लागू की जाएंगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह ने कहा कि किसी भी नई बसावट के लिए पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसी सुविधाएँ बुनियाद होती हैं। उन्होंने कहा कि बेलगड़िया में इन सभी क्षेत्रों में लगातार सुधार किया जा रहा है। आज ई-रिक्शा वितरण और नए मार्केट कॉम्प्लेक्स की दुकानों के आवंटन से स्थानीय लोगों को रोजगार और आजीविका के नए अवसर मिलेंगे। हालाँकि, कार्यक्रम के दौरान कुछ स्थानीय लोगों ने विरोध भी जताया। लोगों का कहना था कि अब तक उन्हें रोजगार उपलब्ध नहीं कराया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीसीसीएल और जेआरडीए की ओर से कई बार प्रशिक्षण तो दिया गया, लेकिन प्रशिक्षण के बाद किसी को नौकरी नहीं मिली। स्थानीय निवासियों का यह भी कहना था कि केवल ट्रेनिंग देकर उन्हें उम्मीद में रखा जाता है, जबकि रोजगार के वास्तविक अवसर अब भी दूर हैं।

झारखण्ड सरकार द्वारा झारखण्ड आंदोलन कारी शंकर रवानी को किया गया सम्मानित



नवप्रदेश/धनबाद/महुदा। भगवान बिरसा मुंडा जयंती एवं झारखण्ड स्थापना दिवस दिवस रजत जयंती समारोह में प्रखण्ड मुख्यालय बाघमारा मेबीडीओ लक्ष्मण यादव, अंचलधिकारी गिरजानंद किशकू, प्रखण्ड प्रमुख गीता देवी द्वारा झारखण्ड सरकार द्वारा चर्यनित झारखण्ड आंदोलनकारी समाजसेवी शंकर रवानी को प्रशस्ति पत्र, अंग वस्त्र एवं भगवान बिरसा मुण्डा स्मिर्ति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया, रवानी को झारखण्ड आंदोलन कारी के रूप मे सम्मानित करने पर सामाजिक संस्था झारखण्ड ग्रामीण विकास ट्रस्ट के सचिव हलीमा इजाज, बिनोद महतो, नश्मुद्दीन अंसारी, सीता कुमारी, नितेश वर्मा, चंदा कुमारी, दीपा कुमारी, गुलनाज बानो, पुजा कुमारी, पुजा महतो, मुमताज अंसारी आदि ने श्री रवानी को बधाई दी है।

बिरसा मुंडा की 150 वीं जयंती पर भाकपा माले ने किया विचार गोष्ठी का आयोजन

नवप्रदेश/धनबाद। 15 नवंबर को भाकपा माले धनबाद जिला कमिटी की ओर से 150 वीं बिरसा मुंडा जयन्ती एंव झारखंड स्थापना की सिल्वर जुबली के उपलक्ष्य में टेम्पल रोड, पुराना बाजार स्थित धनबाद कार्यालय में एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। शुरुआत मे शहीद बिरसा मुंडा के फोटो पर माला एवं पुष्प अर्पित किया गया। संगोष्ठी का उद्घाटन भाषण माले के वरिष्ठ नेता कॉ.हरिप्रसाद पप्पू ने कहा कि बिरसा मुंडा एक क्रांतिकारी थे।शोषण मुक्त समाज उनका लक्ष्य था।उनकी आंदोलन के चलते भूमि काश्तकारी कानून बनाना पडा। परिणामस्वरूप सीएनटी-एस पीटीएफ्ट बनाकर आदिवासी समाज की जल, जंगल, जमीन की लूट को रोक कर उनके अधिकारो को रक्षा किया। समापन भाषण गोष्ठी कि अध्यक्षता कर रहे भाकपा माले जिला सचिव कॉ.बिंदा पासवान ने कहा कि बिरसा मुंडा कि सपनो का झारखंड जो शोषण मुक्त बनाने का लक्ष्य रहा आज भी अधूरा है इसलिए आज जरूरत है उनके बताए हुए रास्ते पर चल कर लक्ष्य को पूरा करने का संकल्प लेने की है।

समाज को राह दिखाता है मीडिया

राष्ट्रीय प्रेस दिवस

जैसे-जैसे समाज में अत्याचार, भ्रष्टाचार, दुराचार और अपराध बढ़ रहा है। पत्रकारों पर हमले की घटनाएं भी बढ़ रही हैं। मीडिया और पत्रकारों पर हमला वही करते या करवाते हैं जो इन बुराइयों में डूबे हुए हैं। ऐसे लोग दोहरा चरित्र जीते हैं। मीडिया जब इनके काले कारनामों की पोल खोलने लगता है तो ये बौखला जाते हैं और उन पर हमले करवाते हैं। पुलिस और शासन तंत्र भी इन्हीं का साथ देते हैं। दिखावे के तौर पर मामला दर्ज कर लिया जाता है लेकिन होता कुछ नहीं। ये हालात चिन्ताजनक है। भारत में हर वर्ष 16 नवम्बर को राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाया जाता है। यह दिन भारत में एक स्वतंत्र और जिम्मेदार प्रेस की मौजूदगी का प्रतीक है। राष्ट्रीय प्रेस दिवस, प्रेस की स्वतंत्रता एवं जिम्मेदारियों की ओर हमारा ध्यान आकृष्ट करता है।



देश को आजादी दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली पत्रकारिता आजादी के बाद भी अलग-अलग परिदृश्यों में अपनी सार्थक जिम्मेदारियों को निभा रही है लेकिन मौजूदा दौर में पत्रकारिता दिनों-दिन मुश्किल बनती जा रही है। जैसे-जैसे समाज में अत्याचार, भ्रष्टाचार, दुराचार और अपराध बढ़ रहा है। पत्रकारों पर हमले की घटनाएं भी बढ़ रही हैं। मीडिया और पत्रकारों पर हमला वही करते या करवाते हैं जो इन बुराइयों में डूबे हुए हैं। ऐसे लोग दोहरा चरित्र जीते हैं। मीडिया जब इनके काले कारनामों की पोल खोलने लगता है तो ये बौखला जाते हैं और उन पर हमले करवाते हैं। पुलिस और शासन तंत्र भी इन्हीं का साथ देते हैं। दिखावे के तौर पर मामला दर्ज कर लिया जाता है लेकिन होता कुछ नहीं। ये हालात चिन्ताजनक है। भारत में हर वर्ष 16 नवम्बर को राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाया जाता

है। यह दिन भारत में एक स्वतंत्र और जिम्मेदार प्रेस की मौजूदगी का प्रतीक है। राष्ट्रीय प्रेस दिवस, प्रेस की स्वतंत्रता एवं जिम्मेदारियों की ओर हमारा ध्यान आकृष्ट करता है। प्रथम प्रेस आयोग ने भारत में प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा एवं पत्रकारिता में उच्च आदर्श कायम करने के उद्देश्य से एक प्रेस परिषद की कल्पना की थी। परिणाम स्वरूप 4 जुलाई 1966 को भारत में प्रेस परिषद की स्थापना की गई जिसने 16 नवम्बर 1966 से अपना विधिवत कार्य शुरू किया। तब से लेकर आज तक प्रतिवर्ष 16 नवम्बर को राष्ट्रीय प्रेस दिवस के रूप में मनाया जाता है। राष्ट्रीय प्रेस दिवस पत्रकारों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से स्वयं को फिर से समर्पित करने का अवसर प्रदान करता है। मीडिया को समाज का दर्पण एवं दीपक दोनों माना जाता है। चाहे वे समाचार पत्र हों या समाचार चैनल, उन्हें मूलतः

समाज का दर्पण माना जाता है। दर्पण का काम है वह समाज की हू-ब-हू तस्वीर समाज के सामने पेश कर सके। परन्तु कभी-कभी निहित स्वार्थों के कारण ये समाचार मीडिया समतल दर्पण की जगह उत्तल या अवतल दर्पण की तरह काम करने लग जाते हैं। इससे समाज की उल्टी, अवास्तविक, काल्पनिक एवं विकृत तस्वीर भी सामने आ जाती है। तात्पर्य यह है कि खोजी पत्रकारिता के नाम पर आज पीली व नीली पत्रकारिता हमारे कुछ पत्रकारों के गुलाबी जीवन का अभिन्न अंग बनती जा रही है। भारतीय प्रेस परिषद ने अपनी रिपोर्ट में कहा भी है कि भारत में प्रेस ने ज्यादा गलतियां की है एवं अधिकारियों की तुलना में प्रेस के खिलाफ अधिक शिकायतें दर्ज हैं। वर्तमान समय में पत्रकारिता का क्षेत्र व्यापक हो गया है। पत्रकारिता जन-जन तक सूचनात्मक, शिक्षाप्रद एवं

मनोरंजनात्मक संदेश पहुंचाने की कला एवं विधा है। समाचार पत्र एक ऐसी उत्तर पुस्तिका के समान है जिसके लाखों परीक्षक एवं अनगिनत समीक्षक होते हैं। अन्य माध्यमों के भी परीक्षक एवं समीक्षक उनके लक्षित जनसमूह ही होते हैं। तथ्यपरकता, यथार्थवादिता, संतुलन एवं वस्तुनिष्ठा इसके आधारभूत तत्व है। परन्तु इनकी कमियां आज पत्रकारिता के क्षेत्र में बहुत बड़ी त्रासदी साबित होने लगी हैं। पत्रकार चाहे प्रशिक्षित हो या गैर प्रशिक्षित, यह सबको पता है कि पत्रकारिता में तथ्यपरकता होनी चाहिए। परन्तु तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर, बढ़ा-चढ़ा कर या घटाकर सनसनी बनाने की प्रवृत्ति आज पत्रकारिता में बढ़ने लगी है।

रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स (आरएसएफ) के 2025 विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में भारत 180 देशों में से 151वें स्थान पर है। यह साल 2024 में 159वें और 2023 में 161वें स्थान से थोड़ा बेहतर है। लेकिन भारत अभी भी बहुत गंभीर प्रेस स्वतंत्रता श्रेणी में है। भारत नेपाल (90वां), मालदीव (104वां), श्रीलंका (139वां) और बांग्लादेश (149वां) जैसे पड़ोसी देशों से नीचे है। नॉर्वे, एस्टोनिया और नीदरलैंड प्रेस स्वतंत्रता में वैश्विक स्तर पर शीर्ष तीन प्रदर्शनकारी हैं। पहली बार, वैश्विक प्रेस स्वतंत्रता को आर्थिक दबावों के बढ़ने के कारण कठिन स्थिति में देखा जा रहा है।

भारत जैसे विकासशील देशों में मीडिया पर जातिवाद और सम्प्रदायवाद जैसे संकुचित विचारों के खिलाफ संघर्ष करने और गरीबी तथा अन्य सामाजिक बुराइयों के खिलाफ लड़ाई में लोगों की सहायता करने की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। क्योंकि लोगों का एक बहुत बड़ा वर्ग पिछड़ा और अनभिज्ञ है। इसलिए यह और भी जरूरी है कि आधुनिक विचार उन तक पहुंचाए जाएं और उनका पिछड़ापन दूर किया जाए ताकि वे सजग भारत का हिस्सा बन सकें। इस दृष्टि से मीडिया की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है।आजादी से पहले पत्रकारिता एक मिशन थी। आजादी के बाद यह एक व्यवसाय बन गई। आपातकाल के दौरान जब प्रेस पर सेंसर लगा था, तब पत्रकारिता एक बार फिर थोड़े समय के लिए भ्रष्टाचार मिटाओं अभियान को लेकर मिशन बन गई थी। धीरे-धीरे पत्रकारिता प्रोडक्शन से सेन्सेशन एवं सेन्सेशन से कमीशन बन गई है। परन्तु इन तमाम सामाजिक बुराइयों के लिए सिर्फ मीडिया को दोषी ठहराना उचित नहीं है। समाज में हमेशा बदलाव आता रहता है। विकल्प उत्पन्न होते रहते हैं। ऐसी अवस्था में समाज असमंजस की स्थिति में आ जाता है। इस स्थिति में मीडिया समाज को नई दिशा देता है। मीडिया समाज को प्रभावित करता है, लेकिन कभी-कभी येन-केन प्रकारेण मीडिया समाज से प्रभावित होने लगता है।

हालांकि प्रेस जहां एक तरफ जनता का आईना होता है। वहीं दूसरी ओर प्रेस जनता को गुमराह करने में भी सक्षम होता है। इसीलिए प्रेस पर नियन्त्रण रखने के लिए हर देश में अपने कुछ नियम और संगठन होते हैं। जो प्रेस को एक दायरे में रहकर काम करते रहने की याद दिलाते हैं। प्रेस की आजादी को छीनना भी देश की आजादी को छीनने की तरह ही होता है। चीन, जापान, जर्मनी, पाकिस्तान जैसे देशों में प्रेस को पूर्णतः आजादी नहीं दी गई है। यहां की प्रेस पर सरकार का सीधा नियंत्रण है। इस लिहाज से हमारा देश भारत उनसे बहुत अधिक ठीक है। आज मीडिया के किसी भी अंग की बात कर लीजिये हर जगह दाव-पेंच का असर है। खबर से ज्यादा आज खबर देने वाले का महत्व हो चला है। पक्षपात होना मीडिया में भी कोई बड़ी बात नहीं है। जो लोग मीडिया से जुड़ते हैं, अधिकांश का उद्देश्य जन जागरूकता फैलाना न होकर अपनी धाक जमाना ही अधिक होता है।

कुछ लोग खुद को स्थापित करने लिए भी मीडिया का रास्ता चुनते हैं। कुछ लोग वंद पत्र-पत्रिकाओं में लिखकर अपने समाज के प्रति अपने दायित्व की इतिश्री कर लेते हैं। छद्म नाम से भी मीडिया में लोगों के आने का प्रचलन बढ़ा है। सत्य को स्वीकारना इतना आसान नहीं होता है और इसीलिए कुछ लोग सत्य उद्धाटित करने वाले से बैर रखते

हैं। लेकिन फिर कुछ लोग मीडिया में अपना सबकुछ दांव पर लगाकर भी इस रास्ते को ही चुनते हैं और अफसोस की फिर भी उनकी वह पूछ नहीं होती जिसके की वे हकदार होते हैं। दुनिया भर के लोकातांत्रिक देशों में कार्यपालिका, न्यायपालिका और विधायिका के साथ प्रेस को चैथा खंभा माना जाता है। प्रेस इनको जोड़ने का काम करती है। प्रेस की स्वतंत्रता के कारण ही कार्यपालिका, न्यायपालिका और विधायिका को मजबूती के साथ आम आवाम की भावना को अभिव्यक्त करने का अवसर हासिल हुआ है। कभी कभी प्रेस पर तिल को ताड़ बनाने का आरोप लगाया जाता है हालांकि वह पूरी तरह सच नहीं है। आजादी के बाद प्रेस पर बहुत जिम्मेदारी आ गई।

खबरों में पक्षधरता एवं असंतुलन भी प्रायः देखने को मिलता है। इस प्रकार खबरों में निहित स्वार्थ साफ झलकने लग जाता है। आज समाचारों में विचार को मिश्रित किया जा रहा है। समाचारों का सम्पादकीकरण होने लगा है। विचारों पर आधारित समाचारों की संख्या बढ़ने लगी है। इससे पत्रकारिता में एक अस्वास्थ्यकर प्रवृत्ति विकसित होने लगी है। समाचार विचारों की जननी होती है। इसलिए समाचारों पर आधारित विचार तो स्वागत योग्य हो सकते हैं, परन्तु समाचारों पर आधारित समाचार अभिशाप की तरह होते हैं।

लेखक:-रमेश सर्राफ धमोरा

नीतीश ही ‘नेता’ हैं

बिहार ने इस बार भाजपा-एनडीए को प्रचंड, ऐतिहासिक और अप्रत्याशित जनादेश दिया है। साबित हो गया कि नीतीश कुमार ही बिहार के सर्वोच्च नेता हैं। चुनाव नीतीश के नेतृत्व में ही लड़ा गया। यह नीतीश के राजनीतिक करियर की शानदार उपलब्धि है, क्योंकि जनता दल-यू ने 2020 की तुलना में लगभग दोगुनी सीटों पर बढ़त बनाई है। मतगणना के दिन सुबह 9.56 बजे भाजपा 69 और जद-यू 76 सीट पर आगे थीं। उसके बाद भी दोनों साथी दलों की बढ़त 71-71, 75-75, 79-79 बरकरार रही। क्या कमाल का जनादेश मिला है! अंततः भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। यदि अंतिम जनादेश यही रहा, तो भाजपा-एनडीए के पक्ष में अभूतपूर्व जनादेश होगा। एनडीए सबसे पहले 190 सीट पर आगे रहा, जबकि तब महागठबंधन 50 सीटों पर ही आगे था। कितना व्यापक फासला था! निश्चित है कि चुनावी मुकाबला एकतरफा



साबित हुआ। भाजपा के चाणक्य एवं गृहमंत्री अमित शाह का आकलन भी 160 सीटों के आसपास का था, लेकिन नतीजे बंपर साबित हुए। आश्चर्य है कि नीतीश कुमार 20 लंबे साल तक सत्ता में रहे हैं, उसके बावजूद स्वीकार्य और प्रासंगिक साबित हुए हैं। हमने ऐसा ही विश्लेषण कुछ दिन पहले किया था कि नीतीश के विरुद्ध कोई नहीं है, लहर तो बहुत दूर की कौड़ी है। अब नीतीश की बिहार का नया

जननायक मानना चाहिए। यकीनन नीतीश उस जमात और पीढ़ी के अंतिम नेता हैं, जिसने जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में, संपूर्ण क्रांति के बैनर तले, राजनीति की शुरुआत की थी। जॉर्ज फर्नान्डीज, शरद यादव, कपूर्वी ठाकुर, रामविलास पासवान आदि की पीढ़ी दिवंगत हो चुकी है, लालू यादव अस्वस्थ हैं, नीतीश ही शेष हैं, जिन्हें इस ऐतिहासिक जनादेश के बाद जननायक करार देना चाहिए। यह

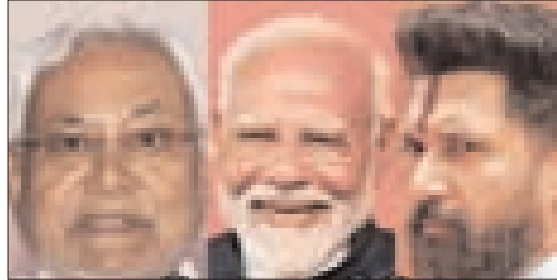
बिहार में नीतीश की स्वीकार्यता और प्रधानमंत्री मोदी की आम आदमी के बीच लोकप्रियता की ही प्रचंड जीत है। बिहार में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा-एनडीए ने यह लगातार, पांचवां चुनाव जीता है। शुरूआत 2014 के लोकसभा चुनाव से हुई थी। यह 2010 की भाजपा-एनडीए की आंधी, तूफान वाली जीत की पुनरावृत्ति भी है। सदन में विपक्ष का नेता चुनना भी कठिन लगता है। भाजपा-एनडीए जनादेश महज दस हजारी महिलाओं के बंपर समर्थन का ही जनादेश नहीं है, बल्कि यह बिहार के अधिसंख्य अगड़ों-सवर्णों, पिछड़ों-अति पिछड़ों, दलितों-महदालितों, युवाओं-बुजुर्गों और यहां तक कि मुसलमानों का भी जनादेश है।

जाति, धर्म, जमात, नस्ल, लिंग आदि के पार जाकर एनडीए को वोट दिए गए हैं। बेशक यह स्वीप जनादेश है। बिल्कुल कल्पनातीत जनादेश है। यह संपादकीय लिखने तक

एनडीए 206 और विपक्षी गठबंधन मात्र 30 सीटों पर बढ़त बनाए थे। भाजपा 95 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी है, जबकि जद-यू की बढ़त 82 सीटों पर थी। चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (आर) ने भी 20 सीटों पर बढ़त बना कर अपना अमूल्य योगदान दिया है। विपक्ष के मुख्यमंत्री उम्मीदवार तेजस्वी यादव के राजद की बढ़त 25 सीटों पर ही थी। तेजस्वी खुद पीछे चल रहे थे। कांग्रेस के हिस्से मात्र 3 सीटें ही दिख रही थीं। जाहिर है कि बिहार में उसका सूपड़ा ही साफ हो गया है। आंकड़ों में कुछ बदलाव हो सकता है, अलबत्ता जनादेश यही रहेगा। कांग्रेस ने 2020 में 19 सीट जीती थीं। विपक्ष में सीपीआइ (माले) भी 4 सीट पर ही सिमटने के आसार हैं। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता पवन खेड़ा ने टिप्पणी की है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार गुप्ता बिहार की जनता पर भारी पड़ गए। यह एक कुटित टिप्पणी

है। बहरहाल यह चुनाव अतुलनीय साबित हुआ, लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनकी लगातार मदद कर रहे प्रधानमंत्री मोदी के लिए कई चुनौतियां हैं। पलायन सबसे संवेदनशील मुद्दा है, जिससे रोजगार प्रत्यक्ष रूप से जुड़ा है। बिहार में 3 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी-रेखा से ऊपर किया गया है, लेकिन अब भी 33 फीसदी से अधिक आबादी गरीब है। बिहार सबसे युवा राज्य है, जहां 58 फीसदी आबादी की औसत उम्र 32 साल है। एनडीए ने एक साल के भीतर बिहार को बाढ़-मुक्त करने का वायदा किया है। यह समस्या तब से है, जब देश आजाद भी नहीं हुआ था, लिहाजा यह ब्लू प्रिंट सामने आना चाहिए कि बिहार बाढ़-मुक्त कैसे होगा। बहरहाल प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री समेत पाटियों के समस्त कांडर को जीत के जश्न की बधाई और भविष्य की शुभकामनाएं।

बिहार में एनडीए की प्रचंड जीत और लालूराज का स्याह अतीत



साल 1990 में भारतीय राजनीति में दो बड़ी घटनाएं हुईं। विश्वनाथ प्रताप सिंह के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने उस साल सत्ताईस प्रतिशत आरक्षण के प्रावधान के साथ मंडल आयोग की सिफारिशें लागू की और उसी साल तमाम तिकड़मों के साथ लालू प्रसाद यादव बिहार के मुख्यमंत्री बन गए। यूं तो मंडल आयोग को लेकर पूरे देश में विरोध प्रदर्शन हुए लेकिन बिहार में इसके कारण वर्ग संघर्ष शुरू हुआ। अगड़े-पीछे के बीच कभी न खत्म होने वाली नफरत की खाई खोद दी गई। मुख्यमंत्री के नाते लालू प्रसाद यादव ने इसे खत्म करने के बजाय इसको हाथ दी और पूरे दस साल जातीय नरसंहार का सिग्नलिन चलने दिया। उस दौरान राह चलते लोगों की जातियां पूछकर दुकाई की जाती रही और सत्ता में बैठे लालू इस संघर्ष का राजनीतिक लाभ लेते रहे। चारा घोटाले में नाम आने के बाद लालू प्रसाद यादव को कुर्सी छोड़नी पड़ी और साल 2005 आते-आते बिहार ने लालू परिवार के शासन से जो एक बार लौटा की तो फिर उस तरफ नहीं देखा। साल 2025 के ताजा चुनाव परिणाम में राजद के सफाए के पीछे प्रारंभिक कारण सिर्फ और सिर्फ लालू राज के अत्याचार से बचे रहने का फैसला ही है। राजनीतिक विश्लेषक भले ही जीत-हार के अलग-अलग कारण गिना रहे हों लेकिन नीतीश कुमार के प्रति विश्वास से कोई बड़ा कारण नहीं हो सकता है। उस पर से भाजपा का केंद्र की सत्ता में रहना, सोने पर सुहागे की तरह काम कर रहा है। मोदी और नीतीश ने मिलकर बिहार का ऐसा एकजुट समाज बनाया है, जिसमें सभी वर्ग के लोग सुरक्षित महसूस करते हैं, यहां तक कि मुस्लिम आबादी भी। भले आर्थिक आंकड़ों में यह बिहार किसी शीर्ष राज्य की श्रेणी में नहीं आता है लेकिन चैन से सोने और मनमाफिक काम करने की आजादी की कोई गणना हो तो बिहार पहले पांच राज्यों में जरूर आ सकता है। नीतीश कुमार ने बीस वर्षों के अपने कार्यकाल में जो सबसे बड़ी मिसाल कायम की है, वह है, तटस्थता के साथ सरकार का संचालन और बिना राम-द्वेष का राजनीतिक व्यवहार। दूसरी तरफ लालू परिवार ने अपने पंद्रह साल के शासन में राज्य

को न सिर्फ अशांत क्षेत्र में बदल दिया बल्कि खुद के लिए भ्रष्टाचार का स्वर्ग स्थापित कर लिया। ना तो उन्होंने सामाजिक मर्यादा का ख्याल रखा और ना किसी कानून की परवाह की। सत्ता के अपने सहयोगियों से भी वसूली करने में नहीं हिचके। कांति सिंह और रघुनाथ झा जैसे वरिष्ठ सहयोगियों से भी सांसद, मंत्री बनाने के एवज में जमीन लिखवा ली। कहा तो यह भी गया कि लालू प्रसाद यादव ने बिहार के समस्त लोगों के खिलाफ अपहरण और फिरौती के कारोबार को अपनी देखरेख में चलावाया। हालात तो यहां तक पहुंच गए हैं कि अपराधियों ने लोगों की अवकाश निष्ठा और पेंशन को हड़पने के लिए भी अपहरण का रास्ता अपनाया। क्या उस बिहार की कोई दोबारा कल्पना करना चाहेंग? कभी नहीं। बिहार के लोगों के मन में हमेशा के लिए यह भाव घर कर गया है कि राजद को सत्ता में लाने के लिए वोट करने का मतलब फिर से साल 1990 के बाद के काल खंड में बिहार को पहुंचाना है। ऐसा नहीं है कि बिहार, नीतीश के शासन काल में कोई आदर्श राज्य बन गया है। ना ही आर्थिक वित्त में कोई बड़ी प्रगति की है। बड़े उद्योग-धंधे भी नहीं लगे। स्थाई रोजगार का भी टोटा है। पर नीतीश कुमार ने बिहार को बिखरने नहीं दिया है। समाज के निचले तबके के जीवन में आसानी पैदा करने की लगातार कोशिश की है। एक से दूसरी जातियों के बीच टकराव पैदा कर राजनीतिक फायदे की कोशिश के बजाय नीतीश के शासन ने सबके लिए अवसर का सृजन किया है। जिस नौकरी का लालच देकर सत्ता परिवर्तन का सपना तेजस्वी यादव देख रहे थे, उसी नौकरी के विकल्प को फलफला पूर्वक नीतीश सरकार लागू करती रही है। निविदा पर ही सही हजारों लोगों को शिक्षक की नौकरी नीतीश ने 20 साल पहले देनी शुरू कर दी थी। अब तो लोग सेवानिवृत्त हो रहे हैं। वे निविदा के कर्मचारियों नीतीश कुमार के लिए साधुवाद का भाव रखते हैं। लालू के शासन वाले और नीतीश के शासन वाले बिहार में किसी को अंतर देखना ही तो बिहार की सड़कों पर निकल जाए।

नए भारत के विराट नेतृत्व के पक्ष में बिहार का जनादेश

बिहार के चुनाव परिणाम आ चुके। जनादेश की आंधी में भारत विरोधी जुमलों का नामोनिशान मिट गया। बिहार की जनता ने साफ संदेश दे दिया कि ज्ञान और संस्कृति की धरती पर अपशब्दों, गलियों, संस्कृति पर आघात और सनातन विरोधी साजिशकताओं के लिए अब कोई जगह नहीं है। बिहार ने नए भारत के विराट नेतृत्व में गजब की आस्था व्यक्त किया है। नरेन्द्र मोदी पर भरोसा, अमित शाह की रणनीति और एनडीए के सभी दलों में अद्भुत सामंजस्य ने भारत की राष्ट्रीय राजनीति को भी स्थायित्व प्रदान किया है। पूरे चुनाव प्रबंधन की रणनीति के शिल्पी अमित शाह की दूरगामी दृष्टि है जिसने इस एक चुनाव के माध्यम से ही केंद्र की सरकार को भी बहुत सलीके से और मजबूत बना दिया है। गाहे-बगाहे केंद्र सरकार की अस्थिरता के सपने देखने वालों की अब नींद जरूर टूट जाएगी। चुनाव आयोग समेत देश की लगभग सभी संवैधानिक संस्थाओं को बार बार कठपरे में खड़ा कर लोगों को भटकाने की रणनीति गांधी की योजना को भी इस परिणाम ने ध्वस्त कर दिया है। इस चुनाव में मोदी और नीतीश को लेकर महिलाओं ने जो उत्साह दिखाया वह अभूतपूर्व कहा जाएगा।

वास्तव में बिहार चुनाव की अवधि और इसके परिणाम की गहराई को देखने से कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आ



रहे हैं। यह चुनाव वास्तव में एक लिटमस परीक्षण ही था जिसकी वास्तविकताओं को भी सामने लाने में डर लग रहा था। विपक्षी इंडी गठबंधन की धमकी और भाषा ने अनेक सर्वे एजेंसियों को वास्तविकता परोसने नहीं दिया। सब डरे हुए थे। जब बिहार में चुनाव प्रचार शुरू हुआ था तब वोट चोरी के आरोपों के साथ अत्यंत उपद्रवी अंदाज में कांग्रेस और राजद ने अभियान चलाया। राहुल गांधी की आक्रामकता से अब सभी परिचित हैं। उन लोगों को यह लग रहा था कि बिहार के नौजवान उनकी आक्रामकता और शैली के प्रभाव में जरूर आएंगे और नेपाल की जेन जेड क्रांति जैसा कुछ हो जाएगा। बिहार में दक्षिण के उन नेताओं

के साथ मंच सजाए गए जो बाकायदा अपने राज्य में हिंदुत्व उन्मूलन अभियान चला रहे हैं। यहां एक और महत्वपूर्ण घटना हुई। बिहार का बेटा बनकर प्रशांत किशोर का चुनावी शंखनाद और जन जागरण। उनकी घोषणा थी कि इस बार नीतीश कुमार की पार्टी जदयू 25 से भी कम सीटों में सिमट जाएगी। यदि 25 से ज्यादा सीटें जद यू को मिलीं तो वे राजनीति छोड़ देंगे। बिहार चुनाव से पहले तक तक अलग -अलग राजनीतिक दलों के चुनावी रणनीति की दुकान चलाने वाले प्रशांत किशोर को लगा था कि बिहार के वास्तविक मुद्दों को उभार कर, जंगलराज की दोहराने का डर दिखा कर जनता

को वह अपने पक्ष में कर लेंगे। इसी सपने के साथ उन्होंने सभी 243 सीटों पर जनसुराज के प्रत्याशी खड़े कर दिए। प्रशांत किशोर की बातों और उनके मुद्दों से जनता आकर्षित तो हुई लेकिन जनता को इसके लिए प्रशांत किशोर की पार्टी पर भरोसा नहीं हुआ। उभरे हुए ये मुद्दे लहलहाती फसल बन कर एनडीए की खलिहान की फसल बन गए। 20 वर्ष पुराने जंगलराज की कहानियों ने बिहार के युवाओं और महिलाओं को विकल्प तलाशने पर विवश कर दिया। परिणाम यह हुआ कि जनता के सामने सबसे विश्वसनीय चेहरे के रूप में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ही नजर आए। रणनीति के साथ

मगध की धरती पर गृहमंत्री अमित शाह ने मैदान में अपनी संतुलित और सुदृढ़ सेना उतार दी। भाजपा, जदयू के अलावा चिराग पासवान, जीवनराम मांझी और भूपेंद्र कुशवाहा जैसे बिहारी नेतृत्व को साझा सेना देकर सामने रखा। प्रबंधन में सीआर पाटिल के साथ केशव मौर्य की टीम लगा दी। प्रधानमंत्री और गृहमंत्री ने बिहार को सांस्कृतिक धरातल पर मथा। लोक पर्व छठ को वैश्विक सम्मान देते और दिलाते हुए बिहार में विकास के नए आयाम दिखाए। महिलाओं के लिए अलग से भी नई योजनाएं लाई गईं। नीतीश कुमार के नेतृत्व पर भरोसा जताया। बिहार के परिणाम ने नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को बहुत मजबूत कर दिया है। भाजपा के बिहार प्रभारी और केंद्रीय शिक्षांत्री धर्मेन्द्र प्रधान कहते हैं कि जनता ने पिछले 20 साल के काम, पिछले साढ़े 11 साल की प्रधानमंत्री की नीतियों और जंगलराज तथा कुशासन के इतिहास को परखा और तुलना करने के बाद हम पर फिर से भरोसा जताया है।

यहां यह लिखना बहुत समोचीन लगता है कि बिहार के विकास मॉडल के बांड एंबेसडर स्वयं तेजस्वी यादव उसी रात बन गए थे जिस रात पटना में लोकनायक ब्रिज या कहे कि मरीन ड्राइव पर डांस करते नजर आए। दरअसल, तेजस्वी यह समझ ही नहीं सके कि उनके पिता के कार्यकाल

वाले दौर से निकल चुके बिहार के 20 वर्षों के विकास का ही परिणाम है कि वे आधी रात को बिल्कुल निडर होकर यह डांस कर रहे हैं। उनका यह डांस स्वयं नीतीश कुमार के विकास के मॉडल का प्रचार कर गया। ऊपर से प्रशांत किशोर द्वारा लालू के बिहार के जंगलराज की घर-घर पहुंची कहानी को एनडीए के प्रचार अभियान ने ऐसी तीव्रता दी कि बिहार का हर युवा 20 साल पहले वाले बिहार की कहानी नेट पर संचर करने लगा।

एक और बात। सोशल मीडिया और कुछ यूट्यूबर्स ने विपक्षी इंडी गठबंधन के पक्ष में राहुल और तेजस्वी की जोड़ी के लिए खूब अभियान चलाया लेकिन उसे जो लाइक और कमेंट मिले वे वोटों में तब्दील नहीं हो सके। अभी उत्तर प्रदेश में भाजपा के साथ राजबहियों में समाए ओमप्रकाश राजभर ने तो यहां तक ऐलान कर दिया कि बिहार में नीतीश सरकार जा रही है। केंद्र से लेकर प्रदेशों तक के सभी बड़े नेता एक लड़के (तेजस्वी यादव) के पीछे लग गए हैं। राजभर वैसे भी टिप्पणियों के लिए जाने जाते हैं लेकिन इस बार उन्होंने सीधे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को ही निशाना बना लिया। देखना यह दिलचस्प होगा कि उत्तर प्रदेश में राजभर की मुक्ति कब तक हो पाती है।

लेखक:-आचार्य संजय तिवारी

झारखंड राज्य स्थापना दिवस हमारी संस्कृति, अस्मिता व संघर्ष की पहचान : उपायुक्त

पलामू व झारखंड विकास व सुरक्षा के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों बढ़ा आगे : पुलिस अधीक्षक

राज्य स्थापना दिवस पर पलामू में भव्य समारोह

मेदिनीनगर। झारखंड राज्य स्थापना दिवस एवं उलुगुलान के महानायक धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती श्रद्धा, उत्साह और गौरव के साथ मनाया गया। प्रमंडलीय मुख्यालय मेदिनीनगर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति भवन (टाउन हॉल) में जिलास्तरीय समारोह और सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। टाउन हॉल परिसर में लोग मांदर की थाप पर थिरकते नजर आए। वहीं छात्र-छात्राओं ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति से समा बांधा। पलामू उपायुक्त समीरा एस ने झारखंड के रजत पर्व की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि झारखंड राज्य स्थापना दिवस हमारी संस्कृति, अस्मिता और संघर्ष की पहचान है। धरती आबा बिरसा मुंडा ने स्वतंत्रता और स्वाभिमान की जो राह दिखाई, वह आज भी हमसबों को प्रेरित करती है। जिला प्रशासन जनजातीय समाज के अधिकारों और सशक्तिकरण के लिए पूरी निष्ठा से कार्य कर रहा है। आज वितरित परिसंपत्तियां इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि आज का दिन हमारे लिए केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि संकल्प का दिन भी है। हम सभी आज धरती आबा के जयंती मना रहे हैं, जिन्होंने शौर्य और उलगुलान से जल, जंगल जमीन की पहचान



दी। उपायुक्त ने झारखंड आंदोलन के सभी अमर शहीदों को श्रद्धापूर्वक नमन की, जिनके बलिदान से यह राज्य अस्तित्व में आया। उन्होंने जिले के सभी नागरिकों, कर्मचारियों, शिक्षकों, चिकित्सकों और सुरक्षा कर्मियों को भी धन्यवाद दिया, जिनके सहयोग और मेहनत से पिछले 25 वर्षों में विकास के हर पड़ाव को पार किया गया। इसका उदाहरण है कि आज हमलोग उन्नति दूरस्थ आदिवासी योजना (वउअ) के तहत सफलता अर्जित की। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का भी यही संकल्प था कि आदिवासी, जनजाति के हर सदस्य को अपना पहचान और अधिकार प्राप्त हो। उपायुक्त ने कहा कि राज्य स्थापना दिवस व भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर आज हमसबों को संकल्प लेने की आवश्यकता है कि सभी पलामू एवं झारखंड के विकास यात्रा को और आगे

बढ़ायेंगे। उपायुक्त ने रजत पर्व के अवसर पर राज्य व जिला के विकास में प्रशासनिक टीम के साथ सभी की सहयोग और जनभागीदारी की अपील की। उन्होंने कहा कि रजत पर्व समुद्ध पलामू व झारखंड निर्माण की संकल्प लेने का दिन है। पुलिस अधीक्षक रिष्मा रमेशन ने सभी को राज्य स्थापना दिवस व भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि धरती आबा बिरसा मुंडा का जीवन साहस, संघर्ष और सामाजिक न्याय का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि पलामू जिला व राज्य विकास व सुरक्षा के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ा है। जिले में शांति, कानून व्यवस्था और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के लिए पुलिस विभाग सतत कार्य कर रही है। वेहतर पुलिसिंग से समाज सुरक्षित महसूस कर रहा है। यह सब जवानों की कुर्बानी व बलिदान और सभी के योगदान से संभव हो सका है।

उन्होंने उदय योजना की सफलता के लिए जिला प्रशासन व जमीनी स्तर पर लगे सभी कर्मियों को बधाई देते हुए हौसला बढ़ाया। उप विकास आयुक्त जावेद हुसैन ने स्थापना दिवस पर आयोजित समारोह में सभी का स्वागत और शुभकामनाएं दी। साथ ही रजत पर्व के दौरान हुए विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि धरती आबा बिरसा मुंडा ने युवाओं को एकजुट कर उलगुलान किया और सफलता प्राप्त की। वर्तमान युवा पीढ़ी को उनसे सीख लेने की आवश्यकता है। वन प्रमंडल पदाधिकारी सत्यम कुमार ने झारखंड राज्य स्थापना दिवस/रजत पर्व के अवसर पर सभी को शुभकामनाएं देते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि खरीदारी के छात्र-छात्राओं ने भगवान बिरसा मुंडा के जीवन-संघर्ष, उलगुलान की गौरवगाथा तथा झारखंडी जनजातीय संस्कृति पर आधारित

गीत, नृत्य व नाटक प्रस्तुत किए। इसके अलावा बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, भूषण हत्या अभिषाप, बेटियां बोझ नहीं, देश की शान हैं, से संबंधित रंगेट खड़े करने वाले नाटक प्रस्तुत कर न केवल लोगों का ध्यान खींचा, बल्कि दर्शक नाटक से जुड़े रहें। विद्यार्थियों की एक-से-बढ़कर-एक अद्भुत प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया और टाउन हॉल तालियों की गड़गड़ाहट से गुँज उठा। विद्यार्थियों की पेंटिंग वनी आकर्षण का केंद्र कार्यक्रम स्थल को विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई पेंटिंग्स से सजाया गया था। पेंटिंग में मुख्य रूप से झारखंड एवं पलामू का नक्शा, झारखंड सरकार का लोगो, झारखंड मईया सम्मान,पलामू किला, बेतला नेशनल पार्क, भगवान बिरसा मुंडा की प्रेरणादायक झाकियाँ और उलगुलान के ऐतिहासिक दृश्य को अत्यंत आकर्षक और जीवंत रूप में उकेरा गया था। यह पेंटिंग का आगंतुकों ने विशेष सराहना की। टाउन हॉल परिसर में झारखंड लाइवलीहूड प्रमोशन समिति की ओर से विभिन्न उत्पादों का क्लास ब्रांड का स्टॉल लगाया गया। इस प्रदर्शनी-सह वितरण स्टॉल का उपायुक्त समीरा एस., पुलिस अधीक्षक रिष्मा रमेशन सहित अन्य पदाधिकारियों ने निरीक्षण कर वहां रखे उत्पादों का अवलोकन किया। साथ ही उत्पाद की खरीदारी कर ऑनलाइन भुगतान किया। वहीं सखी मंडल की महिलाओं द्वारा निर्मित सामग्री की सराहना की।

इसके अलावा बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, भूषण हत्या अभिषाप, बेटियां बोझ नहीं, देश की शान हैं, से संबंधित रंगेट खड़े करने वाले नाटक प्रस्तुत कर न केवल लोगों का ध्यान खींचा, बल्कि दर्शक नाटक से जुड़े रहें। विद्यार्थियों की एक-से-बढ़कर-एक अद्भुत प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया और टाउन हॉल तालियों की गड़गड़ाहट से गुँज उठा। विद्यार्थियों की पेंटिंग वनी आकर्षण का केंद्र कार्यक्रम स्थल को विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई पेंटिंग्स से सजाया गया था। पेंटिंग में मुख्य रूप से झारखंड एवं पलामू का नक्शा, झारखंड सरकार का लोगो, झारखंड मईया सम्मान,पलामू किला, बेतला नेशनल पार्क, भगवान बिरसा मुंडा की प्रेरणादायक झाकियाँ और उलगुलान के ऐतिहासिक दृश्य को अत्यंत आकर्षक और जीवंत रूप में उकेरा गया था। यह पेंटिंग का आगंतुकों ने विशेष सराहना की। टाउन हॉल परिसर में झारखंड लाइवलीहूड प्रमोशन समिति की ओर से विभिन्न उत्पादों का क्लास ब्रांड का स्टॉल लगाया गया। इस प्रदर्शनी-सह वितरण स्टॉल का उपायुक्त समीरा एस., पुलिस अधीक्षक रिष्मा रमेशन सहित अन्य पदाधिकारियों ने निरीक्षण कर वहां रखे उत्पादों का अवलोकन किया। साथ ही उत्पाद की खरीदारी कर ऑनलाइन भुगतान किया। वहीं सखी मंडल की महिलाओं द्वारा निर्मित सामग्री की सराहना की।

राज्य गठन के 25 वर्ष पूरे, गिरिडीह झंडा मैदान में भव्य आयोजन



नवप्रदेश/गिरिडीह। झारखंड स्थापना दिवस के रजत जयंती अवसर पर शनिवार को गिरिडीह के ऐतिहासिक झंडा मैदान में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूरे मैदान को झारखंडी संस्कृति और रंगों से सजाया गया था। मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड सरकार के नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनु उपस्थित रहे। उनके साथ राज्यसभा सांसद डॉ. सरफराज अहमद, उपायुक्त रामनिवास यादव, पुलिस अधीक्षक डॉ. विलम कुमार, झामुमो के जिलाध्यक्ष संजय कुमार सिंह, जमुओ के पूर्व विधायक केदार हाजरा सहित जिले के कई पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में आमजन शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत छात्राओं द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत कर की गई, जिसने पूरे माहौल को देशभक्ति और झारखंडी गौरव से भर दिया। इसके बाद जिले के आंदोलनकारियों, स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों और विभिन्न विद्यालयों के उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। सभा को संबोधित करते हुए मंत्री सुदिव्य कुमार सोनु ने कहा कि झारखंड राज्य का गठन एक लंबे आंदोलन और हजारों लोगों के संघर्ष के बाद संभव हो सका। उन्होंने कहा कि दिशिम गुरु के नेतृत्व में झारखंड के आंदोलनकारियों ने अथक लड़ाई लड़ी, जिसके परिणामस्वरूप 15 नवंबर 2000 को यह राज्य अस्तित्व में आया। मंत्री ने कहा कि आज झारखंड अपने 25वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है और इस दौरान राज्य ने शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, उद्योग तथा ग्रामीण विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। मंत्री ने अपने संबोधन में सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य में जनकल्याण योजनाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने लोगों से राज्य के विकास में भागीदार बनने और झारखंड की संस्कृति को मजबूत बनाए रखने की अपील की।

बिरसा मुंडा के सपना अधूरा झारखंडी मूलवासी हैं फटेहाल : रूचिर तिवारी

मेदिनीनगर। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव सह डाल्टेनगंज विस के पूर्व विधायक उम्मीदवार रूचिर कुमार तिवारी ने सबरवा प्रखंड के ग्राम -दुलसुलमा में झारखंड स्थापना दिवस के अवसर पर बिरसा मुंडा के प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दिया इस अवसर पर श्री तिवारी ने कहा कि आज झारखंड स्थापना के 25 वर्ष हो गए लेकिन इस 25 वर्ष के बाद भी झारखंड वासियों को आज मूलभूत सुविधाओं से वंचित रहना पड़ रहा है झारखंड के खनिज संपदा कोयला अबरख तांबा, बॉक्साइट से हिंदुस्तान ही नहीं बल्कि विदेश भी जमनामा रहा है लेकिन झारखंड वासी मूल वासियों की स्थिति दयनीय है झारखंड के अंदर आज भी झारखंड के अंदर लाखों लोग गरीबी रेखा में जी रहे हैं यहां के अफसर एवं नेता मंत्री मातोभाल हो रहे हैं आम जनता के टैक्स के पैसा से उनकी संपति दिन दुाना रात दोगुना बढ़ रही है।

झारखंड में प्रगति की असीम संभावनाएं : डीईओ

नवप्रदेश संवाददाता

पलामू। झारखंड शिक्षा परियोजना पलामू के तत्वावधान में सीएम एक्ससीलेंस स्कूल (जिला स्कूल) मेदिनीनगर में शनिवार को जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन कर झारखंड के स्थापना की रजत जयंती मनाई गयी। समारोह का उद्घाटन जिला शिक्षा पदाधिकारी सौरभ प्रकाश एवं नजरत उप समाहर्ता नीरज कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। संयोजन एंजीओ मनोज मिश्र ने किया। संचालन रजवाडीह मध्य विद्यालय के प्रधानाध्यापक परशुराम तिवारी ने किया। इस मौके पर जिला शिक्षा पदाधिकारी सौरभ प्रकाश ने कहा कि पिछले पच्चीस वर्षों में झारखंड राज्य ने अनेक क्षेत्रों में विकास किया तथा यहां प्रगति की असीम संभावनाएं हैं। रजत जयंती समारोह में आयोजित पेंटिंग, नृत्य, गायन, कथावाचन, निबंध व नाटक प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने



अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। प्रतियोगियों ने झारखंड की संस्कृति पर आधारित नृत्य, गीत व नाटक के माध्यम से श्रोता-दर्शकों का न सिर्फ मनोरंजन किया, बल्कि दहेज प्रथा, बाल विवाह, लिंग भेद व नशापान के उन्मूलन का संदेश भी दिया। पेंटिंग प्रतियोगिता के कक्षा 6 से कक्षा-12 के बालक वर्ग में नावाबजाजर के द्विविम कुमार को प्रथम, लेस्लीगंज के अनमोल सोनी को द्वितीय व रामगढ़ के अलतमश राजा को तृतीय स्थान मिला। वहीं बालिका वर्ग में हरिहरगंज के आशिषा नाज को प्रथम, लेस्लीगंज

की निभा कुमारी को द्वितीय व ऊंटारीरोड की रिया कुमारी को तृतीय स्थान मिला। एकल गायन के बालक वर्ग में लेस्लीगंज के आयुष तिवारी को प्रथम, चैनपुर की अंशु कुमारी को द्वितीय व लेस्लीगंज की शिवांगी को तृतीय स्थान मिला। समूह नृत्य में तरहसी, लेस्लीगंज और पांडू प्रखंड तथा समूह गायन में चैनपुर, मोहम्मदगंज, पिपरा की टीम क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रही। एकल नृत्य में वर्षा कुमारी को प्रथम, साक्षी को द्वितीय तथा स्वीटी ,अंजलि को तृतीय स्थान मिला। कथावाचन के

बालक वर्ग में अमित कुमार प्रथम, आदित्य राज द्वितीय और परवेज आलम तृतीय तथा बालिका वर्ग में रेखा कुमारी प्रथम, पायल कुमारी द्वितीय और नंदिनी कुमारी तृतीय स्थान पर रही। निबंध प्रतियोगिता के बालक वर्ग में दिव्यांशु पाण्डेय को प्रथम, सूरज कुमार सिंह को द्वितीय और सुशील कुमार यादव को तृतीय तथा बालिका वर्ग में काजल कुमारी को प्रथम, अंजलि कुमारी को द्वितीय व चंदनी कुमारी को तृतीय स्थान मिला। विजय प्रतियोगिता के बालिका वर्ग में कल्याणी कुमारी प्रथम, काजल कुमारी द्वितीय और आमाया कुमारी तृतीय स्थान पर रही। वहीं बालक वर्ग में जय भोलेनाथ सिंह ने प्रथम, हर्ष कुमार ने द्वितीय और अभिषेक कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मौके पर एडीपीओ अम्बुज्या पाण्डेय, सीआरपी विनय कुमार दूबे, शिक्षक संजय कुमार सिंह,शिक्षा कर्मी आमोद सिन्हा, राम हरेक पाण्डेय, विनोद तिवारी सहित अनेक लोग सक्रिय रहे।

रजत जयंती वर्ष में होगा अंतर्राष्ट्रीय नाटक और नृत्य महोत्सव : राजेंद्र बगड़िया



अयोजन का प्रायोजक सलुजा गोल्ड होगा। प्रतियोगिता स्व. उमा रानी ताह की स्मृति में आयोजित की जाएगी। संयोजक चुनूकांत ने कहा कि कार्यक्रम 29, 30, 31 जनवरी 1 फरवरी 2026 को आयोजित की जाएगी। संरक्षक अजय कुमार सिन्हा ने कहा कि इस बार अनुमानित बजट नौ लाख का है, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। बैठक का संचालन करते हुए सचिव सतीश कुन्दन ने बताया कि सभी सदस्यों का डिजिटल आईडी कार्ड बनाया जायेगा। इसके लिए सभी सदस्यों को 15 दिसंबर तक

करते हुए, जिम्मेवारी कार्यकारी अध्यक्ष पंकज ताह को दी गई। कला संगम के नाट्य दल को राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने आजमगढ़ और डिहरी ओनसोन भेजन का निर्णय लिया गया। सह सचिव सुजय गुप्ता ने कहा ठहराने की जिम्मेवारी हमारी होगी। नीतीश आनंद के प्रस्ताव पर शहर को सजाने का निर्णय लिया गया। नाटक नृत्य का पंजीकरण 15 नवंबर से 31 दिसंबर तक चलेगा। बैठक में डॉ तारक नाथ देव, सह संयोजक सुनील भूषण, राजेश सिन्हा, संगीत प्रभारी अरित चंद्रा, संजय सिन्हा, देवेंद्र सिंह, शिलधर प्रसाद, नीतीश आनंद, रवीश आनंद, शुभम, मनोज कुमार मुन्ना, सुनील लाभ, सिद्धांत रंजन, आकाश, विकास, इंद्रजीत, अनुराग, संधीप, संस्कृति, अनुष्का, कविन्द्र भट्टाचार्य, संजय सिन्हा सहित अन्य कई सदस्य उपस्थित थे।

हरिहरगंज में 26वीं राज्य स्तरीय महिला-पुरुष कुश्ती प्रतियोगिता का हुआ भव्य आयोजन

राज्य स्तरीय कुश्ती मुकाबलों में 24 जिले के 400 पहलवानों ने दिखाया दमखम



हरिहरगंज। कुश्ती से युवाओं को पहचान व कैरियर बनाने का अवसर मिलता है. उक्त बातें पलामू जोन के आईजी शैलेन्द्र कुमार सिन्हा ने शनिवार को कही. वे हरिहरगंज प्रखंड के सीता टेन प्लस टू उच्च विद्यालय खेल मैदान पर झारखंड राज्य कुश्ती संघ के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय 26वीं सीनियर झारखंड राज्य स्तरीय महिला-पुरुष कुश्ती प्रतियोगिता का उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि लोगों को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि राज स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन होना हरिहरगंज के लिए गौरव की बात है. उन्होंने खिलाड़ियों को अनुशासन और खेलभावना के साथ वेहतर प्रदर्शन करने की अपील की. कुश्ती संघ के संरक्षक विश्वनाथ सिंह ने कहा कि इस प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में हिस्सा लेने का अवसर मिलेगा. इससे पहले आयोजन कमिटी के झारखंड कुश्ती संघ के महासचिव रजनीश कुमार, उपाध्यक्ष कान्हा सिंह, संरक्षक विश्वनाथ सिंह, सुबोध कुमार सिंह उर्फ बबलू सिंह, रंजीत बहादुर सिंह, समाजसेवी राजीव रंजन व रॉबर्ट गुप्ता ने सभी अतिथियों का मोमेंटी अंगवस्त्र, पगड़ी तथा पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया. बाद में मुख्य अतिथि ने राज्य तथा जिला कुश्ती संघ का ध्वजारोहण कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया. वहीं कुश्ती संघ के महासचिव व संरक्षक ने मुख्य अतिथि का खिलाड़ियों से परिचय कराया. बाद में कुश्ती के दौरान त्रिको रंगमन तथा प्रेे स्टायल शैली में विभिन्न भार वर्ग के 24 जिलों से आए महिला पुरुष खिलाड़ियों ने अपना दमखम दिखलाया. इस प्रतियोगिता में विभिन्न जिलों से करीब 400 महिला पुरुष पहलवान शामिल हुए हैं. वहीं यह प्रतियोगिता 16 नवंबर को संपन्न होगा. इस अवसर पर छतरपुर एसडीपीओ अवध कुमार यादव, बीडीओ पारितोष प्रियदर्शी, सीओ मनीष कुमार सिन्हा, थाना प्रभारी चंदन कुमार, बिलल कुमार, चिकित्सा पदाधिकारी डॉ गणाल प्रसाद, भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष राजीव रंजन, ब्रजेश कुमार, अरुण मिश्रा, सचिव गौतम राज, आम्रकक्षा विश्वकर्मा, अजय स्वर्णकार, भोला गुप्ता, शंकर गुप्ता, रॉबर्ट गुप्ता, गंगा जायसवाल, संजय गुप्ता, निरंजन गुप्ता, विश्वदीप कुमार, जेपी गुप्ता, शंशि गुप्ता, प्रमुख गुड्ड यादव, प्रवेप सिंह, लल्लू सिंह, विनोद सिंह, हिंदू सिंह, संतोष प्रजापति, मुत्तुंजय सिंह, अखिलेश मेहता, मुन्ना विश्वकर्मा, जितेंद्र मेहता, राजेश्वर सिंह, शंभू यादव, विजय यादव, रामउदगार सिंह, अरविंद पासवान, बीनू जायसवाल सहित सैकड़ों को संख्या में दर्शक उपस्थित थे।

एक नजर

भगवान बिरसा मुंडा स्वतंत्रता संघर्ष और आदिवासी अस्मिता के अमर प्रतीक हैं : राजेन्द्र



नवप्रदेश/मेदिनीनगर। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती सह झारखंड स्थापना दिवस के उपलक्ष पर पलामू जिला समिति के द्वारा जिला अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद सिंहा के नेतृत्व मेंस्टेशन रोड स्थित भगवान बिरसा मुंडा के प्रतिमा पे माल्यार्पण अर्पित किया गया। और झारखंड के घाटशिला में महागठबंधन के जेएमएम प्रत्याशी सोमेश चंद्र सोरेन के ऐतिहासिक जीत पे शहर के विभिन्न चौक पर बम पटाखा फोड़ कर और एक दूसरे को मिटाई खिला कर खुशी जाहिर की गई। जिला अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद सिंहा ने कहा कि आज हमलोग के लिए दोहरी खुशी का दिन है एक तरफ झारखंड का 25वा स्थापना दिवस वह झारखंड जिसको हम सब के नेता माननीय मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने माननीय दिशाम गुरुजी शिबू सोरेन के सपनों के झारखंड और इसकी माटी को कड़ी लगान मेहनत और जनता के हित में काम करके झारखंड को इस मुकाम तक पहुंचाया हैं। दूसरी ओर हमारे पार्टी के घाटशिला प्रत्याशी की ऐतिहासिक जीत की खुशी का श्रेय मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन एवं झारखंड की शेरनी, महिला नेत्री और गांड़ेय विधायक कल्पना सोरेन के साथ साथ तमाम जेएमएम के पदाधिकारी एवं कार्यकंता की जीत है। इस कार्यक्रम में केंद्रीय समिति सदस्य सन्नु सिद्दीकी, सुशीला मिश्रा, हाजी लालन, सलोनी टोपो,जिला सचिव रंजन चंद्रवंशी उपाध्यक्ष संतोष मिश्रा, असफर रब्बानी, संगठन सचिव देवानंद भारद्वाज, अनुराग सिंह, धीरेन्द्र उरांव,वरिष्ठ मोर्चा के अविनाश देव, प्रदीप सिंह, सनी शुक्ला, आशुतोष विनायक, अजमल मुखिया, मुकेश चौधरी, असफर अली, महिला मोर्चा से संजू कुमारी, रजिवा नियाजी, कांति चंद्रवंशी, मंजू कुमारी, क्लेमेंसिया, युवा मोर्चा से सूरज कुमार, रिशु अग्रवाल, रजनीश सिंह, कौशल किशोर, अरविन्द्र चौधरी, बबलू चौधरी, सुनील कुमार, सिद्धार्थ कुमार, व्यवसाय मोर्चा से दीपू चौरसिया, अल्पसंख्य मोर्चा से फजैयल अहमद, महानगर मोर्चा से रंजीत जायसवाल, मोहम्मद इलातफ, मन्नात सिंह बग्गा, बुद्धिजीवी मोर्चा से मनोज सिंहा, छात्र मोर्चा से सैयद फैजल, चैनपुर प्रखंड से कमरूद्दीन अंसारी, रंजीत तिवारी, विकास कुमार, रामगढ़ प्रखंड से उदय भुइया, सरोज कुमार,पाटन प्रखंड से उमा सिंह, छतरपुर प्रखंड से रविन्द्र कुमार, सनी कुमार सहित तमाम जिला और प्रखंड के सैकड़ों नेता शामिल हुए।

झारखंड में भाजपा की स्थिति दूसरे के बेटे को अपना बेटा कह कर खुशी मनाने वाली हो गई है

नवप्रदेश/मेदिनीनगर। झारखंड में भाजपा की स्थिति दूसरे के बेटे को अपना बेटा कह कर खुशी मनाने वाली हो गई है। इस कार्यक्रम में केंद्रीय समिति सदस्य सह जिला प्रवक्ता पलामू चन्दन प्रकाश सिन्हा ने घाटशिला उपचुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा के जीत के बाद कही। उन्होंने झारखंड मुक्ति मोर्चा पर विश्वास जताने और प्रचंड जीत के लिए घाटशिला विधानसभा के लोगों का आभार जताया और बधाई दिया। प्रेस विज्ञापि जारी कर चन्दन सिन्हा ने कहा कि घाटशिला विधानसभा की जीत सिद्ध करता है कि माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन जी का जलवा झारखंड में अभी भी कायम है। एक ओर जहां झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रत्याशी को हराने के लिए भाजपा की खींची गई रेखा के सामने सभी छोटा पड़ गए। भानु प्रताप शाही जैसे नेता क्षेत्र में धार्मिक एवं जातिगत भावनाओं को भड़काने का पूरा कोशिश किया लेकिन लोगों ने उन्हें दरकिनार कर दिया और साबित कर दिया कि झारखंड में जाति और धर्म से ऊपर उठकर विकास की सोच रखने वालों के साथ यहां के जनता हमेशा खड़ी है। आने वाले समय में झारखंड भाजपा मुक्त होगा और यह बीजेपी वाले भी समझ रहे हैं।भाजपा झारखंड में अपने 18 वर्ष के कार्यकाल में किए गए कुकर्मों की सजा भुगत रही है और मजबूरन बिहार में मिली सफलता के लिए खुशी मनाना पड़ रहा है।वास्तव में ये लोग खून के आंसू रो रहे हैं।चुकी झारखंड के परिस्थि में उनके पास कहने के लिए कुछ भी नहीं है सो दूसरे के बच्चे को भी अपना कह कर खुशी मना रहे हैं। बाबूलाल मराठी चंपई सोरेन अर्जुन मुंडा जैसे दिग्गज आदिवासी नेताओं को यहां के लोगों ने दरकिनार कर वह स्पष्ट कर दिया है की आदिवासी और मूलवासी का हित केवल और केवल झारखंड मुक्ति मोर्चा ही सोच सकता है। लोग हेमन्त सरकार से पूर्णतः संतुष्ट हैं और जन्हित की योजनाओं का लाभ सभी को मिल रहा है। बहुत जल्द भाजपा इन सभी आदिवासी नेताओं को दरकिनार करते हुए ऊंचे पदों से हटाएगी क्योंकि भाजपा शुरू से ही आदिवासी मूलवासी का विरोधी रहा है सत्ता के लिए बाबूलाल मरांडी चंपई सोरेन और अर्जुन मुंडा जैसे नेताओं को शीर्ष पर बैठा रखा है। स्वयं सिद्धि नहीं होने के स्थिति में इन्हें दूध की मक्खी की तरह निकाल कर फेंके देंगे। 130 करोड़ का घोटालेबाज मंत्री भानु प्रताप शाही के मुकद से श्रेष्ठकार की बात हास्यास्पद है।

झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय समिति सदस्य सह जिला प्रवक्ता पलामू चन्दन प्रकाश सिन्हा ने घाटशिला उपचुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा के जीत के बाद कही। उन्होंने झारखंड मुक्ति मोर्चा पर विश्वास जताने और प्रचंड जीत के लिए घाटशिला विधानसभा के लोगों का आभार जताया और बधाई दिया। प्रेस विज्ञापि जारी कर चन्दन सिन्हा ने कहा कि घाटशिला विधानसभा की जीत सिद्ध करता है कि माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन जी का जलवा झारखंड में अभी भी कायम है। एक ओर जहां झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रत्याशी को हराने के लिए भाजपा की खींची गई रेखा के सामने सभी छोटा पड़ गए। भानु प्रताप शाही जैसे नेता क्षेत्र में धार्मिक एवं जातिगत भावनाओं को भड़काने का पूरा कोशिश किया लेकिन लोगों ने उन्हें दरकिनार कर दिया और साबित कर दिया कि झारखंड में जाति और धर्म से ऊपर उठकर विकास की सोच रखने वालों के साथ यहां के जनता हमेशा खड़ी है। आने वाले समय में झारखंड भाजपा मुक्त होगा और यह बीजेपी वाले भी समझ रहे हैं।भाजपा झारखंड में अपने 18 वर्ष के कार्यकाल में किए गए कुकर्मों की सजा भुगत रही है और मजबूरन बिहार में मिली सफलता के लिए खुशी मनाना पड़ रहा है।वास्तव में ये लोग खून के आंसू रो रहे हैं।चुकी झारखंड के परिस्थि में उनके पास कहने के लिए कुछ भी नहीं है सो दूसरे के बच्चे को भी अपना कह कर खुशी मना रहे हैं। बाबूलाल मराठी चंपई सोरेन अर्जुन मुंडा जैसे दिग्गज आदिवासी नेताओं को यहां के लोगों ने दरकिनार कर वह स्पष्ट कर दिया है की आदिवासी और मूलवासी का हित केवल और केवल झारखंड मुक्ति मोर्चा ही सोच सकता है। लोग हेमन्त सरकार से पूर्णतः संतुष्ट हैं और जन्हित की योजनाओं का लाभ सभी को मिल रहा है। बहुत जल्द भाजपा इन सभी आदिवासी नेताओं को दरकिनार करते हुए ऊंचे पदों से हटाएगी क्योंकि भाजपा शुरू से ही आदिवासी मूलवासी का विरोधी रहा है सत्ता के लिए बाबूलाल मरांडी चंपई सोरेन और अर्जुन मुंडा जैसे नेताओं को शीर्ष पर बैठा रखा है। स्वयं सिद्धि नहीं होने के स्थिति में इन्हें दूध की मक्खी की तरह निकाल कर फेंके देंगे। 130 करोड़ का घोटालेबाज मंत्री भानु प्रताप शाही के मुकद से श्रेष्ठकार की बात हास्यास्पद है।

राज्य स्थापना दिवस पर सुआ पंचायत सचिवालय में रजत जयंती मनाया गया

नवप्रदेश/मेदिनीनगर। राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर सुआ पंचायत सचिवालय में रजत जयंती कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मौके पर पंचायत सचिवालय के फुल, माला व बैलून से सजाया गया था। मौके पर सुआ मुखिया दुलारी देवी व पंचायत सचिव अनिता कुमारी, रोजगार सेवक सविता कुमारी, स्वयंसेवक पुजा कुमारी, सुरेंद्र प्रसाद साव, भागत परहिया, वाई सदस्य सरिता कुमारी, विरेंद्र राम, बसंत सिंह, हरि ठाकुर, सुरेंद्र ठाकुर, विश्वशंकर सिंह, रामा सिंह सैनिक, उदय ठाकुर ने रजत जयंती पर भागवान बिरसा मुंडा को याद किया। मौके पर परहिया परिवार के लोगों ने भी बिरसा मुंडा के कार्यों व आदर्शों की सराहना की। कहा कि बिरसा मुंडा ने आदिवासी समाज ही नहीं बल्कि दबे, दलितों, शोषितों के आवाज थे। इनके संघर्ष के बदौलत हम स्थापना दिवस पर रजत जयंती मना रहे हैं। सुआ मुखिया दुलारी देवी ने कहा कि बिरसा मुंडा के अधूरे कार्यों को पूरा कर राज्य का सर्वांगीण विकास होगा। जननायक बिरसा मुंडा के उलगुलान से अग्र्रज भी घबरा गये थे। बिरसा मुंडा की जयंती पर सभी को उनके मार्गों पर चलने का संकल्प लेने की जरूरत है। उनके संघर्ष ने उन्हें भागवान का दर्जा दिलाया था। उन्होंने कहा कि झारखंड अपना गौरवपूर्ण 25 वर्ष पूरा कर रहा है। इन 25 वर्षों में झारखंड ने संघर्ष से स्थिरता व समृद्धि की प्रेरक यात्रा पूरी की है। बिरसा मुंडा ने सिर्फ आदिवासी समाज ही नहीं मुंडा व उरांव समाज को एक पहचान दिलायी थी। इनके विचार व आदर्श आज भी प्रासंगिक है।

आंगनबाड़ी सेविका सुषमा कुमारी का असमय निधन
हरिहरगंज। प्रखंड के बांसां गांव स्थित आंगनबाड़ी केंद्र (सेक्टर-1, कोड 14) की सेविका सुषमा कुमारी का प्रसव के उपरांत असमय निधन हो गया. उनके निधन की खबर से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गयी। शनिवार को स्थानीय नदी घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। निधन की सूचना मिलते ही क्षेत्र की कई सेविका-सहायिका, समाजसेवी व ग्रामीण उनके घर पहुंचकर शोक संतप परिवार को सांत्वना देने पहुंचे।

आंगनबाड़ी सेविका सुषमा कुमारी का असमय निधन
हरिहरगंज। प्रखंड के बांसां गांव स्थित आंगनबाड़ी केंद्र (सेक्टर-1, कोड 14) की सेविका सुषमा कुमारी का प्रसव के उपरांत असमय निधन हो गया. उनके निधन की खबर से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गयी। शनिवार को स्थानीय नदी घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। निधन की सूचना मिलते ही क्षेत्र की कई सेविका-सहायिका, समाजसेवी व ग्रामीण उनके घर पहुंचकर शोक संतप परिवार को सांत्वना देने पहुंचे।

धरती आबा भगवान बिरसा मुण्डा की जयंती व झारखण्ड राज्य स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में विकास मेला कार्यक्रम उपायुक्त ने जिलेवासियों को दी राज्य स्थापना दिवस की शुभकामना

जिले में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया राज्य स्थापना दिवस.

नवप्रदेश संवाददाता

लातेहार। धरती आबा भगवान बिरसा मुण्डा की 150वीं जयंती एवं झारखंड राज्य स्थापना दिवस के रजत जयंती के उपलक्ष्य में आज 15 नवंबर को टाउन हॉल, लातेहार में विविध कार्यक्रमों से परिपूर्ण विकास मेला का भव्य आयोजन किया गया। इस दौरान माननीय विधायक मनिका रामचंद्र सिंह, उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता, पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव, वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रवेश अग्रवाल एवं जिला परिषद अध्यक्ष श्रीमती पूनम देवी समेत उपस्थित जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर विधिवत रूप से कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

को संबोधित करते हुए माननीय विधायक मनिका, रामचंद्र सिंह ने जिलेवासियों को भगवान बिरसा मुण्डा की जयंती एवं राज्योत्सव की बधाई व शुभकामनाएं देते हुए कहा कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा आदिवासी अस्मिता, संघर्ष और सामाजिक न्याय के अमर प्रतीक हैं। उनकी जयंती पर आयोजित विकास मेला जनता को शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराने और

जनजातीय गौरव दिवस पर भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती उत्साहपूर्वक मनाई गई

सांसद कालीचरण सिंह सहित कई जनप्रतिनिधियों ने किया माल्यार्पण

नवप्रदेश संवाददाता

बालूमाथा। झारखंड की पहचान, स्वाभिमान और संघर्ष के प्रतीक धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर सोमवार को बालूमाथ प्रखंड में जनजातीय गौरव दिवस के रूप में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, राजनीतिक दलों के नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं व स्थानीय ग्रामीणों ने शामिल होकर स्वतंत्रता आंदोलन के इस महानायक को भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम की शुरुआत चतरा लोकसभा सांसद कालीचरण सिंह ने प्रखंड मुख्यालय स्थित होटल देव इन में

झारखंड रजत जयंती पर बिरसा प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किया

नवप्रदेश संवाददाता

बोकारो। आम आदमी पार्टी बोकारो जिला की ओर से शनिवार को झारखंड स्थापना दिवस और भगवान बिरसा जयंती पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्थानीय बिरसा चौक स्थित भगवान बिरसा प्रतिमा पर धरती आबा भगवान बिरसा की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें याद किया गया। झारखंड राज्य स्थापना की रजत जयंती पर भी विभिन्न वक्ताओं ने विचार रखे। आप के जिला प्रभारी अरविंद विकास के नेतृत्व में यह आयोजन किया गया था। कार्यक्रम में प्रदेश मीडिया सह प्रभारी कुमार राकेश, जोनल पर्यवेक्षक विधान चंद्र राय, जिला सह प्रभारी बैजनाथ गोरई, अशोक कुमार, मिथिलेश गिरि, मनौवर अंसारी, श्रीभगवान

भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर नमन

बिरसा चौक पर दी श्रद्धांजलि, हेमंत सरकार के विकास कार्यों की सराहना

बोकारो। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर, झारखंड मुक्ति मोर्चा नेताओं ने नया मोड़ स्थित बिरसा चौक पहुंचकर उनकी आत्मकद प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर, भगवान बिरसा मुंडा को नमन करते हुए बोकारो जिला अध्यक्ष रतनलाल मांडी ने कहा कि हम सभी उन वीर नायकों और राज्य निर्माण के योगदानकर्ताओं को नमन करते हैं जिनके संघर्षों से यह राज्य अस्तित्व में आया। रतनलाल मांडी ने इस मौके पर कहा कि आज झारखंड प्रदेश अपनी 25वीं वर्षगांठ को रजत जयंती के रूप में मना रहा है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि यह केवल एक वर्षगांठ नहीं, बल्कि संघर्ष, आत्मसम्मान और स्वाभिमान की गौरवशाली



उन्हें योजनाओं का सीधा लाभ प्रदान करने का प्रभावी माध्यम है। आगे उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुण्डा एवं राज्य स्थापना दिवस के मौके पर हम सभी जिले के विकास में अपना योगदान देने का संकल्प लें। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता ने सभी को धरती आबा भगवान बिरसा मुण्डा की जयंती और झारखंड राज्य स्थापना दिवस की बधाई व शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज गौरव का दिन है कि आज हम सभी झारखण्ड राज्य के 25वें स्थापना दिवस को मना रहे हैं। आज ही के दिन भारत देश के 28वें राज्य के रूप में झारखण्ड राज्य का गठन हुआ था। आज हमारे धरती आबा भगवान बिरसा मुण्डा जिन्होंने ब्रिटिश के खिलाफ उलगुलान का

नेतृत्व किया था, उनकी 150वीं जयंती भी मना रहे है। साथ ही सिद्ध कान्हे, चांद बैरव, गया मुण्डा, पोदो हो, नीलाम्बर-पीताम्बर जैसे देशभक्तों ने इस क्षेत्र की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया था। स्वतंत्रता के पश्चात झारखण्ड आंदोलन जोर पकड़ने लगा और अन्ततः 15 नवम्बर, 2000 को झारखण्ड राज्य का गठन हुआ। साथ ही झारखण्ड आंदोलन के अगुवा रहे दिशोम गुरू शिबु सोरेन जी को हम नमन करते हैं।

आगे उन्होंने कहा कि आप सभी तमाम जनप्रतिनिधि एवं आमजनों के सहयोग से हम विकास के पथ पर अग्रसर है। सरकार द्वारा संचालित सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का सुचारू रूप से क्रियान्वयन किया जा रहा है। लोगों

को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। किसानों के हित में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं, जिससे कृषि क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिल रहा है। राज्य और जिला का निरंतर विकास हो रहा है। जिले के संवेदनशील क्षेत्रों में भी आज विकास की स्पष्ट झलक दिखाई दे रही है। विभिन्न व्यवसायों से लोग जुड़कर आत्मनिर्भर बन रहे हैं, जो जिले की प्रगति का महत्वपूर्ण संकेत है। आगे उन्होंने कहा कि जिले का सर्वांगीण विकास सभी के सहयोग से संभव हुआ है। भविष्य में भी आप सभी का सहयोग अपेक्षित है।

इस अवसर पर उपायुक्त के द्वारा जिले में किए जा रहे प्रमुख विकासात्मक कार्यों एवं उपलब्धियों की विस्तृत जानकारी दी गई।

उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि भगवान बिरसा मुण्डा के कार्य एवं उनका बलिदान हमारे लिए प्रेरणास्रोत है। सरकार के द्वारा संचालित सभी योजनाओं का लाभ लाभुकों तक पहुंचाने लिए जिला प्रशासन की टीम पूरी तत्परता के साथ कार्य कर रही है। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक मंच पर स्कूली बच्चों ,स्थानीय कलाकारों द्वारा पारंपरिक नृत्य, नाटक एवं आदिवासी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में इससे पश्चात माननीय अतिथियों ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित स्टॉल को अवलोकन किया। इन स्टॉलों में सरकार की रंगारंग प्रदर्शन किया गया, जिसने दर्शकों को झारखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से रूबरू कराया।इस दौरान झारखंड आंदोलनकारियों के योगदान को नमन करते हुए उनको शाल एवं मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही, रन फॉर झारखंड प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान किए गए। स्कूली बच्चों को भी उनकी उत्कृष्ट प्रस्तुतियों एवं उपलब्धियों पर सम्मानित किया गया, जिससे बच्चों में उत्साह का संचार हुआ।इस दौरान स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर का शुभारंभ माननीय विधायक मानिक श्री रामचंद्र सिंह, उपायुक्त श्री उत्कर्ष गुप्ता के द्वारा फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त, उप विकास आयुक्त,

डीआरडीए निदेशक सहित अन्य अधिकारियों ने स्वेच्छिक रक्तदान कर जिले में सुरक्षित रक्त उपलब्धता के लिए प्रेरणादायक संदेश दिया। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है तथा ऐसे अभियानों से जरूरतमंदों को समय पर जीवनरक्षक सहायता मिलती है।इसके पश्चात माननीय अतिथियों ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित स्टॉल को अवलोकन किया। इन स्टॉलों में सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, आजीविका गतिविधियों, स्वास्थ्य सेवाओं, कौशल विकास कार्यक्रमों, कृषि नवाचारों और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदर्शित की गई। विकास मेला कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं के लाभुकों के बीच परिसंपत्ति का वितरण किया गया। कार्यक्रम में जिला परिषद अध्यक्ष श्रीमती पूनम देवी, आईटीडीए निदेशक प्रवीण कुमार गगराई, अपर समाहर्ता श्री रामा रविदास, निदेशक डीआरडीए प्रभात रंजन चौधरी, अनुमंडल पदाधिकारी लातेहार अजय कुमार रजक, जिला स्तरीय पदाधिकारी, जिला परिषद सदस्य एवं गणमान्य लोग, प्रबुद्धजन, स्कूली छात्र-छात्राएं, बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

ओएनजीसी बोकारो को सीएसआर में उत्कृष्ट कार्य के लिए सन्मान



नवप्रदेश/बोकारो। झारखंड राज्य के 25वें स्थापना दिवस एवं रजत जयंती समारोह के अवसर पर ओएनजीसी बोकारो को कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान हेतु सम्मानित किया गया। माननीय पेयजल एवं स्वच्छता उत्पाद मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने ओएनजीसी को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बोकारो के उपायुक्त अजय नाथ झा ने की। माननीय मंत्री ने शिक्षा, पेयजल, पर्यावरण संरक्षण सहित विभिन्न लोक कल्याणकारी क्षेत्रों में ओएनजीसी के निरंतर प्रयासों

की सराहना की। परिसंपत्ति प्रबंधक टी. आर. उन्नीकृष्णन एवं मानव संसाधन प्रमुख दयानंद कालुदिया के दिशानिर्देशन में ओएनजीसी बोकारो द्वारा वित्त वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 में बोकारो सहित अन्य जिलों में कई विकासात्मक कार्य संचालित किए गए हैं, जिनका सीधा लाभ आम जनता को मिला है। समारोह में बड़ी संख्या में बोकारो के नागरिक, जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे। ओएनजीसी की ओर से प्रशस्ति पत्र ग्रहण करने उप महाप्रबंधक एवं प्रभारी सीएसआर डॉली कुमारी मौजूद रहीं।

ओएनजीसी बोकारो में बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर जनजातीय संस्कृति का अद्भुत प्रदर्शन

नवप्रदेश संवाददाता

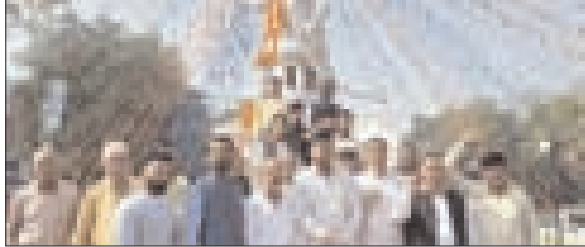
बोकारो। भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती एवं जनजातीय गौरव वर्ष के अवसर पर ओएनजीसी, बोकारो द्वारा 14 नवंबर 2025 को आशालता विकलांग सभागार में विविध जनजातीय नृत्यों और नाट्य राज्य का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनजातीय समाज की समृद्ध संस्कृति, परम्पराओं एवं इतिहास को आकर्षक प्रस्तुतियों के माध्यम से सजगता के साथ दर्शाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ परिसंपत्ति प्रबंधक श्री टी. एन. उन्नीकृष्णन नायर द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। अपने



उद्बोधन में उन्होंने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य जनजातीय समुदायों की संस्कृति, वीरता और उनके अमूल्य योगदान को सम्मान देना तथा समाज में उनकी उचित मान्यता सुनिश्चित करना है। हस्तशिल्प विकास संस्थान के

रहा, जिसे दर्शकों ने भावुक होकर देखा। कार्यक्रम का आयोजन प्रमुख मानव संसाधन दयानंद कालुदिया के दिशा-निर्देशन में संपन्न हुआ। समारोह में प्रमुख सब सफेस आलोक दास, प्रमुख वित्त एवं लेखा अक्षय कुमार, प्रमुख लॉगिंग सेवाएं वीरेंद्र कुमार, खलखो, प्रभारी सीएसआर सुश्री डॉली कुमारी, कॉर्पोरेट कन्सुलनेशन इंचार्ज अजय कुमार दास सहित कई अधिकारी, कलाकारों, उनके पारिवारिक सदस्य एवं बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम का सफल संचालन मानव संसाधन विभाग द्वारा किया गया।

आजसू पार्टी ने झारखंड स्थापना दिवस पर बिरसा मुंडा को दी श्रद्धांजलि

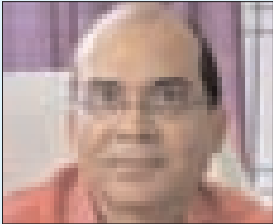


नवप्रदेश/बोकारो। झारखंड के 25वें स्थापना दिवस के अवसर पर आजसू पार्टी की ओर से धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में भाग लेकर स्थापना दिवस को सम्मानपूर्वक मनाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आजसू पार्टी के जिला अध्यक्ष श्री सचिन महतो ने की। उन्होंने कहा कि धरती आबा बिरसा मुंडा का जीवन आदिवासी समाज और झारखंडी अस्मिता की प्रेरणा है। आजसू पार्टी उनसे विचारों को आधार बनाकर राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए कार्यरत है। इस मौके पर केंद्रीय सचिव बचू सिंह ने कहा कि झारखंड की 25 वर्ष की यात्रा जनता के संघर्ष और सपनों की कहानी है। आजसू पार्टी सदस्य जन-हित के मुद्दों पर आवाज उठाती रही है और भविष्य में भी इसी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करती रहेगी। जिला कार्यकारी अध्यक्ष श्री अशोक महतो ने कहा कि स्थापना दिवस हमें नई ऊर्जा और संकल्प के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। बिरसा मुंडा के सपनों का समृद्ध और स्वाभिमानी झारखंड बनाना आजसू पार्टी का प्रमुख लक्ष्य है।

राजस्व उपनिरीक्षकों को हल्का आवंटन

बालूमाथ अंचलाधिकारी द्वारा राजस्व उपनिरीक्षकों का हल्का आवंटन

नवप्रदेश/बालूमाथ। उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता द्वारा प्रशासनिक दृष्टिकोण से किए गए स्थानांतरण एवं पदस्थापन के बाद बालूमाथ अंचल कार्यालय में नए राजस्व उपनिरीक्षकों को हल्का आवंटित करते हुए अंचलाधिकारी बालेश्वर राम ने आधिकारिक आदेश जारी किया है। जारी आदेशानुसार



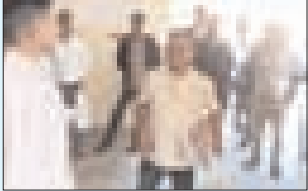
संदीप कुमार को हल्का संख्या 6,ओम प्रकाश को 5,अभिषेक कुमार को 12, हेरमोन तिग्मा को 10,जनेश्वर राम को 4 तथा अनिल होरो को हल्का संख्या 11 आवंटित किया गया है। साथ ही अनिल होरो को अंचल निरीक्षक का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है। अंचलाधिकारी ने निर्देश दिया है कि सभी राजस्व उपनिरीक्षक निर्धारित समय पर अपने-अपने आवंटित हल्के का प्रभार ग्रहण करें और प्रभार प्रतिवेदन अंचल कार्यालय में उपलब्ध कराएं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सभी अधिकारी हल्का भवन में रहते हुए राजस्व कार्यों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करेंगे। इसके अलावा, सभी राजस्व उपनिरीक्षकों को अपने हल्का का डिजिटल सिग्नेचर डोंगल मैपिंग शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया गया है। आदेश के बाद अंचल क्षेत्र में राजस्व कार्यों के संचालन में रई गति आने की उमीद जताई जा रही है।

ग्रामीणों की किसी भी समस्या से निजात दिलाने में पहला प्राथमिकता हमारी : नरेश

नवप्रदेश/बरवाडीह। लातेहार जिले के बरवाडीह प्रखंड क्षेत्र पंचायत के- ड टोला-कारीमाटी में मूसलाधार बारिश में सड़क गड्ढे में तब्दील हो गये थे,कारीमाटीर जाने वाली मेन बस्ती सड़क आजादी दशक के बाद भी अब तक नहीं बन सका और सड़क इस वर्ष मूसलाधार बारिश की वजह से सड़क गड्ढे में तब्दील हो गया थे, पंचायत केडू कारीमाटी समाजसेवी नरेश यादव,सुरेश प्रसाद यादव ने अपने निजी खर्च से जेसीबी लगाकर सड़क को मरम्मत की वकफ का काम किए है,ग्रामीणों और समाजसेवी ने बताया कि अच्छी सड़क निर्माण करने के लिए जनप्रतिनिधियों से बात की गई है पर सिर्फ आश्वासन दी गई है, आजादी दशक के बाद भी सड़क नहीं बनते पर ग्रामीणों में आक्रोश है, ग्रामीणों ने नवनिर्माण सड़क को बनाने के लिए प्रखंड प्रशासन और जिला प्रशासन से बनाने की मांग की। मौके पर उपस्थित ग्रामीण-नरेश यादव, संतोष यादव, सुरेश प्रसाद यादव, जगदीश परहिया, सुरेश उरांव, धनेश्वर यादव, रामसहाय सिंह, सियाराम उरांव यह भी ग्रामीणों का कहना है जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों से गुहार लगा रहे हैं,की जर्जर सड़क को नव निर्माण कराने की मांग कर रहे हैं, सड़क नहीं बनने पर फिर से कारीमाटी का जनता उग्र बाध्य होकर आंदोलन करेंगे।

ग्राम सभा रजिस्टर जमा करने व योजना इंद्री करने को लेकर मुखिया ने किया हंगामा

नवप्रदेश/लातेहार। सदर प्रखंड नावागढ़ पंचायत में ग्राम सभा रजिस्टर जमा करने व योजना इंद्री करने को लेकर शुक्रवार को सदर प्रखंड अंचल कार्यालय में मुखिया प्रवेश उरांव ने जमकर हो हंगामा किया। मुखिया प्रवेश उरांव ने



आरोप लगाया कि वे पंचायत के 12 गांवों में आयोजित ग्राम सभाओं के चर्चानित योजनाओं के मूल रजिस्टर जमा करने व योजना इंद्री कराने कार्यालय पहुंचे थे, लेकिन 15वें वित्त के ब्लॉक कोऑर्डिनेटर सुमन कुमारी द्वारा रजिस्टर लेने व योजना इंद्री करने से इनकार कर दिया गया तथा इसके एवज में दो हजार रुपये की मांग की गई। मुखिया ने कहा कि अन्य पंचायत प्रतिनिधियों से व्हाट्सएप के माध्यम से प्राप्त योजनाओं को तुरंत दर्ज कर लिया जाता है, जबकि उनके साथ सीतेला व्यवहार किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस रवैये के कारण पंचायत विकास कार्य बाधित हो रहे हैं और ग्रामीणों को उनके अधिकारों से वंचित होना पड़ रहा है। इसके साथ ही मुखिया ने यह भी कहा कि पंचायत सचिव समय पर पंचायत में उपस्थित नहीं रहते, जिससे कार्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में कई बार बीडीओ को भी अवगत कराया गया, परंतु अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। उधर, 15वें वित्त की ब्लॉक कोऑर्डिनेटर सुमन कुमारी ने सभी आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि कार्य पूरी पारदर्शिता के साथ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुखिया द्वारा लगाए गए आरोप तथ्यों पर आधारित नहीं हैं। इधर मुखिया के हो हंगामे के बीच लोगों की भारी भीड़ कार्यालय में देख गया।

जेएनवी में भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती मनाई गई

नवप्रदेश/लातेहार। 15 नवंबर को जवाहर नवोदय विद्यालय, लातेहार के सांस्कृतिक कला केंद्र में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती का आयोजन किया गया. इस अवसर पर प्राचार्य रामायण पासवान के द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की तस्वीर का माल्यार्पण किया गया. सभी शिक्षकों सहित सभी बलास के कलानों के द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की तस्वीर के समक्ष पुष्पांजली अर्पित की गयी.इस अवसर पर झारखंड का 25वां स्थापना दिवस भी मनाया गया. प्राचार्य रामायण पासवान ने भगवान भी बिरसा मुंडा के जीवनी प्रकाश डाला. उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा ने अंग्रेजों के खिलाफ उलगुलान का नेतृत्व किया और आदिवासी समाज को उनके अधिकारों के लिए लड़ने के लिए प्रेरित किया.उन्होंने जल, जंगल और जमीन पर आदिवासियों के पारंपरिक अधिकारों की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्रों ने बिरसा मुंडा के जीवन और संघर्ष पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिसमें नाटक, गीत और नृत्य शामिल थे. इस कार्यक्रम में अजय कुमार ने नागपुरी भाषा में मनमोहक गीत प्रस्तुत किया.विद्यालय की बालिकाओं ने भी सादरी में आकर्षक गीत गाया। वरिष्ठ शिक्षक सुखराम भगत ने बिरसा मुंडा के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला. कार्यक्रम में छात्रों ने बिरसा मुंडा के आदर्शों और मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

कांग्रेस कार्यालय में मनाई गई भगवान बिरसा मुंडा की जयंती
नवप्रदेश/लातेहार। जिला मुख्यालय के डुङ्डी स्थित कांग्रेस के जिला कार्यालय में आज भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती यूथ कांग्रेस ने धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया। कार्यक्रम की की शुरुआत नेताओं द्वारा भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। मौके पर वक्ताओं ने द्वारा भगवान बिरसा के संघर्षों, आदिवासी समाज के लिए उनके द्वारा दिए गए योगदान और जीवन पर प्रकाश डाला गया। मौके पर मुख्य रूप से युवा जिला अध्यक्ष अमित यादव, प्रखंड अध्यक्ष मोती उरांव, प्रखंड उपाध्यक्ष चंदन कुमार गुप्ता, प्रखंड महासचिव दानिश आलम, अमिता कुमारी, आशा देवी, पिंकी देवी, धर्नजय यादव, सोनू यादव, ललित उरांव, परितोष उरांव, पंकज उरांव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

स्थापना दिवस पर लातेहार में सड़क सुरक्षा स्टॉल, हिट-एंड-रन पीड़ितों को 2 लाख का चेक प्रदान

नवप्रदेश/लातेहार। झारखंड स्थापना दिवस 2025 के अवसर पर जिला परिवहन कार्यालय की ओर से सड़क सुरक्षा जागरूकता स्टॉल लगाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आम जनता को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना तथा सरकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराना था। स्टॉल में सड़क सुरक्षा से संबंधित बुकलेट और पंपलेट का वितरण किया गया। हिट एंड रन मामलों में मिलने वाली मुआवजा योजना तथा गुड सेमेट्रिज पॉलिसी की विस्तृत जानकारी भी लोगों को दी गई। साथ ही वाहन एवं ड्राइविंग लाइसेंस से संबंधित दिशा-निर्देशों वाली पुस्तिकाएँ भी बांटी गईं। सबसे महत्वपूर्ण पहल के रूप में हिट एंड रन दुर्घटनाओं के दो लाभुकों को दो लाख रुपये का चेक प्रदान किया गया।

जब एलन डोनाल्ड पर भड़क गये थे द्रविड़

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ अपने सरल और शांत स्वभाव के लिए जाने जाते हैं। द्रविड़ को अपने करियर में एक ऐसे क्रिकेटर और कोच के तौर पर याद किया जाता है जो बेहद सादगी से अपनी जिम्मेदारी निभाते आये हैं। उन्होंने अपने करियर में एकाध बार ही अपना आधा खोते देखा गया है। . द्रविड़ एक बार दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज एलन डोनाल्ड पर भड़क गये थे। ऐसे में डोनाल्ड को माफी मांगनी पड़ी थी। द्रविड़ ने हालांकि इस्-के बाद डोनाल्ड की सार्वजनिक माफी को स्वीकार कर लिया था। मैदान पर हुई झड़प एक डिनर के साथ समाप्त हो गयी थी। तब माफी के साथ ही 'डोनाल्ड' ने कहा था कि वह बिल वही देंगे। ये मामला साल 1997 का है तब एकदिवसीय मैच के दौरान द्रविड़ डोनाल्ड की तेज गेंदबाजी और उनकी छंटाकशी का शिकार हुए थे। 1997 में डरबन में हुए मैच के दौरान द्रविड़ शानदार फॉर्म में थे और गेंदबाजों की जमकर पिटाई कर रहे थे। तब द्रविड़ ने डोनाल्ड को एक छक्का मारा जिसके बाद डोनाल्ड को गुस्सा आ गया और उन्होंने छंटाकशी शुरू कर दी। जिससे द्रविड़ से नाराज हो गए थे। इसी को लेकर डोनाल्ड ने साल 2022 में कहा था, 'हूडरबन में एक खराब घटना हुई थी जिसके बारे में मैं बात नहीं करना चाहता। द्रविड़ और सचिन हमें हर जगह मार रहे थे। मैंने तब कुछ ऐसा कर गया जिसने खेल भावना को नुकसान हुआ। मेरे मन में द्रविड़ के प्रति बहुत सम्मान है। मैं बाहर जाकर उनसे मिलना और उस दिन जो हुआ उसके लिए फिर से माफी मांगना चाहता था।

गुजरात टाइटंस की खिताबी प्रायोजक बनी बिरला एस्टेट्स

अहमदाबाद

गुजरात टाइटंस ने आईपीएल 2026 सत्र के लिए ड्रीम इलेवन की जगह पर बिरला एस्टेट्स को अपना खिताबी प्रायोजक बनाया है। ड्रीम इलेवन प्रतिबंधित होने के कारण पहले ही आईपीएल से बाहर को गयी है। सरकार के गेमिंग एप पर प्रतिबंध लगाने के बाद से ही ड्रीम इलेवन बाहर हो गयी थी। बिरला एस्टेट्स के प्रबंध निदेशक और सीईओ केटी जितेंद्रन ने कहा, टाइटंस के प्रयोजक बनने से हमें भारत और उसके बाहर लाखों प्रशंसकों से जुड़ने और जुनून, दृढ़ता और प्रगति के साझा मूल्यों का जश्न मनाने का अवसर मिलेगा। साथ मिलकर हम कुछ विशेष करना चाहते हैं जिसे मैदान के अंदर और बाहर दोनों जगह याद किया जाये। दोनों पक्षों ने हालां वित्तीय करार के बारे में अभी तक खुलासा नहीं किया है। गुजरात टाइटंस की कप्तानी शुभमन गिल के पास है। टीम ने हार्दिक पंड्या की कप्तानी में पहले ही सत्र में खिताब जीता था जबकि दूसरे सत्र में वह उपविजेता रही थी। गुजरात टाइटन्स के सीओओ कर्नल अरविंदर सिंह ने कहा, हमें विश्वास और उत्कृष्टता के पर्याय, बिरला एस्टेट्स का अपने नए प्रमुख प्रायोजक के रूप में स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। यह सहयोग दो ब्रांडों के बीच एक शक्तिशाली तालमेल का प्रतीक है, जो नवाचार, प्रदर्शन और प्रभाव के लिए एक ही दृष्टिकोण रखते हैं।

युवा क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी बना राइजिंग स्टार्स का हीरो

नई दिल्ली

एशिया कप राइजिंग स्टार्स में इंडिया-ए की ओर से खेलते हुए समस्तीपुर के 14 वर्षीय क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से पूरे देश का ध्यान खींच लिया है। महज 14 साल की उम्र में 42 गेंदों पर 144 रन बनाने का कारनामा किसी भी युवा खिलाड़ी के लिए आसान नहीं होता, लेकिन वैभव ने इसे कर दिखाया। अपनी पारी में उन्होंने 15 छक्के और 11 चौके जड़े और यूएई के गेंदबाजों को पूरी तरह मात दी। इससे पहले, आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हुए उन्होंने गुजरात के खिलाफ 35 गेंद में शतक लगाकर भी अपने हुनर का प्रदर्शन किया था। वैभव की यह सफलता न सिर्फ उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि समस्तीपुर जिले के लिए भी गर्व की बात बन गई है। उनकी इस असाधारण पारी के बाद समस्तीपुर में उत्साह का माहौल है। स्थानीय लोग वैभव को केवल एक क्रिकेटर नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा मान रहे हैं। जिले के युवा खिलाड़ी इस उपलब्धि से बेहद प्रभावित हैं और कहते हैं कि अपने ही जिले का बच्चा अंतरराष्ट्रीय मंच पर नाम कमा रहा है, यह गर्व और प्रेरणा का कारण है। वैभव की सफलता ने खेल के प्रति बच्चों में रुचि और जोश दोनों बढ़ा दिया है। स्थानीय खिलाड़ियों का कहना है कि वैभव का प्रदर्शन सिर्फ रन बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह संदेश भी देता है कि मेहनत और समर्पण से कुछ भी हासिल किया जा सकता है। युवा खिलाड़ी अमन कुमार ने कहा कि 144 रन किसी भी क्रिकेटर का मनोबल बढ़ाने वाला रिकॉर्ड है। वहीं, विकास कुमार ने वैभव की विस्फोटक बल्लेबाजी और धैर्य की तारीफ करते हुए कहा कि इतने कम समय में इतनी बड़ी उपलब्धि हासिल करना किसी भी खिलाड़ी के लिए आसान नहीं होता। दूसरी ओर, श्रोत्रन जैसे अन्य युवा खिलाड़ी मानते हैं कि बिहार-झारखंड क्षेत्र से निकले इस युवा खिलाड़ी की सफलता नई पीढ़ी के लिए मार्गदर्शक साबित होगी। वैभव सिर्फ समस्तीपुर का ही नहीं, आने वाले समय का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टार हैं। जिले के हर नागरिक उनकी उपलब्धियों पर गर्व महसूस कर रहा है और उन्हें भविष्य के मुकाबलों के लिए शुभकामनाएं दे रहा है। वैभव सूर्यवंशी की यह उपलब्धि यह दर्शाती है कि सही समय पर सही मेहनत और जूनून किसी भी उम्र में बड़े रिकॉर्ड बना सकता है। समस्तीपुर का यह उभरता सितारा निश्चित ही भारतीय क्रिकेट के लिए आने वाले वर्षों में प्रेरणा का स्रोत बनेगा

शमी को शामिल करने सनराइजर्स से ट्रेड डील कर रही सुपर जायंट्स

नई दिल्ली

लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम आईपीएल 20 के लिए अनुभवो तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को सनराइजर्स हैदराबाद से ट्रेड डील के तहत हासिल कर सकती है। शमी को शामिल करने के बदले में सुपर जायंट्स 10 करोड़ रुपए देगी क्योंकि सनराइजर्स ने पिछली नीलामी में शमी को इतनी ही रकम देकर खरीदा था। माना जा रहा है कि इस करार के लिए दोनो ही टीमें तैयार हैं। अब केवल शमी की ओर से मंजूरी का इंतजार किया जा रहा है। मार्च 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल के बाद शमी भारतीय टीम में जगह नही बना पाये हैं। ऐसे में उनका लक्ष्य आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करना रहेगा। पिछले आईपीएल में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था, वह 9 पारियों में 10.3 की इकॉनमी से पांच विकेट ही हासिल कर पाए थे। इसके बाद उन्हें इंग्लैंड दौर के लिए भी जगह नहीं मिली थी। आईपीएल 2022 से 2024 तक शमी गुजरात टाइटंस में शामिल थे। उन्होंने आईपीएल 2022 और 2023 में पहले छह ओवर में गेंदबाजी करते हुए 28 विकेट लिए थे। शमी चोट के कारण 2024 सत्र से बाहर रहे थे। शमी अपनी फिटनेस, लय और गति को लेकर संघर्ष कर रहे हैं।

कोलकाता टेस्ट में भारत की पकड़ मजबूत, दक्षिण अफ्रीका संकट में

तीसरे दिन जीत दर्ज कर सकता है भारत

कोलकाता

कोलकाता के ईंडन गार्डन में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में भारतीय टीम जीत की ओर तेजी से बढ़ रही है। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक दक्षिण अफ्रीका ने अपनी दूसरी पारी में 93 रन पर सात विकेट खो दिए थे।

पहली पारी में भारत से 30 रन पीछे रहने के चलते उसकी कुल बढ़त अभी सिर्फ 63 रन की हैं। स्टॅप्स के समय कप्तान तेम्बा बायुमा 29 रन और कोर्बिन बोश एक रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे। भारत के लिए रविंद्र जडेजा ने घातक गेंदबाजी करते हुए चार विकेट झटके, जबकि कुलदीप यादव ने दो और अक्षर पटेल ने एक सफलता हासिल की। मेहमान टीम की बल्लेबाजी भारतीय स्पिनरों के सामने बेबस नजर आई और लगातार



विकेट गिरेने से उनकी स्थिति और कमजोर होती चली गई। इससे पहले भारत की पहली पारी 189 रन पर सिमट गई। भारतीय टीम व्यावहारिक रूप से नौ विकेट

पर ही रुक गई क्योंकि कप्तान शुभमन गिल होती चली गई। इससे पहले भारत की पहली पारी 189 रन पर सिमट गई। भारतीय टीम व्यावहारिक रूप से नौ विकेट

शुभमन गिल की चोट ने बढ़ाई टीम इंडिया की चिंता

गर्दन में मोच के कारण छोड़ना पड़ा मैदान

नई दिल्ली

कोलकाता के ऐतिहासिक ईंडन गार्डन्स में इंडिया और साउथ अफ्रीका के बीच खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन टीम इंडिया और उनके फैंस की चिंता बढ़ गई, जब कप्तान शुभमन गिल चोट के कारण मैदान छोड़ने को मजबूर हो गए।

शुभमन गिल को बल्लेबाजी के दौरान गर्दन में मोच लगी, जिस्-के कारण वे आगे बैटिंग जारी नहीं रख सके। फिलहाल बीसीसीआई ने गिल की चोट की गंभीरता के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है, लेकिन मैदान पर दिखाई देने वाला दर्द काफी गंभीर प्रतीत हुआ। शुभमन गिल की चोट भारतीय पारी के 35वें ओवर में लगी। साउथ अफ्रीका के गेंदबाज साइमन हार्मर ने इस ओवर में वॉशिंगटन सुंदर को आउट किया। इसके बाद गिल बैटिंग करने आए



और उन्होंने पहले दो गेंदों को अच्छे से डिफेंड किया। तीसरी गेंद पर उन्होंने लेग साइड में स्वीप खेला और बैकवर्ड स्क्वायर लेग की दिशा में चार रन जोड़े। लेकिन इस शॉट को खेलने के तुरंत बाद जब वे उठे तो उनकी गर्दन में अचानक तेज दर्द महसूस हुआ। गिल का यह दर्द इतना असहनीय था कि उनका चेहरा ही इसे दर्शा रहा था और वे अपनी गर्दन तक हिला नहीं पा रहे थे। मैदान पर

फिजियो तुरंत मौजूद हुए और गिल ने चोट दिखाते हुए कुछ देर आराम किया। हालांकि, स्थिति यह हो गई कि उन्होंने आगे बल्लेबाजी जारी रखने में असमर्थता जताई और अंततः मैदान छोड़ने का फैसला किया। गिल के मैदान से बाहर जाने के बाद भारतीय टीम को बड़ा झटका लगा, क्योंकि कप्तान की चोट किसी भी स्थिति में टीम के लिए चिंता का विषय बन सकती है।

केएल राहुल ने टेस्ट करियर में पूरे किए 4,000 रन

नई दिल्ली। ईंडन गार्डन्स में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेले जा रहे पहले टेस्ट में भारतीय ओपनर केएल राहुल ने अपने टेस्ट करियर का बड़ा माइलस्टोन हासिल किया। शनिवार को खेले गए मैच में राहुल ने 4,000 रन का आंकड़ा पार किया। इस उपलब्धि के साथ वे टेस्ट क्रिकेट में भारत के भरोसेमंद बल्लेबाजों में एक और नाम जोड़ने में सफल रहे। इस दिन राहुल ने 119 गेंदों में 39 रन बनाए, जिसमें चार चौके और एक छक्का शामिल रहा। हालांकि वे इस अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में तब्दील नहीं कर पाए, लेकिन अपने करियर के इस मुकाम को पार करना उनके लिए खास रहा। अब तक राहुल ने 66 टेस्ट मैचों में 115 पारियों में 4,024 रन बनाए हैं, उनका औसत 36.58 है और सर्वश्रेष्ठ स्कोर 199 रन का रहा है। इसके अलावा उन्होंने 11 शतक और 20 अर्धशतक भी लगाए हैं। राहुल के लिए यह साल शानदार रहा है। 2025 में उन्होंने 9 टेस्ट मैचों में 784 रन बनाए, जिसमें तीन शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं। इस दौरान उनका औसत 52.26 रहा और सर्वश्रेष्ठ पारी 137 रन की रही। इंग्लैंड में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में उन्होंने 532 रन बनाए और दो शतक जमाए। अहमदाबाद टेस्ट में उन्होंने 9 साल बाद घरेलू मैदान पर शतक भी लगाया, जो 2016 के बाद भारत में उनका पहला टेस्ट शतक था। डे-2 के लंच तक भारत की पारी 138/4 पर पहुंची, जिसमें कप्तान शुभमन गिल भी गर्दन में दर्द के कारण रिटायर्ड हट होकर वापस लौट गए। टीम के लिए यह दिन कुछ चिंता के साथ उत्साह का भी रहा, क्योंकि राहुल का माइलस्टोन और भारतीय गेंदबाजों का आक्रमक प्रदर्शन दोनों ही मैच की दिशा तय कर सकते हैं। इस प्रदर्शन के साथ केएल राहुल ने न केवल व्यक्तिगत रूप से बड़ा माइलस्टोन छुआ, बल्कि भारतीय टीम को टेस्ट मैच में मजबूत स्थिति में बनाए रखने में भी अहम योगदान दिया। फैंस और विशेषज्ञ अब उनके अगले शॉट्स और पारी को लेकर उत्साहित नजर आ रहे हैं।

आईपीएल 2026 रिटेंशन की समयसीमा से पहले बड़े फेरबदल

नई दिल्ली,

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की फ्रेंचाइजी ने 2026 सीजन की रिटेंशन की समयसीमा से पहले 8 खिलाड़ियों के ट्रेड की पुष्टि की है।

इनमें रवींद्र जडेजा और संजू सैमसन का नाम भी शामिल है। ऑलराउंडर जडेजा को राजस्थान रॉयल्स में ट्रेड किया गया है, जबकि विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन अब चेन्नई सुपर किंग्स का प्रतिनिधित्व करेंगे। 12 सीजन तक चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का प्रतिनिधित्व करने

वाले रवींद्र जडेजा ने 254 से ज्यादा आईपीएल मैच खेले, जिसमें 3,260 रन बनाने के साथ 170 विकेट हासिल किए हैं। र-वींद्र जडेजा लीग के सबसे अनुभवी खिलाड़ियों में से एक हैं। ट्रेड एग्रीमेंट के तहत उनकी लीग फीस 18 करोड़ रुपये से घटाकर 14 करोड़ रुपये कर दी गई है। दूसरी ओर, सैमसन अपनी मौजूदा 18 करोड़ रुपये की लीग फीस पर सीएसके का प्रतिनिधित्व करेंगे। 2013 में अपने आईपीएल डेब्यू के बाद से इस सीनियर खिलाड़ी ने अधिकांश सीजन राजस्थान रॉयल्स के लिए ही खेले। हालांकि, 2016 और 2017 में उन्होंने



दिल्ली कैपिटल्स की ओर से खेला। लेग स्पिनर मयंक मार्कंडेय

कोलकाता नाइट राइडर्स (के-केआर) से सफल ट्रेड के बाद

मुंबई इंडियंस में वापस आएंगे। के-केआर ने मार्कंडेय को 30 लाख रुपये में खरीदा था।

मयंक उसी फीस पर मुंबई इंडियंस में वापस आएंगे। मार्कंडेय ने अपना आईपीएल सफर मुंबई इंडियंस के साथ शुरू किया और 2018, 2019 और 2022 में इस फ्रेंचाइजी के लिए खेले।

इंग्लैंड के ऑलराउंडर सैम कुरेन एक सफल ट्रेड के बाद अपनी मौजूदा 2.4 करोड़ रुपये की आईपीएल फीस पर चेन्नई सुपर किंग्स से राजस्थान रॉयल्स में ट्रांसफर होंगे। 27 वर्षीय खिलाड़ी ने 64 आईपीएल मैच खेले हैं। वहीं, अनुभवी तेज गेंदबाज

मोहम्मद शमी सनराइजर्स हैदराबाद से एक सफल ट्रेड के बाद लखनऊ सुपर जायंट्स का प्रतिनिधित्व करेंगे।

आईपीएल 2025 सीजन से पहले सनराइजर्स हैदराबाद के लिए 10 करोड़ रुपये में दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी शमी उसी फीस पर लखनऊ सुपर जायंट्स में ट्रांसफर होंगे।

बॉलिंग ऑलराउंडर अर्जुन तेंदुलकर मुंबई इंडियंस से ट्रांसफर होने के बाद लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) में शामिल होंगे। अर्जुन अपनी मौजूदा 30 लाख रुपये की फीस पर लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए खेलते रहेंगे।

बल्लेबाज ऋषभ पंत ने टीम की कमान संभाली।

भारत की पारी में सबसे बड़ा बाधक दक्षिण अफ्रीका के अनुभवी ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर बने, जिन्होंने अपनी क्लासिकल ऑफ स्पिन गेंदबाजी का शानदार प्रदर्शन करते हुए 30 रन देकर चार महत्वपूर्ण विकेट हासिल किए।

हार्मर की टर्न लेती गेंदों ने भारतीय बाएं हाथ के बल्लेबाजों को लगातार परेशान किया और उन्होंने वाशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा और अक्षर पटेल को क्रमशः 29, 27 और 16 रन पर पवेलियन भेजा। तेज गेंदबाज मार्को यानसन ने भी 35 रन देकर तीन विकेट हासिल किए और हार्मर का बखूबी साथ निभाया। दिन की शुरुआत भारत ने एक विकेट पर 37 रन से की थी। केएल राहुल और वाशिंगटन सुंदर ने संयम

से बल्लेबाजी करते हुए दूसरे विकेट के लिए 57 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की। दोनों ने दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों का मजबूती से सामना किया, लेकिन ड्रिक्स ब्रेक के बाद मैच का रूख अचानक बदल गया। हार्मर ने वाशिंगटन को स्लिप में एडेन मार्करम के हाथों कैच कराकर भारत को बड़ा झटका दिया। इसके बाद जडेजा और अक्षर ने 45-45 गेंदें खेलकर संघर्ष तो किया, लेकिन टीम के स्कोर में बड़ा अंतर नहीं ला सके। ध्रुव जुरेल ने आक्रामक अंदाज में शुरुआत करने की कोशिश की, लेकिन हार्मर को रिटर्न कैच थमा बैठे। दूसरी पारी में भारतीय गेंदबाजों ने जबरदस्त प्रदर्शन किया और दक्षिण अफ्रीका को शुरू से ही दबाव में रखा। बल्लेबाज एक-एक कर पवेलियन लौटते गए और टीम बड़ी बढ़त हासिल करने में नाकाम रही। मौजूदा स्थिति को देखते हुए भारत तीसरे दिन ही यह टेस्ट मैच अपने नाम कर सकता है।

बाबर आजम ने 807 दिन के शतक के सूखे को तोड़ा, वनडे करियर का 20वां शतक जड़ा

पाकिस्तान को श्रीलंका पर 8 विकेट से जीत दिलाई

नई दिल्ली। पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज बाबर आजम ने श्रीलंका के खिलाफ दूसरे वनडे में 102 रनों की नाबाद पारी खेलते हुए 807 दिनों के लंबे शतक के सूखे को खत्म कर दिया। यह उनकी इंटरनेशनल क्रिकेट में 83 पारियों के बाद पहली वनडे संसुरी थी। इस शतकीय पारी के साथ बाबर आजम ने अपने वनडे करियर का कुल 20वां शतक जड़कर पाकिस्तान के लिए इस फॉर्मेट में सबसे ज्यादा शतक बनाने के मामले में सईद अनवर के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। बाबर आजम को 20 वनडे शतक पूरे करने में 136 पारियों का समय लगा, जिससे वे इस श्रेणी में तीसरे स्थान पर हैं। इसके पहले हाशिम अमला ने 108 पारियों में यह कारनामा किया था, जबकि विराट कोहली ने 133 पारियों में 20 शतक पूरे किए थे। बाबर महज तीन पारियों से कोहली की बराबरी से चूक गए। इस तरह के आंकड़े उन्हें विश्व के बेहतरीन बल्लेबाजों की सूची में प्रमुख स्थान देते हैं। मैच की बात करें तो टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंकाई टीम ने निर्धारित 50 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 288 रन बनाए। जनिथ लियाणागे 54 रन बनाकर टीम के उच्चतम स्कोरर रहे, जबकि कार्मिंदु मेंडिस (44), समरविक्रमा (42) और वानिंदु हसरांगा (37*) ने भी योगदान दिया। पाकिस्तान की ओर से हारिस रऊफ और अब्बार अहमद ने 3-3 विकेट चटकाए। 289 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की टीम को फख्र जमन (78) और सैम अयूब (33) ने शुरुआती धमाकेदार साझेदारी दी। इसके बाद बाबर आजम ने फख्र जमन के साथ 100 रन की साझेदारी और मोहम्मद रिजवान के साथ 112 रनों की नाबाद साझेदारी निभाई। बाबर की आक्रमक और संतुलित पारी के दम पर पाकिस्तान ने 8 विकेट से जीत दर्ज की। उन्होंने अपनी पारी में 8 चौके जड़े और प्लेयर ऑफ द मैच का अवा-र्ड भी जीता।

संक्षिप्त समाचार

डीपीआईआईटी को एसी व एलईडी की पीएलआई योजना के तहत मिले 13 आवेदन,1914 करोड़ रुपये की निवेश प्रतिबद्धता नई दिल्ली,

उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) को एसी व एलईडी लाइट के उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के चौथे दौर में 1914 करोड़ रुपये की निवेश प्रतिबद्धता के साथ 13 और आवेदन मिले हुए हैं। इस दौर के लिए आवेदन 15 सितंबर 2025 से 10 नवंबर 2025 तक लिए गए। डीपीआईआईटी ने बृहस्पतिवार को बयान में कहा कि 13 आवेदक में से एक मौजूदा पीएलआई लाभार्थी है जो 15 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश करने के लिए प्रतिबद्ध है। वहीं नौ आवेदकों ने 1,816 करोड़ रुपये के संचयी निवेश के साथ एयर कंडीशनर (एसी) घटकों के विनिर्माण के लिए आवेदन किया है। ये निवेश तांबे की ट्यूब, एल्यूमीनियम स्टॉक, कंप्रेसर, मोटर, हीट एक्सचेंजर्स, अन्य उच्च मूल्य वाले घटकों के उत्पादन पर केंद्रित हैं। शेष चार आवेदक ने एलईडी चिप, ड्राइवर और हीट सिंक सहित एलईडी घटक विनिर्माण के लिए 98 करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव दिया है। प्रस्तावित निवेश छह राज्यों में फैले हैं जिनमें 13 जिले और 23 स्थान शामिल हैं। विभाग ने कहा कि अब तक एसी व एलईडी लाइट की पीएलआई योजना ने 80 अनुमोदित लाभार्थियों से 10335 करोड़ रुपये का प्रतिबद्ध निवेश आकर्षित किया है। 1.72 लाख करोड़ रुपये का उत्पादन अपेक्षित है और रोजगार के करीब 60,000 प्रत्यक्ष अवसर उत्पन्न करने की क्षमता है। सरकार द्वारा सात अप्रैल 2021 को अनुमोदित 6,238 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ एसी व एलईडी लाइट से जुड़ी पीएलआई योजना का उद्देश्य भारत में एयर कंडीशनर और एलईडी लाइट के लिए एक पूर्ण घटक परिवेश स्थापित करना है। इसमें कहा गया कि इस योजना से घरेलू मूल्य संवर्धन मौजूदा 15-20 प्रतिशत से बढ़कर 75-80 प्रतिशत हो जाएगा जिससे भारत एक प्रमुख वैश्विक विनिर्माण केंद्र बन जाएगा।

निर्यात संवर्धन मिशन का त्वरित क्रियान्वयन स्पष्ट दिशा-निर्देशों, वित्त पोषण पर निर्भर: जीटीआरआई नई दिल्ली,

निर्यात संवर्धन मिशन का सफल क्रियान्वयन विस्तृत दिशा-निर्देशों के शीघ्र जारी होने व पर्याप्त वित्त पोषण और मजबूत समन्वय तंत्र के निर्माण पर निर्भर करेगा। आर्थिक शोध संस्थान जीटीआर-आई ने बृहस्पतिवार को यह बात कही। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में निर्यात संवर्धन मिशन एवं निर्यातकों के लिए ऋण गारंटी योजना को मंजूरी दी गई। सरकार ने 25,060 करोड़ रुपये के निर्यात संवर्धन मिशन को मंजूरी दी जिसका उद्देश्य भारत की निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करना है। खासकर सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई), पहली बार निर्यात करने वाले और श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने कहा कि छह वर्ष में 25,060 करोड़ रुपये का कुल परिव्यय प्रति वर्ष 4,200 करोड़ रुपये से कम है। इसमें कहा गया कि केवल पिछले वर्ष ही व्याज समका-री योजना पर 3,500 करोड़ रुपये से अधिक की लागत आई जिससे ब्रांडिंग, पैकेजिंग, व्यापार मेले, अनुपालन और लॉजिस्टिक्स जैसी अनेक गतिविधियों के लिए बहुत सीमित धनराशि बची। जीटीआर-आई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, यह मिशन एक स्वागत योग्य कदम है लेकिन इसकी सफलता शीघ्र विस्तृत दिशानिर्देश जारी करने, पर्याप्त वित्तपोषण सुनिश्चित करने और मजबूत समन्वय तंत्र बनाने पर निर्भर करेगी। उन्होंने कहा कि मिशन अब भी एक व्यापक ढांचा मात्र है और अब इसे पात्रता, प्रक्रियाओं व सवितरण नियमों को स्पष्ट दिशा-निर्देशों के साथ विस्तृत योजनाओं में तब्दील करने की आवश्यकता है। श्रीवास्तव ने कहा, एक नई ऑनलाइन प्रणाली भी विकसित की जानी चाहिए। निर्यातकों को कोई लाभ मिलने में और ये सभी करने में कई महीने लग सकते हैं।

रिन्यू करेगी आंध्र प्रदेश में पूरे नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में 82,000 करोड़ रुपये का निवेश अमरावती,

आंध्र प्रदेश के आईटी मंत्री नारा लोकेश ने बृहस्पतिवार को कहा कि कार्बन मुक्त समाधान पेश करने वाली कंपनी रिन्यू राज्य में नवीकरणीय ऊर्जा मूल्य श्रृंखला के पूरे क्षेत्र में 82,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। लोकेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, 82,000 करोड़ रुपये के निवेश के तहत रिन्यू सोलर इंगल एवं वेफर विनिर्माण से लेकर परियोजना विकास तथा आगे हरित हाइड्रोजन व अणुओं तक उच्च प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में निवेश करेगी। उन्होंने कहा, आंध्र प्रदेश से पांच साल बाहर रहने के बाद, मुझे यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि रिन्यू संपूर्ण नवीकरणीय ऊर्जा मूल्य श्रृंखला में व्यापक निवेश कर रही है। गौरतलब है कि लोकेश ने 16 मई को अनंतपुर जिले में रिन्यू के 22,000 करोड़ रुपये के नवीकरणीय ऊर्जा परियोजना की आधारशिला रखी थी। इस परियोजना में गूटी मंडल के बेथापल्ली गांव में 4.8 गीगावाट क्षमता का हाइब्रिड फार्म और बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) शामिल है।

अक्टूबर में देश की नंबर-1 बनकर उभरी सेडान एसयूवी नई दिल्ली

मारुति सुजुकी की पॉपुलर सेडान डिजायर अक्टूबर 2025 में फिर यह देश की नंबर-1 बनकर उभरी है। अक्टूबर महीने डिजायर ने न केवल अपनी श्रेणी में टॉप किया बल्कि कुल बिक्री के मामले में देश की दूसरी सबसे ज्यादा बिकने वाली कार भी रही। इसके आगे सिर्फ टाटा नेक्सन एसयूवी रही, जबकि क्रैटा, स्विफ्ट, वेगनआर और बलेनो जैसे मॉडल पीछे रह गए। नए मॉडल के आने के बाद से डिजायर की बिक्री में जबरदस्त उछाल दर्ज किया गया है। अक्टूबर 2025 में इस-की 20,791 यूनिट्स बिकीं, जो पिछले साल की तुलना में 63.7 प्रतिशत की ग्रोथ है। खास बात यह रही कि टॉप-10 बेस्टसेलिंग कार-रें में से 6 मॉडल मारुति सुजुकी के ही रहे, जो कंपनी की मजबूत पकड़ को दर्शाता है। मारुति डिजायर में 1.2-लीटर, 3-सिलेंडर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो 80बीएचपी पावर और 112 एनएम टॉर्क जनरेट करता है। यह 5-स्पीड मैनुअल और एएमटी ट्रांसमिशन दोनों विकल्पों में आती है। कार को एलएक्सआई, वीएक्सआई, झेडएक्सआई और झेडएक्सआई प्लस वेरिएंट में लॉन्च किया गया है। फीचर्स की बात करें तो नई डिजायर में एलईडी हेडलाइट्स विद हॉरिजॉन्टल डीआरएलएस, शार्क फिन एंटीना, बूट लिड स्मॉलर और वाय-आकार की एलईडी टेललाइट्स जैसे प्रीमियम एक्सटीरियर एलिमेंट्स मिलते हैं। इंटीरियर में बेज-ब्लैक थीम, फॉक्स वुड फिनिश डैशबोर्ड, 9-इंच टचस्क्रीन, वायरलेस एंड्रॉयड ऑटो व एप्पल कारपले, क्रूज कंट्रोल और रियर एसी वेंट्स जैसे फीचर्स दिए गए हैं। सुरक्षा के लिहाज से यह कार अपने सेगमेंट में सबसे आगे है। इसमें 6 एयरबैग (स्टैंडर्ड), इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल (ईएससी), 360-डिग्री कैमरा, और रियर पार्किंग सेंसर शामिल हैं।

शेयर बाजार हल्की बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 84 अंक, निफ्टी 30 अंक ऊपर आये

मुम्बई भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन एशियाई बाजारों में व्यापक कमजोरी और वैशिक संकेतों की गिरावट से बाजार नीचे आया है।

दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 84 अंक की बढ़त के साथ आज 84,478.67 अंकों के स्तर पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 30 अंक बढ़कर 25,910.05 अंकों के स्तर पर बंद हुआ।वहीं मिडकैप शेयरों में भी पूरे दिन उतार-चढ़ाव आता रहा। निफ्टी



मिडकैप 50 मार्केट बंद होने तक 18 अंक बढ़त के साथ 17,299.70 अंक पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सबसे अधिक लाभ वाले शेयरों में मुथुट फाइनेंस,

जूबिलेंट फूड और भारत डायनमिक्स , के अलावा वांडाफोन-आईडिया के शेयरों में भी बढ़त रही।

वहीं सुप्रीम इंडस्ट्रीज, इंफोसिस, एस्ट्रल लिमिटेड और आयशर मोटर्स गिरावट के साथ नीचे आये। वहीं इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स 400 से अधिक अंकों की गिरावट के साथ 84,060 पर खुला।

खुलने के तुरंत बाद ही यह 84,316 तक लुढ़क कर 253.68 अंक की कमजोरी के साथ 84,224.99 पर ट्रेड कर रहा था। इसी तरह एनएसई निफ्टी-50 भी कमजोरी के साथ 25,767.90 पर खुला।

बैंक फ्रॉड मामले में पूछताछ के लिए ईडी के सामने पेश नहीं हुए अनिल अंबानी

कंपनी ने जांच में सहयोग करने और वर्चुअली पेश होने का दिया था प्रस्ताव

नई दिल्ली, रिलायंस एडीएजी समूह के अनिल डी अंबानी शुक्रवार को बैंक फ्रॉड मामले में पूछताछ के लिए ईडी के मुख्यालय में पेश नहीं हुए।

हालांकि उन्होंने वर्चुअल पेशी का प्रस्ताव रखा है। अनिल अंबानी की ओर से जारी बयान में कंपनी ने कहा कि वह सभी मामलों में ईडी के साथ पूरा सहयोग करेगी और वर्चुअल माध्यम से पेश होने को तैयार है। ईडी सूत्रों के मुताबिक उन्हें अभी तक अनिल अंबानी या उनकी कंपनी से ऐसा कोई संदेश नहीं मिला है। अनिल अंबानी की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि अनिल डी अंबानी को ईडी की ओर से भेजा गया समन फेमा जांच से संबंधित है, न कि पीएमएलए



के किसी मामले से इसका जुड़ाव है। बयान में आगे कहा कि अनिल डी अंबानी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के बोर्ड के सदस्य नहीं हैं। उन्होंने अप्रैल 2007 से मार्च 2022 तक करीब 15 सालों तक कंपनी में केवल एक गैर-कार्यकारी निदेश-क के रूप में काम किया और

कंपनी के डे-टू-डे मैनेजमेंट में कभी शामिल नहीं हुए। ईडी ने समूह के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए अनिल अंबानी को 14 नवंबर शुक्रवार को फिर से तलब किया था। अगस्त में ईडी मुख्यालय में कथित 17,000 करोड़ रुपए के ऋण धोखाधड़ी

महंगाई के मोर्चे पर खुशखबरी! थोक मुद्रास्फीति दर अक्टूबर में -1.21 प्रतिशत रही

नई दिल्ली, भारत में थोक मुद्रास्फीति दर या महंगाई दर अक्टूबर में कम होकर -1.21 प्रतिशत हो गई है, जो कि सितंबर में 0.13 प्रतिशत थी।

यह जानकारी वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को दी गई। अक्टूबर में थोक महंगाई दर के नकारात्मक जोन में रहने की वजह खाद्य उत्पादों, कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस, इलेक्ट्रिसिटी और मिनरल ऑयल एवं अन्य की कीमतों में कमी आना है। वीते महीने खाद्य उत्पादों में थोक महंगाई दर -5.04 प्रतिशत रही है, जो कि सितंबर में -1.99 प्रतिशत थी। यह दिखाता है कि थोक उत्पादों की कीमतें पिछले साल के मुकाबले घटी हैं। दूसरी तरफ ईंधन और ऊर्जा में थोक महंगाई दर अक्टूबर में 1.12 प्रतिशत रही है। मैनुफैक्चरिंग उत्पादों में थोक महंगाई दर अक्टूबर में -0.07 प्रतिशत रही है। 22 श्रेणियों में से सात में कीमतों में गिरावट दर्ज की गई, जिनमें केमिलकल, बेसिक मेटल और मोटर वाहन शामिल हैं। वहीं, कपड़ा, खाद्य उत्पाद, इलेक्ट्रॉनिक्स और विद्युत उपकरण जैसी 11 श्रेणियों में कीमतों में वृद्धि हुई। चार श्रेणियों में कोई बदलाव नहीं हुआ। इससे पहले बुधवार को जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, भारत में खुदरा महंगाई दर अक्टूबर में

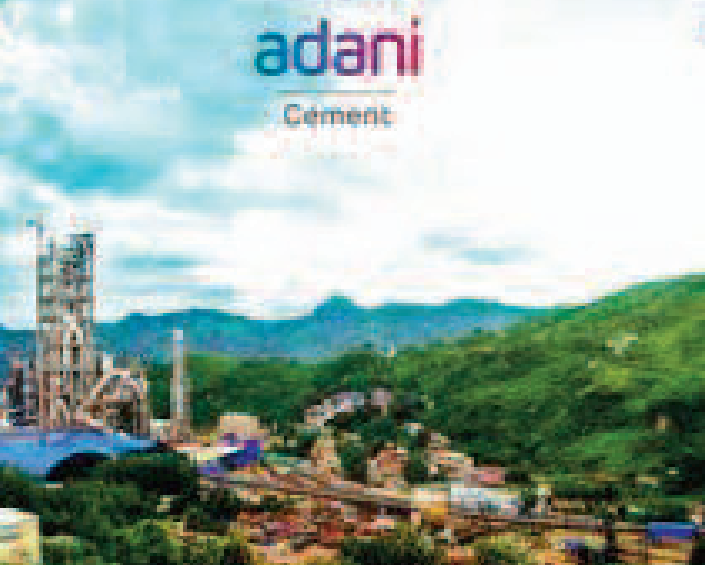


रिकॉर्ड 0.25 प्रतिशत के निचले स्तर पर पहुंच गई है, जो कि सितंबर में 1.44 प्रतिशत थी। यह मौजूदा सीपीआई सीरीज में दर्ज की गई अब की सबसे कम महंगाई दर है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से जारी किए गए डेटा में बताया गया कि ग्रामीण क्षेत्र में महंगाई दर अक्टूबर में - 0.25 प्रतिशत रही है, जबकि सितंबर में यह 1.07 प्रतिशत थी। वहीं, शहरी क्षेत्र में महंगाई दर 0.88 प्रतिशत रही है, जबकि सितंबर में यह 1.83 प्रतिशत थी। खाद्य महंगाई दर अक्टूबर में -5.02 प्रतिशत रही है, जो दिखाता है कि खाद्य उत्पादों की कीमतें सालाना आधार पर कम हुई हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य महंगाई दर अक्टूबर में -4.85 प्रतिशत रही है। इस दौरान शहरी क्षेत्रों में खाद्य महंगाई दर -5.18 प्रतिशत रही है।

अदाणी सीमेंट ग्लोबल टीएनएफडी फ्रेमवर्क को अपनाने वाली भारत की पहली सीमेंट कंपनी बनी

अहमदाबाद, अदाणी सीमेंट टास्कफोर्स ऑन नेचर रिलेटेड फाइनेंशियल डिस्क्लोजर्स (टीएनएफडी) फ्रेमवर्क को अपनाने वाली भारत की पहली सीमेंट कंपनी बन गई है। यह जानकारी कंपनी की ओर से शुक्रवार को दी गई।

इसके साथ ही, अदाणी सीमेंट उन सात ग्लोबल सीमेंट कंपनियों में शामिल हो गया है, जिन्होंने टीएनएफडी फ्रेमवर्क को अपनाया है। अदाणी सीमेंट के अंतर्गत अबुजा सीमेंट्स और एससी दो ब्रांड आते हैं। टीएनएफडी फ्रेमवर्क को ऐसी कंपनियां अपनाती हैं, जो नेचर पॉजिटिव बिजनेस ट्रांसफॉर्मेशन पर फोकस करती हैं। अदाणी सीमेंट वित्त वर्ष 26 से टीएनएफडी-संरेखित सिफारिशों को औपचारिक रूप से अपनाएगा, जिससे पर्यावरणीय प्रदर्शन में कंपनी की पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी। अदाणी समूह के सीमेंट व्यवसाय



के सीईओ विनोद बहेटी ने कहा, टीएनएफ डी फ्रेमवर्क को अपनाना अदाणी सीमेंट की नेचर पॉजिटिव ग्रोथ और क्लाइमेट सॉल्यूशंस की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हमें अपनी इंडस्ट्री में टीएनएफ डी-संरेखित डिस्क्लोजर्स के लिए प्रतिबद्ध

होने पर गर्व है, जो हमारे इस विश्वास को दर्शाता है कि जिम्मेदार व्यवसाय दीर्घकालिक सफलता की नींव है। इससे पहले अदाणी सीमेंट ने कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए दुनिया में पहली बार कमर्शियल स्तर पर कूलब्रूक की

रोटोडायनामिक हीटर (आडीएच) टेक्नोलॉजी को स्थापित करने का ऐलान किया था।

बहेटी ने कहा, हम नेट जीरो की दिशा में प्रगति को गति दे रहे हैं एवं जैव विविधता को बढ़ा रहे हैं और अपने सभी परिचालनों को मजबूत कर रहे हैं।

अदाणी समूह के एकीकृत इकोसिस्टम द्वारा समर्थित, इनोवेशन, डिजिटलीकरण और रिन्यूएबल एनर्जी पर हमारा ध्यान हमें भारत के सतत विकास लक्ष्यों का समर्थन करते हुए सभी पक्षकारों के लिए बेहतर मूल्य प्रदान करने में सक्षम बनाता है।

टीएनएफडी की सिफारिशों को अपनाकर, अदाणी सीमेंट प्रकृति से संबंधित जोखिमों और अवसरों की पहचान, आकलन, प्रबंधन और डिस्कलोजर के लिए प्रतिबद्ध है, जिससे सतत विनिर्माण में उसका नेतृत्व और मजबूत होगा। टीएनएफडी एक वैश्विक, विज्ञान-आधारित पहल है जिसकी स्थापना

शुरूआती गिरावट के बाद इंडेक्स में हल्की रिकवरी दिखने के बाद 20.90 अंक गिरकर 25,858.25 पर कारोबार कर रहा था।

वहीं वैश्विक स्तर पर, वॉल स्ट्रीट गुरुवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। टेक्नोलॉजी और एआई से जुड़े शेयरों में तेज बिकवाली ने बाजार पर दबाव बढ़ाया, जबकि फिडरल रिजर्व की संभावित ब्याज दर कटौती को लेकर बनी अनिश्चितता ने निवेशकों की चिंता बढ़ाई। एशियाई बाजारों पर भी इसका गहरा असर दिखा। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 1.5 फीसदी टूट गया, दक्षिण कोरिया का कोस्पी 2.03 फीसदी गिरा और हांगकांग का हैंग सेंग 1.23 फीसदी कमजोर हुआ।

छत्तीसगढ़ ने चीन को भारत की सबसे बड़ी तांबे की खेप का निर्यात किया नई दिल्ली,

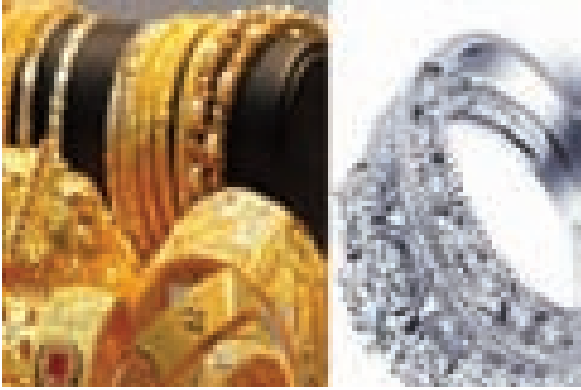
छत्तीसगढ़ ने चीन को 12,000 टन तांबा सांद्र (कॉपर कन्संट्रेट) का निर्यात करके एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। यह देश में इस खनिज की अब तक की सबसे बड़ी खेप है। नवा रायपुर स्थित मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क (एमएमएलपी) से 12,000 टन तांबा सांद्र की इस ऐतिहासिक खेप को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। छत्तीसगढ़ सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह न केवल वाणिज्य के लिहाज से एक ऐतिहासिक कदम है बल्कि यह भारत के औद्योगिक एवं लॉजिस्टिक्स परिदृश्य में छत्तीसगढ़ की बढ़ती ताकत को भी दर्शाता है। इस खेप में से 2,200 टन तांबा ले जाने वाला पहला रैक 11 नवंबर को विशाखापत्तनम बंदरगाह से समुद्री मार्ग से चीन भेजा गया। बाकी रैक अलग खेपों में भेजे जा रहे हैं। अधिकारी ने बताया कि इस निर्यात के साथ छत्तीसगढ़ ने वैश्विक व्यापार मानचित्र पर भारत के उभरते लॉजिस्टिक्स केंद्रों में से एक के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। छत्तीसगढ़ खनिज संसाधनों के क्षेत्र में भी नए मानक स्थापित कर रहा है। तांबे के साथ-साथ इस राज्य को भारत का एकमात्र टिन उत्पादक होने का अनूठा गौरव प्राप्त है। वास्तव में देश का 100 प्रतिशत टिन उत्पादन छत्तीसगढ़ से आता है। भारत के कुल टिन अयस्क भंडार का करीब 36 प्रतिशत हिस्सा राज्य में है और अनुमानतः तीन करोड़ टन भंडार मुख्यतः दंतवाड़ा एवं सुकमा जिलों में केंद्रित है। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि यह खनिज इलेक्ट्रॉनिक, रक्षा उपकरण, सोलर पैनल और उन्नत मशीनरी के उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है जिससे छत्तीसगढ़ वैश्विक प्रौद्योगिकी की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदानकर्ता बन गया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस निर्यात उपलब्धि को आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

सोने के भाव में 194 रुपए और चांदी में 555 रुपए की तेजी

सोना 1.27 लाख के करीब, चांदी 1,62,851 रुपए प्रति किलो

नई दिल्ली घरेलू वायदा बाजार में शुक्रवार को सोना और चांदी दोनों तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं।

शुरूआती हल्की सुस्ती के बाद दोनों बहुमूल्य धातुओं में खर-दौरी बढ़ी है, जिससे भावों में मजबूती देखने को मिल रही है। मल्टी कमीडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट 3 रुपये की गिरावट के साथ 1,26,748 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला था, जबकि पिछला बंद भाव 1,26,751 रुपये था। हालांकि बाद में तेजी लौटते हुए सोने का वायदा भाव 194 रुपये बढ़कर 1,26,945 रुपये पहुंच गया। कारोबार के दौरान इसने 1,27,048 रुपये का दिन का उच्च और 1,26,748 रुपये का दिन का निम्न स्तर छुआ। इस साल सोना 1,31,699 रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर को छू चुका है। चांदी



के वायदा भाव में भी मजबूती देखने को मिली। एमसीएक्स पर चांदी का दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट 381 रुपये की तेजी के साथ 1,62,851 रुपये प्रति किलो पर खुला, जो पिछले बंद 1,62,470 रुपये की तुलना में मजबूत शुरूआत रही। इसमें तेजी बढ़कर 555 रुपये तक पहुंच गई और यह 1,63,025 रुपये पर कारोबार कर रहा था। इस दौरान चांदी ने 1,63,333 रुपये का दिन का उच्च और 1,62,714 रुपये का दिन का निम्न स्तर बनाया। वर्ष 2024 में चांदी का

उच्चतम स्तर 1,69,200 रुपये प्रति किलो दर्ज हुआ था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना और चांदी के वायदा भाव में तेजी का रुख रहा। कॉमेक्स पर सोना 4,174.90 डॉलर प्रति औंस पर खुला और बाद में 4,205.60 डॉलर पर पहुंच गया। चांदी के भाव भी 52.20 डॉलर से बढ़कर 53.35 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर पहुंच गए। दोनों धातुओं में वैश्विक स्तर पर बने सकारात्मक माहौल का असर घरेलू बाजार पर भी दिखाई दे रहा है।

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम वित्त पहल (यूनैन्सडी एफआई), संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूनएडीपी), विश्व बन्धुजीव कोष (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) और ग्लोबल कैनोपी द्वारा की गई है।

यह कंपनियों को रणनीतिक निर्णय लेने और कॉर्पोरेट रिपोटिंग में प्र-कृति से संबंधित विचारों को एकीकृत करने में मार्गदर्शन प्रदान करता है।

इसके अलावा, अदाणी सीमेंट ने पहले ही मजबूत ईएसजी मानकों को संस्थापित रूप दे दिया है, जिसमें बड़े पैमाने पर वनीकरण शामिल है जिसके तहत इसने 70 लाख से अधिक पेड़ लगाए हैं। इससे पहले बुधवार को अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) टीएनएफडी फ्रेमवर्क को अपनाने वाली भारत की पहली एकीकृत ट्रांसपोर्ट यूटिलिटी बन गई, जिसने नेचर पॉजिटिव इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए एक नया मानदंड स्थापित किया है।

मुजफ्फरपुर में शॉर्ट सर्किट से घर में लगी भीषण आग

मुजफ्फरपुर: जिले के मोतीपुर

थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 13 में एक अत्यंत दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को दहला दिया है। शॉर्ट सर्किट से लगी भीषण आग में एक ही परिवार के पाँच लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई, जबकि सात अन्य लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं।

बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में मोतीपुर थाना क्षेत्र के वार्ड नम्बर 13 में देर रात हुए दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को दहला दिया। शॉर्ट सर्किट से लगी आग में एक ही परिवार के पांच लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई, जबकि सात लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं। घायलों में से चार को मुजफ्फरपुर के एस्केएमसीएच रेफर किया गया है, जबकि अन्य का स्थानीय स्तर पर उपचार चल रहा है। ये दुखद हादसा ललन साह पिता गेना साह के तीन माँजला मकान में हुई जहां परिवार के सभी सदस्य रात में सोए हुए थे। अचानक लगी आग ने घर को पूरी तरह अपनी चपेट में ले लिया और लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। चीख-पुकार के बीच आग की लपटों में फंसकर पांच लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

सूर्यपुरा के लाल कुअर राघवेंद्र प्रताप सिंह को मिला मास्टर डिग्री

अमित कुमार, नवप्रदेश, सूर्यपुरा:

के लाल कुंअर राघवेंद्र प्रताप सिंह को दिल्ली (एनसीआर) के बेनेट यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में शनिवार को मिला एम बी ए का मास्टर डिग्री। स्थानीय समाजसेवी सुदामा पाण्डेय ने बताया कि क्षेत्र के चर्चित समाजसेवी स्व देवकुमार सिंह के पुत्र अनिल कुमार सिंह दिल्ली के एक निजी कम्पनी में जेनरल मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं, उनके पुत्र कुंअर राघवेंद्र प्रताप सिंह की प्रारंभिक शिक्षा सैनिक स्कूल दिल्ली में हुआ उसके बाद उड्डिसा के कर्लंगा विश्वविद्यालय से इंजीनिवरिंग करने के बाद दिल्ली एनसीआर के बेनेट यूनिवर्सिटी से 2025 में एम बी ए की मास्टर डिग्री प्राप्त किया। जिसे 15 नवम्बर शनिवार को दिल्ली

सफाई मजदूर आयोग का गठन किया जाये -गोपाला अम्बेडकर संवाद सहयोगी जागरण डेहरी आन सोन

नवप्रदेश, डेहरी: बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए के प्रचंड जीत पर अखिल भारतीय संपूर्ण क्रांति दल व आल इण्डिया सफाई कामगार युनियन केराष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल अंबेडकर ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तथा बिहार के विकास के शिल्पी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बधाई दिया है। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता ने दोनों नेताओं के नाम पर जश्नरदस्त मतदान किया है' इस विधानसभा चुनाव की जीत से देश के महादलित समाज का मनोबल बढ़ा है' देश और बिहार में अंतिम पायदान पर रहने वाले महादलित मतदाता एनडीए सरकार बनने पर खुशी से झूम रहे हैं'। उन्होंने सबसे अंतिम पायदान पर रहने वाले मतदाताओं को विकास को सफाई मजदूर आयोग के गठन का आग्रह किया है।

कब तक बकवास करते रहोगे', SIR और EVM को लेकर अखिलेश पर मड़के ओवैसी

नवप्रदेश, पटना: बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में एनडीए की बंपर जीत के बाद राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है। अगर तरफ महागबंधन से जुड़े सपा प्रमुख अखिलेश यादव जैसे नेता अपनी हार का ठीकरा ईवीएम और एसआईआर पर फोड़ रहे हैं तो वहीं दूसरी तरफ एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी जैसे नेता उनको नसीहत देते दिख रहे हैं।

बिहार में ओवैसी की पार्टी ने पांच सीटें जीती हैं। उन्होंने कहा, मैं बिहार की जनता को एआईएमआईएम को वोट देने के लिए धन्यवाद देना चाहता मैं उन 5 सीटें पर जीत हासिल करने वाले सभी उम्मीदवारों और पार्टी सदस्यों को इतनी मेहनत करने के लिए धन्यवाद और बधाई देना चाहता हूं। हम बिहार की जनता के जनादेश को स्वीकार करते हैं। मैं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की भी धन्यवाद करना चाहता हूं। हम सीमांचल के कल्याण के लिए काम करेंगे। इसके साथ ही उन्होंने अखिलेश यादव पर हमला करते हुए कहा, हमें इतना बड़ा राजनेता नहीं हूं लेकिन मुझे ज्ञान आ रहा था कि ये नतीजे आ सकते हैं। हां इतनी उम्मीद नहीं थी कि ये लोग 200 के पास चले जाएंगे। अब उनको

बिहार में अब सरकार गठन पर हलचल तेज, नीतीश कुमार के आवास पहुंचने लगे नेता

निरंकार भास्कर, नवप्रदेश

पटना: बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में एनडीए की प्रचंड जीते के बाद अब नई सरकार के गठन की कवावद तेज हो गई है। भाजपा, जेडीयू समेत अन्य घटक दलों में विमर्श का दौर शुरू हो गया है। चुनाव नतीजों की घोषणा के अगले दिन गुरुवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आवास पर हलचल तेज है। जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा और केंद्रीय मंत्री ललन सिंह सुबह ही सीएम आवास पहुंच गए। इसके अलावा केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान भी नीतीश से मिलने पहुंचे। बताया जा रहा है कि नई सरकार के शपथग्रहण, कैबिनेट गठन समेत अन्य मुद्दों पर एनडीए में मंथन चल रहा है।रिपोर्ट्स के अनुसार, जेडीयू के वरीय नेता विजय चौधरी, श्याम रजक समेत अन्य नेताओं ने भी



पटना के एक अणे मार्ग पहुंचकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की। नीतीश से मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत में लोजपा-रामविलास के मुखिया चिराग पासवान ने कहा कि वह एनडीए की जीत को लेकर सीएम का आभार जताने आए थे।उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में

एनडीए ने ऐतिहासिक जीत हासिल की है। इसलिए उनसे मुलाकात करने लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) का प्रतिनिधि मंडल पहुंचा। चिराग ने कहा कि नीतीश ने एनडीए के सभी घटक दलों की भूमिका को सराहा है। विपक्ष पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि ये लोग (महागठबंधन) लोजपा और

जदयू के बीच तकरार की झूठी अफवाह फैला रहे थे। इस चुनाव में दोनों ही दलों ने एकजुटता दिखाते हुए एक-दूसरे के उम्मीदवारों को जिताने में मदद की।

नीतीश ही अगले मुख्यमंत्री बनेंगे : जेडीयू नेता

जदयू के वरिष्ठ नेता श्याम रजक ने

सीएम आवास के बाहर मीडिया से बातचीत में कहा, पूरा एनडीए एकजुट है। सभी लोग नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़े, नीतीश ही हमारे नेता हैं और वो अगले मुख्यमंत्री भी बनेंगे।

बिहार चुनाव रिजल्ट में एनडीए से किस पार्टी की कितनी सीटों पर भाजपा- 89 जदयू- 85 लोजपा आर- 19

हम- 5

रोलोमो- 4

चुनाव नतीजों के बाद भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा कि पहले सभी पांचों दल अपने-अपने नेता का चयन करेंगे। इसके बाद एनडीए एक साथ बैठकर गठबंधन के विधायक दल के नेता का चयन किया जाएगा। यही संवैधानिक प्रक्रिया है। इसके बाद शपथ ग्रहण समारोह होगा

क्या नितिश सरकार में होंगे दो उप मुख्यमंत्री?



नवप्रदेश, पटना: जिस प्रकार एक बार फिर नितिश कुमार के मुख्यमंत्री बनना तय माना जा रहा है परन्तु इस बार नये सरकार में दो उपमुख्यमंत्री बना भी उतना ही तय है परंतु इस बार अलग होने का खबर सुनें के हवाले से मिल रही है जहां पिछली बार भाजपा के दो-मुख्यमंत्री थे लेकिन इस बार चिराग पासवान कि लोजपा पार्टी अपने जिते विधायकों में से किसी एक को बनाना चाह रही है और लोजपा विधायक दल ने गोविन्दराज विधानसभा से चुनाव जिते राजु

तिवारी को विधायक दल नेता भी चुन लिया है ऐसे में कयास लगाया जा रहा है कि अगर इस पार्टी से आर एनडीए सरकार में कोई उप मुख्यमंत्री बनता है तो राजु तिवारी बन सकते हैं वहीं भाजपा से भी कोई एक चेहरा उप मुख्यमंत्री बन सकता है अब देखना है कि क्या भाजपा सरकार में पूर्व में रहें दो उप मुख्यमंत्रीयो में से किसे उप मुख्यमंत्री बनाती है या कोई नया चेहरा को उप मुख्यमंत्री बनाती है यह तो नई सरकार के शपथ ग्रहण के समय इस पर से पर्दा उठेगा।

एनडीए के प्रचंड बहुमत पर बिक्रमगंज में कार्यकताओं ने मनाया जश्न, जमकर हुई आतिशबाजी

नवप्रदेश, बिक्रमगंज: बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की अभूतपूर्व जीत पर एनडीए कार्यकर्ता और समर्थकों ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर और मिठाइयां खिलाकर जीत की खुशियां मनाईं। जगह जगह खूब आतिशबाजियां भी की गईं।

ऐतिहासिक जीत से उत्साहित एनडीए के भाजपा, जदयू, लोजपा, आरएलएम और हम सेक्युलर से जुड़े कार्यकर्ता और समर्थकों ने जीत को पीएम मोदी, सीएम नीतीश और गृह मंत्री अमित शाह के साथ हर छोटे बड़े कार्यकर्ताओं की जीत बदलता रहा और आक्षिरकार बीजेपी के महेश पासवान ने 95 वोटों से जीत दर्ज की. यह सीट अंतिम क्षण तक रोमांच से भरी रही. **नबीनगर सीट:** बिहार की नबीनगर विधानसभा सीट की चुनावी जंग बेहद दिलचस्प रही. नबीनगर से खऊव के चेतन आनंद ने 112 वोट से जीत हासिल की. चेतन आनंद को 80380 वोट पड़े जबकि फख्रउ उम्मीदवार आमोद कुमार सिंह को 80268 वोट मिले.

फारबिसगंज सीट: काग्रिस की

भरा रोमांचक मुकाबला

आरा की अगिआंव सीट पर बीजेपी के महेश पासवान और सीपीआई (एमएल) के शिव प्रकाश रंजन के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली. कई राउंड तक बढ़त का खेल बदलता रहा और आक्षिरकार बीजेपी के महेश पासवान ने 95 वोटों से जीत दर्ज की. यह सीट अंतिम क्षण तक रोमांच से भरी रही. **नबीनगर सीट:** बिहार की नबीनगर विधानसभा सीट की चुनावी जंग बेहद दिलचस्प रही. नबीनगर से खऊव के चेतन आनंद ने 112 वोट से जीत हासिल की. चेतन आनंद को 80380 वोट पड़े जबकि फख्रउ उम्मीदवार आमोद कुमार सिंह को 80268 वोट मिले.

फारबिसगंज सीट: काग्रिस की कम अंतर से यादगार जीत

अररिया की फारबिसगंज सीट पर काग्रिस उम्मीदवार मनोज बिश्वास और बीजेपी के विद्या सागर केशरी के बीच कड़ी लड़ाई रही. काग्रिस ने यह सीट 221 वोटों से जीती. मनोज बिश्वास को 1,20,114 वोट मिले और केशरी को 1,19,893 वोट. **चनपटिया सीट :** पश्चिमी चंपारण की चनपटिया सीट पर काग्रिस के

अभिषेक रंजन और बीजेपी के उमाकांत सिंह आमने-सामने थे. वहां काग्रिस ने 602 वोटों के अंतर से जीत हासिल की. अभिषेक रंजन को 87,538 वोट पड़े. उमाकांत सिंह ने 86,936 वोट हासिल किए. तीसरे नंबर पर जन सुराज के त्रिपुरारी तिवारी उम्मीदवार कश्यप रहे जिन्हें 37,172 वोट मिले. **बोधगया सीट :** ऐतिहासिक बोधगया सीट पर आरजेडी के कुमार सर्वजीत और एलजेपी (रामविलास) के श्यामदेव पासवान के बीच कटि की टक्कर रही. आरजेडी ने यह सीट 881 वोट से अपने नाम की. सर्वजीत को 1,00,236 वोट मिले, जबकि पासवान को 99,355 वोट.

बखितयारपुर सीट: एलजेपी (राव) ने मारी बाजी

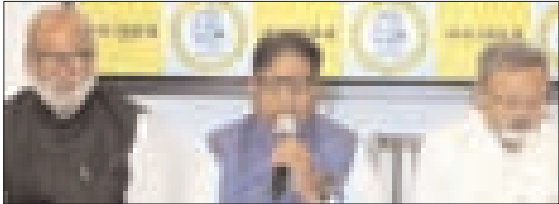
बखितयारपुर सीट पर एलजेपी (रामविलास) के अरुण कुमार ने आरजेडी के अनिरुद्ध कुमार को 981 वोटों से हराया. अरुण कुमार को 88,520 वोट पड़े. आरजेडी के अनिरुद्ध कुमार को 87,539 वोट मिले. जन सुराज के बाल्मीकि सिंह तीसरे स्थान पर रहे.

बलरामपुर सीट: तीन पार्टियों के बीच त्रिकोणीय मुकाबला

बलरामपुर सीट पर एलजेपी (राव), एआईएसआईएम और सीपीआई (एमएल) के बीच त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिला. एलजेपी (राव) की संगीता देवी ने एआईएमआईएम के मोहम्मद आदिल हसन को 389 वोटों से हराया. संगीता देवी को 80,459 वोट मिले. एआईएमआईएम के आदिल हसन को 80,070 वोट मिले. सीपीआई (एमएल) के महबूब आलम ने 79,141 वोट पाकर तीसरा स्थान हासिल किया.

ढाका सीट: आरजेडी की बेहद करीबी जीत

ढाका सीट पर आरजेडी के फैसल रहमान और बीजेपी के पवन कुमार जायसवाल के बीच जबरदस्त मुकाबला हुआ. आरजेडी ने यह सीट सिर्फ. 178 वोटों से जीती. फैसल रहमान को 1,12,727 वोट पड़े जबकि बीजेपी के पवन जायसवाल को 1,12,549 मत हासिल हुए. बिहार चुनाव 2025 में भले ही एनडीए ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की हो, लेकिन इन करीबी मुकाबलों ने चुनाव को बेहद रोमांचक और अनिश्चित बनाए रखा.

संक्षिप्त खबरें
जन सुराज को अपेक्षित वोट ना आने का मुख्य कारण लोगों के मन में राजद की वापसी का डर रहा : उदय सिंह 

नवप्रदेश, पटना : जन सुराज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय सिंह और प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती ने आज बेली रोड स्थित शेखपुरा हाउस में महत्वपूर्ण प्रेस कांफ्रेंस की। उन्होंने बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों पर अपनी प्रतिक्रिया दी। राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय सिंह सबसे पहले बिहार विधानसभा चुनाव में जीत पर ठुठ्ठक को बधाई दी और नई सरकार के बनने के लिए शुभकामनाएं भी दी। उन्होंने यह भी कहा कि बिहार में बनने वाली नई सरकार से हमारी मांग है कि अब साफ़-सुथरी सरकार बने और दार्गी मंत्रियों को जगह ना मिले। हमारे जो भी मुद्दे थे उनपर खुद प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री

जी ने भी बात की। इसलिए हम यह देखते रहेंगे कि उन मुद्दों पर कितना काम होता है। उन्होंने आगे कहा कि जन सुराज की स्थापना जिस हदता से हुई थी और परिवर्तन का जो उद्देश्य था, वो जारी रहेगा। सरकार की कमियों को हम उजागर करते रहेंगे। महागठबंधन के पास जब पहले ताकत थी तब भी वो विपक्ष की भूमिका सही से नहीं निभा रहे थे। हालांकि हम विधानसभा में नहीं रहेंगे लेकिन फिर भी अब बिहार की जनता जन सुराज को एक मजबूत विपक्ष की भूमिका में देखेगी। जन सुराज के बिहार विधानसभा चुनाव में प्रदर्शन पर उन्होंने कहा कि हम निराश हैं लेकिन हाताश नहीं है।

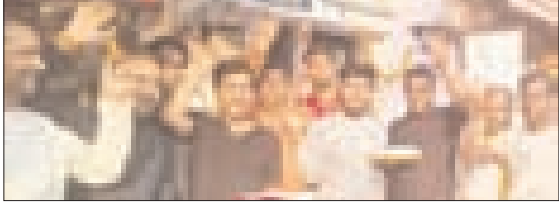
बाल दिवस के रूप में मनाया गया प्रथम प्रधानमंत्री की जयंती



नवप्रदेश, बिक्रमगंज: शहर के एसएस कॉलेज रोड स्थित मॉडर्न किड्स प्ले स्कूल में भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल की जयंती बाल दिवस के रूप में मनाया गया। इस मौके पर विद्यालय के छात्र छात्राओं ने केक काटा तथा लोगों के बीच नेहरू की जीवनी की चर्चा की। प्राचार्य अनिता गुप्ता और उपप्राचार्य अजली सिन्हा के निदेश में बच्चों के बीच भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। छात्र छात्राओं ने चचा नेहरू के जीवनी की चर्चा अपने भाषण में किया। इस मौके पर विद्यालय के निदेशक सीएम चौधरी

ने पंडित नेहरू की जीवनी की चर्चा करते हुए उन्हें एक कुशल प्रशासक और राज नेता बताया। कहा कि आजाद भारत जो गुलामी के कारण बिल्कुल ही साधनहीन हो गया था, उस विकास की पटरी पर लाने का काम किया। देश के सभी क्षेत्रों में विकास का चिराग जलाए। जयंती कार्यक्रम को सुरभी पांडेय, सिमरन कुमारी, डिम्पल कुमारी, लक्ष्मी कुमारी, आकांक्षा श्रीवास्तव सहित कई शिक्षक शिक्षिकाओं ने संबोधित किया। मौके पर विद्यालय के सभी छात्र छात्रा और कई अभिभावक उपस्थित थे।

तरारी में भाजपा की जीत पर एक साथ मनी होली-दीपावली



नवप्रदेश, पीरो(भोजपुर) : बिहार विधान सभा चुनाव में एनडीए को मिली प्रचंड जीत पर जमकर जश्न मना। शुक्रवार की सुबह शुरू हुई मनागणना में एनडीए को बढत मिलने की खबर बाहर आते ही एनडीए के घटक दलों के कार्यकर्ता झंडा और बैनर के साथ सड़कों पर उतर आए और जश्न मनाना शुरू कर दिया। राउंड दर राउंड मतगणना आगे बढ़ने व एनडीए उम्मीदवारों को मिलने वाली बढत से कार्यकर्ताओं का उत्साह भी बढता गया। शाम तीन बजे के बाद तरारी से भाजपा प्रत्याशी विशाल प्रशांत को निर्णायक बढत मिलने के बाद कार्यकर्ताओं ने अबीर-गुलाल उडाना व आतिशबाजी शुरू कर दी। वहीं एक-दूसरे को मिठाई खिलाने का सिलसिला भी शुरू हो गया।

फाइनल परिणाम घोषित होने के बाद जो जश्न शुरू हुआ वह ढेर रात तक जारी रहा। इस दौरान एनडीए के कार्यकर्ता नाचते-गाते, एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाते व नारेबाजी करते देखे गए। इस जश्न में बच्चे, बूढ़े जवान सभी शामिल थे। जश्न का आलम यह रहा कि इसके आगे होली-दिवाली फीकी नजर आने लगी। इस जश्न में युवकों का उत्साह देखते बन रहा था। शहर से लेकर गांव तक एनडीए समर्थकों ने अपने-अपने तरीके से जीत का जश्न मनाया। आज ज्यदातर उत्साही युवक नाचने-गाने में मग्न थे वहीं कई समर्थकों ने मंदिरों में पहुंच कर प्रसाद चढ़ाया और एनडीए की जीत के लिए भगवान का आभार व्यक्त किया।

जन सुराज के प्रत्याशी चन्द्रशेखर सिंह का हार्ट अटैक से निधन, तरारी में शोक की लहर

नवप्रदेश, तरारी : तरारी विधानसभा क्षेत्र में चुनावी गतिविधियों के बीच एक दर्दनाक खबर ने पूरे इलाके को शोक में डूबी दिया। जन सुराज द्वारा तरारी से प्रत्याशी बनाए गए सेवानिवृत्त प्रधान शिक्षक एवं तेजतर्रार



समाजसेवी चन्द्रशेखर सिंह का शनिवार शाम निधन हो गया। उन्होंने अपनी सादगी, ईमानदारी और सामाजिक सक्रियता से क्षेत्र में अलग पहचान बनाई थी। जानकारी के अनुसार शुक्रवार तड़के सुबह करीब 3 बजे चन्द्रशेखर सिंह को पहला हार्ट अटैक आया, जिसके बाद उन्हें तत्काल पटना के रुबन अस्पताल में डॉक्टरों की देखरेख में उनका उपचार जारी रहा, लेकिन दोपहर बाद उनकी हालत बिकरती चली गई। शाम 4 बजे उन्हें दूसरा हार्ट अटैक आया और निरंतर प्रयासों के बावजूद शाम 7 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। चन्द्रशेखर सिंह पूर्व में शिक्षक संघ के सक्रिय पदाधिकारी रहे थे और उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई थी, जिसके बाद उन्हें रुबन अस्पताल में भर्ती कराया गया था। चिकित्सकों ने तब फिन्डींग फल होने की पुष्टि की थी, जिसके बाद से उनका उपचार चल रहा था। जन सुराज प्रत्याशी के अधिकर्ता एवं किसान नेता छोटे सिंह ने दूरभाष पर उनके निधन की पुष्टि की। खबर फैलते ही तरारी, कुरमुरी और आसपास के गांवों में शोक की हवा बूढ़ गई। समाचार भेजे जाने तक उनका पार्थिव शरीर पैतृक गांव कुरमुरी नहीं पहुंचा था। देर रात तक पहुंचने की सभाजनता जताई गई है। स्थानीय लोगों ने उनके निधन को क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति बताया है।

जनादेश का सम्मान होना चाहिए : मीना कुमारी

सहार (भोजपुर) : तरारी विधान सभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी विशाल प्रशांत की जीत पर बधाई देते हुए सहार-पूर्वा की जिला पार्षद मीना कुमारी ने कहा है कि तरारी विधान सभा क्षेत्र के मतदाताओं ने अराजकतावादी विचार को नकार कर सामाजिक चिंतन का सहारा

लेकर मतदान किया है जिसके लिए जनादेश का सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने सामाजिक शांति के साथ विकास और सुधार के लिए शैक्षणिक व्यवस्था पर विशेष ध्यान आकृष्ट करते हुए विशाल प्रशांत से सदन तक संघर्ष के लिए अपनी शुभकामनाये दी है ।

27 मौर्य वंशी बने विधायक मौर्य वंशीयो ने जताया खुशी

नवप्रदेश, बेतिया : शुक्रवार को विहार विधानसभा चुनाव के मतगणना के बाद कुशवाहा समाज से ताल्लुक रखने वाले 27 मौर्यवंशी चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंच गये इस प्रकार के कुशवाहा समाज से इतनी तादाद में चुनाव जितने पर मौर्य वंशी समाज से ताल्लुक रखने वाले समाजसेवी पुन्यदेव प्रसाद ने कहा कि सम्राट अशोक और चंद्रगुप्त मौर्य के वंशज ने जिस प्रकार इस चुनाव में अपनी एकता का परिचय दिया है वह काबिलिया तरीफ है इतना ही नहीं किसी किसी

विधानसभा क्षेत्र में दूसरे समुदाय से ताल्लुक रखने वाले प्रत्याशी भी मौर्य वंशीयो के समर्थन के कारण ही चुनाव में विजय प्राप्त किये है क्योंकि मौर्य वंशी अपने मान सम्मान के लिए जाने जाते हैं। मौर्य वंशीयो के जित पर वाल्मीकि प्रेस ट्रस्ट सचिव एवं मौर्य वंशी समाज से ताल्लुक रखने वाले वरिष्ठ पत्रकार निरंकर भास्कर, गोपालजी प्रसाद कुशवाहा, दिलिप कुशवाहा, धृतराजराज प्रसाद, प्रकाश कुमार, राजा बाबू आदि ने हर्ष व्यक्त किया है।

सरकार आदिवासी समाज को राष्ट्र के सर्वोच्च पदों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध : प्रधानमंत्री

नर्मदा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को जोर देकर कहा कि राजनीतिक सशक्तीकरण के बिना विकास अधूरा है और इसी उद्देश्य से केंद्र सरकार आदिवासी समाज को राष्ट्र के सर्वोच्च पदों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज या समुदाय के संपूर्ण विकास के लिए राजनीतिक नेतृत्व और लोकतंत्र में उसकी समान भागीदारी अत्यंत आवश्यक होती है।

प्रधानमंत्री गुजरात के नर्मदा जिले के डेड़ियापाड़ा में भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर आयोजित जनजातीय गौरव दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर लगभग 9,700 करोड़ रुपये का सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, पानी और कनेक्टिविटी से संबंधित परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि यह निवेश आदिवासी क्षेत्रों की जीवन गुणवत्ता में बड़ा बदलाव लाएगा।

उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज ने भारतीय सभ्यता, संस्कृति और स्वतंत्रता संग्राम में जो योगदान दिया है, वह अतुलनीय है, लेकिन दशकों तक इस योगदान को



नजरअंदाज किया गया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने आदिवासी समाज के सम्मान, स्वाभिमान और विकास को प्राथमिकता देकर इस ऐतिहासिक उपेक्षा को दूर करने का काम किया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र में प्रतिनिधित्व केवल प्रतीकात्मक नहीं होना चाहिए, बल्कि वास्तविक शक्ति-हस्तांतरण का माध्यम होना चाहिए।उन्होंने कहा, ६७आज देश की राष्ट्रपति एक आदिवासी महिला हैं। यह केवल सम्मान नहीं, बल्कि वह प्रेरणा है जो बताती है कि भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था हर नागरिक को उच्चतम पद तक पहुंचने का अवसर देती है।

मोदी ने कहा कि भाजपा और राजग

सरकारों ने हमेशा सक्षम, प्रतिभाशाली और जनसेवा के प्रति समर्पित आदिवासी नेताओं को आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू, नगालैंड के मुख्यमंत्री नेप्चू रियो, मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल, सभी उस परिवर्तनशील राजनीतिक यात्रा के प्रतीक हैं जिसमें आदिवासी समाज नेतृत्व की भूमिका निभा रहा है। प्रधानमंत्री ने यह भी बताया कि केंद्र में सबानंद सोनोवाल, जो आदिवासी समुदाय से आते हैं, पूरे शिपिंग मंत्रालय का नेतृत्व कर रहे हैं।

भगवान बिरसा मुंडा को समर्पित

कार्यक्रम में विकास कार्यों के लोकार्पण के संबंध में मोदी ने कहा, मां नर्मदा की इस पावन धरती पर आज एक ऐतिहासिक आयोजन हो रहा है।हाल ही में सरदार पटेल की 150वीं जयंती और भारत पर्व का समापन भी वहीं से हुआ। आज बिरसा मुंडा की जयंती पर यह धरती फिर से विकास और सांस्कृतिक गौरव की गवाह बन रही है। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि आजादी के बाद छह दशकों तक शासन करने के बावजूद कांग्रेस ने आदिवासी क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के अभाव को दूर करने का कोई वास्तविक प्रयास नहीं किया। उन्होंने कहा, कुपोषण, स्वास्थ्य सेवाओं की कमी, शिक्षा का अभाव और

कनेक्टिविटी की समस्याएं, यह सब कांग्रेस की निष्क्रियता का नतीजा था। आदिवासी क्षेत्र पिछड़ेपन के प्रतीक बन गए और कांग्रेस सरकारें देखती रहीं। भाजपा सरकार ने इस अन्याय को खत्म करने का संकल्प लेकर काम किया है। उन्होंने बताया कि अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने पहली बार जनजातीय मंत्रालय का गठन कर आदिवासी कल्याण को संस्थागत रूप दिया, लेकिन कांग्रेस की बाद की सरकारों ने इस मंत्रालय की उपेक्षा की। मोदी ने कहा कि एक समय गुजरात के आदिवासी क्षेत्रों में विज्ञान की शिक्षा देने वाला एक भी स्कूल नहीं था। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री के रूप में हमने व्यापक सुधार किए। आज इन्हीं क्षेत्रों में 10 हजार से अधिक स्कूल संचालित हैं। आदिवासी बच्चों को उच्च शिक्षा, खेल और तकनीकी शिक्षा के लिए रई राई मिल रही हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि सिकल सेल एनीमिया आदिवासी समुदाय के लिए बड़ी चुनौती रही है। उन्होंने कहा कि जनजातीय क्षेत्रों में डिस्पेंसरी, अस्पताल और मेडिकल सेंटरों की संख्या बढ़ाई गई है तथा राष्ट्रीय स्तर पर सिकल सेल उन्मूलन अभियान चलाया जा रहा

है। मोदी ने कहा कि आज हर बड़े खेल आयोजन में आदिवासी इलाकों से खिलाड़ी चमक रहे हैं। उन्होंने कहा, ६७भारत की महिला क्रिकेट टीम ने हाल ही में विश्व कप जीता और इसमें हमारी आदिवासी बेटी ने अहम भूमिका निभाई। यह सिर्फ खेल की जीत नहीं, बल्कि आदिवासी समाज के नए आत्मविश्वास की जीत है। उन्होंने कहा कि सरकार जनजातीय क्षेत्रों में खेल अवसरंचना को लगातार मजबूत कर रही है। पिछले एक दशक में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, महाकाल कॉरिडोर, अयोध्या राम मंदिर और केदारनाथ जैसे धार्मिक स्थलों का विकास राष्ट्रीय सांस्कृतिक विरासत को नए आयाम देने का उदाहरण है। उन्होंने श्री गोविंद गुरु चरन-जनजातीय भाषा संवर्धन केंद्र की स्थापना की घोषणा भी की, जिसमें भील, वसावा, गरासिया, कोकणी, राठवा, नायक, संथाल, व्ली सहित कई जनजातीय भाषाओं पर अनुसंधान और संरक्षण का कार्य होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती हमें संकल्प दिलाती है कि देश के विकास में कोई भी समुदाय पीछे नहीं रहना चाहिए।

साहित्य अकादमी बाल साहित्य पुरस्कार से सम्मानित लेखकों ने साझा किए अनुभव

नई दिल्ली। साहित्य अकादमी बाल साहित्य पुरस्कार 2025 से पुरस्कृत लेखकों ने शनिवार को यहां साहित्य अकादमी सभागार में आयोजित लेखक सम्मिलन में अपनी व्यक्तिगत यात्राओं और रचनात्मक प्रेरणाओं को साझा किया। उन्होंने उन अनुभवों, विचारों और भावनाओं पर चर्चा की जिन्होंने उन्हें बच्चों के लिए कल्पनाशील और सार्थक साहित्य लिखने के लिए प्रेरित किया।

सत्र की अध्यक्षता कर रही साहित्य अकादमी की उपाध्यक्ष कुमुद शर्मा ने कहा कि हमारे देश में बाल साहित्य की बहुत प्राचीन और लोकप्रिय परंपरा रही है। पंचतंत्र इसकी सबसे बड़ी मिसाल है। आज के बाल लेखकों को परंपरा और तकनीकी की नई चुनौतियों के बीच लिखना है। वर्तमान बाल साहित्यकार एक तरीके से बच्चों के लिए नैतिक मूल्यों और ज्ञान की ऐसी गुल्लक सौंप रहे हैं, जो उनके जीवन में बहुत बड़ी भूमिका निभाएगी। आज के बच्चों की भूत और पूरी कथाओं से नहीं बहलाना जा सकता है। क्योंकि उनके पास तर्क, ज्ञान और कल्पना शक्ति से



उपजे ऐसे अनेक सवाल हैं, जो हम बड़ों को भी निरुत्तर कर देते हैं। उन्होंने सभी पुरस्कृत लेखकों को बधाई देते हुए कहा कि एक संकल्प के तहत आप जिस बाल साहित्य एक सेतु का काम करता है और मैं बोडो साहित्य में यह काम निरंतर कर रहा हूं। पीएल परिहार ह्यशौक६७ (डोगरी) ने आज की पीढ़ी में नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने वाली उच्च गुणवत्ता वाली बच्चों की पत्रिकाओं की कमी पर अपनी चिंता व्यक्त की। उनका मानना ​​है कि आज के बच्चे परियों की कहानियों, नैतिक कविताओं और कहानियों से आगे बढ़ गए हैं और उन्हें विज्ञान-आधारित साहित्य प्रदान करने की आवश्यकता है। नितिन कुशलप्या

बताते हुए कहा कि इससे ही वह बाल साहित्य रच पाए। बिनय कुमार ब्रह्म (बोडो) ने कहा कि बाल साहित्य हमारी सांस्कृतिक परंपराओं और वर्तमान सच के बीच एक सेतु का काम करता है और मैं बोडो साहित्य में यह काम निरंतर कर रहा हूं। पीएल परिहार ह्यशौक६७ (डोगरी) ने आज की पीढ़ी में नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने वाली उच्च गुणवत्ता वाली बच्चों की पत्रिकाओं की कमी पर अपनी चिंता व्यक्त की। उनका मानना ​​है कि आज के बच्चे परियों की कहानियों, नैतिक कविताओं और कहानियों से आगे बढ़ गए हैं और उन्हें विज्ञान-आधारित साहित्य प्रदान करने की आवश्यकता है। नितिन कुशलप्या

एमपी (अंग्रेजी) ने दक्षिण भारत की लोक कथाओं और किंवदंतियों पर केंद्रित अपनी पुस्तक के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि इन कथाओं में इतिहास लोककथाओं का एक अनोखा संगम है जो बच्चों को मनोरंजन की नई दुनिया में ले जाता है।

कीर्तिदा ब्रह्मभट्ट (गुजराती) ने कहा कि उन्हें बच्चों के साथ खेला बहुत पसंद है और उन्हें पढ़ाना, उनसे मीठी बातें करना, उन्हें कहानियां सुनाना और उनके सवालों का जवाब देना इतना अच्छा लगता है कि वे उन अनुभवों को ही अपनी कविताओं में ढाल देते हैं। सुशील शुक्ल (हिंदी) ने कहा कि बच्चों के लिए लिखने वाले को बच्चों को ऐसा दोस्त बनाना आना चाहिए जो कि उन बच्चों के अंदर रोशनी पैदा करे और उनको नई उम्मा दे सके। ऐसा करते समय अपने लेखकोंय बड़प्पन यानी अपनी नसीहतों को पीछे रखकर उन्हें ऐसी बातें बतानी चाहिए जो उन्हें आज के नए माहौल में आशा और भरोसे की ओर ले जाएं।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने नीतीश कुमार को दी जीत की बधाई

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने जन्ता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बिहार विधानसभा चुनाव में निर्णायक जीत पर बधाई दी है। स्टालिन ने राष्ट्रीय जन्ता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव के प्रयासों की प्रशंसा की, जबकि भारत के चुनाव आयोग की आलोचना की। मुख्यमंत्री स्टालिन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, बिहार चुनाव का यह परिणाम सभी के लिए एक सबक है। चुनाव परिणाम कल्याणकारी योजनाओं को लाभार्थियों तक पहुंचाए जाने, सामाजिक एवं वैचारिक गठबन्धन, सट्टे राजनीतिक संदेश और अंतिम वोट पड़ने तक समर्पित प्रबंधन को दर्शाते हैं।" मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा, भारतीय राष्ट्रीय विकासत्मक समन्वेशी एमबेन (डीई) के नेता भी अनुभवी हैं, जो संदेश को समझने और उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए रणनीतिक योजना बनाने में सक्षम हैं। निर्वाचन आयोग की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा, इस चुनाव के नतीजे निर्वाचन आयोग की लापरवाह कार्यों को नहीं छिपा सकते, निर्वाचन आयोग की प्रशिक्षा आज अपने सबसे निचले स्तर पर है। देश के नागरिक ऐसे मजबूत और अधिक निष्पक्ष निर्वाचन आयोग के हकदार हैं, जिसके चुनाव संचालन से उन लोगों में भी विश्वास पैदा हो, जिनकी जीत नहीं हुई।

राम मंदिर ध्वजारोहण कार्यक्रम: 25 नवंबर को नहीं हो सकेगे रामलला के दर्शन

अयोध्या। अयोध्या में 25 नवंबर को होने वाले श्री राम जन्मभूमि के ध्वजारोहण कार्यक्रम के लिए श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने सोशल मीडिया पर विशेष अपील की है। उन्होंने शनिवार को राम मंदिर के ताजा चित्र जारी कर समारोह के विषय में दिए अपने संदेश में श्रद्धालुओं को मंदिर में दर्शन न होने की बात कही है। इससे पूर्व भी उन्होंने इस सन्दर्भ में शुक्रवार की रात वीडियो संदेश जारी किया था। चंपत राय ने सोशल मीडिया पर



अपनी अपील में लिखा कि हम हाथ जोड़ कर निवेदन करते हैं कि 25 नवंबर को दर्शनार्थियों को मंदिर

में दर्शन नहीं कराये जा सकेंगे। 24 नवंबर की रात के बाद ही दर्शन बंद हो जाएंगे। हालांकि ये आयोजन (ध्वजारोहण) सभी देशवासियों और संसार भर के लोग अपने-अपने घर में बैठ कर देख सकेंगे। अयोध्या नगर में जगह-जगह विकास प्राधिकरण की ओर से सड़कों पर बड़े-बड़े पंदे लगाये गये हैं, उन पदों पर ये आयोजन दिखाया जाएगा। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि ट्रस्ट की ओर से शहर में कुछ स्थानों पर स्क्रीन लगाई जायेगी, जिन पर भी आयोजन देखा जा

सकेगा। संसार के लोग इस आयोजन को किसी भी चैनल पर देख सकते हैं। दूसरोंने, सभी चैनलों को सीधे-सीधे पूरा कार्यक्रम प्रेषित कराएगा। आप से इतना निवेदन है कि अपने घरों पर बैठकर इस कार्यक्रम का आनंद लें, ये राष्ट्रीय गौरव का एक कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम का मतलब है कि अब मंदिर के निर्माण का कार्य पूरा हो चुका है। उल्लेखनीय है कि इस भव्य कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत देश की कई प्रमुख हस्तियां शामिल होंगी।

ट्रंप ने कॉफी, मीट और अन्य मूलभूत खाद्य पदार्थों से टैरिफ हटाए

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को किराने के सामान की उच्च लागत के बारे में अमेरिकी उपभोक्ताओं के बीच बढ़ती नाराजगी के कारण कॉफी, मांस, केले और संतरे के रस जैसे स्टेपल सहित 200 से अधिक मूलभूत खाद्य उत्पादों पर आयात शुल्क यानी टैरिफ वापस ले लिया है। नई छूट शुक्रवार को प्रभावी हुई है। ट्रंप ने यह दावा किया है कि इस साल की शुरूआत में लगाए गए आयात शुल्क देश में मुद्रास्फूर्ति को बढ़ावा नहीं दे रहे हैं। ट्रंप ने शुक्रवार शाम को एयर फोर्स वन पर संबाददाताओं द्वारा इस कदम के बारे में पूछे जाने पर यह जानकारी दी। उन्होंने स्वीकार किया कि कुछ मामलों में कीमतें बढ़ी हैं लेकिन कुल मिलाकर, अमेरिका में वास्तव में कोई मुद्रास्फूर्ति नहीं है। डेमोक्रेट्स ने वर्जीनिया, न्यू जर्सी और न्यूयॉर्क



शहर में राज्य और स्थानीय चुनावों में कई जगहों पर जीत हासिल की है, जहां खाद्य वस्तुओं की ऊंची कीमतों सहित उनके आर्थिक सामर्थ्य के बारे में बढ़ती चिंताएं मतदाताओं के बीच

एक प्रमुख मुद्दा थीं। अमेरिकी उपभोक्ता किराने की ऊंची कीमतों के कारण निराश हैं, जिसके बारे में अर्थशास्त्रियों का कहना है कि आयात शुल्क से आंशिक रूप से

वृद्धि हुई है और अगले साल कीमतें और बढ़ सकती हैं क्योंकि कंपनियों पर आयात शुल्क का पूरा बोझ आएगा। शुक्रवार की सूची में ऐसे उत्पाद शामिल हैं जो अमेरिकी

उपभोक्ता नियमित रूप से घर पर अपने परिवारों के लिए खरीदते हैं, जिनमें से कई ने साल-दर-साल कीमतों में दोहरे अंकों की वृद्धि देखी है। इसमें संतरे, अकाई बेरीज और पेपरिका से लेकर कोको, खाद्य उत्पादन में उपयोग किए जाने वाले रसायन, उर्वरक और यहां तक ​​कि वेफर्स तक के 200 से अधिक आइटम शामिल हैं। अमेरिका एक प्रमुख मांस उत्पादक है, हालांकि हाल के वर्षों में मांसेरियों की लगातार कमी ने मांस की कीमतों को बढ़ा दिया रखा है। केले की कीमतें लगभग 7% अधिक थीं, जबकि टमाटर 1% अधिक थे। सितंबर में घर पर उपभोग किए जाने वाले भोजन की कुल लागत 2.7% बढ़ गई। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आंकड़ों के अनुसार, सितंबर के लिए नवीनतम उपलब्ध

आंकड़ों के अनुसार, मांस लगभग 13% अधिक महंगा था, और स्टेक की कीमत एक साल पहले की तुलना में लगभग 17% अधिक थी। दोनों के लिए वृद्धि तीन साल से अधिक समय में सबसे अधिक थी, जबकि ट्रंप के पूर्ववर्ती, डेमोक्रेट राष्ट्रपति जो बाइडन के शासन में मुद्रास्फूर्ति अपने चरम के करीब थी। ट्रंप प्रशासन ने गुरुवार को 'प्रेमवर्क' व्यापार सौदों' की घोषणा की है। उन्हें अंतिम रूप दिये जाने के बाद, अर्जेंटीना, इक्वाडोर, ग्वाटेमाला और अल सल्वाडोर से कुछ खाद्य पदार्थों और अन्य आयातों पर टैरिफ की समस्या समाप्त हो जाएगी। अमेरिकी अधिकारियों ने साल के अंत से पहले भारत सहित कई अन्य देशों से भी व्यापार समझौतों पर ध्यान केन्द्रित किया हुआ है।

एक नजर

नेपाल: सदिग्ध गतिविधि के आरोप में 4 चीनी नागरिक गिरफ्तार

काठमांडू। व्यावसायिक वीजा पर नेपाल में रहते सदिग्ध गतिविधि संचालित करने के आरोप में चार चीनी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। अध्यागमन विभाग के प्रवक्ता टीकाराम दकाल के अनुसार, शुक्रवार को एक महिला तथा तीन पुरुषों को गिरफ्तार किया गया। उन्हें काठमांडू के सोहखुट्टे क्षेत्र से नियंत्रण में लिया गया। यह स्थान बड़ी संख्या में चीनी नागरिकों के रहने के कारण हाद्यङ्गीज हाउजिंग६७ नाम से भी जाना जाता है। गिरफ्तार चीनी नागरिकों के पास व्यावसायिक वीजा होने के बावजूद वे अपने व्यवसाय, कंपनी के नाम और उससे संबंधित किसी भी जानकारी का विवरण प्रस्तुत करने में असमर्थ पाए गए।

प्रारंभिक जाँच में यह खुलासा हुआ है कि ये लोग आर्थिक रूप से कमजोर नेपाली युवतियों को नौकरी का प्रलोभन देकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म टिकटक पर वीडियो बनाने के लिए प्रेरित करते थे तथा टिकटक के माध्यम से अन्य चीनी नागरिकों से मित्रता कर विवाह करवाने की कोशिश करते थे। अध्यागमन विभाग ने जानकारी दी कि कुछ युवतियों को चीन ले जाकर विवाह कराने के बहाने चीन भी भेजा गया था। इसके अतिरिक्त, घर किराए पर लेकर नेपाली युवतियों को रखा जाता था और उन्हें विभिन्न देशों में ले जाया जाता था। नियंत्रण में लिए गए दो व्यक्तिों के बारे में यह भी पता चला है कि वे पिछले 10 वर्षों से नेपाल में पर्यटक, छात्र और व्यावसायिक वीजा पर रह रहे थे। वीजा जाँच के दौरान वे पासपोर्ट और वीजा प्रस्तुत करने में विफल रहे तथा अध्यागमन और सुरक्षा अधिकारियों के साथ दुर् व्यवहार भी किया। नेपाल के अध्यागमन कानून के अनुसार, विदेशियों के प्रवेश, उपस्थिति और प्रस्थान से संबंधित कामजातों की जाँच किसी भी समय और स्थान पर की जा सकती है तथा आवश्यकता पड़ने पर उन्हें हिरासत में लिया जा सकता है। अध्यागमन नियमावली के तहत विदेशी नागरिक जिस उद्देश्य के लिए वीजा प्राप्त करता है, उसके अतिरिक्त किसी अन्य गतिविधि में संलग्न नहीं हो सकता। अवैध रूप से नेपाल में रहने वाले ऐसे विदेशी नागरिकों पर जाँच उपरांत महानिदेशक द्वारा 50 हजार रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है तथा अवधि निर्धारित कर या बिना अवधि निर्धारित किए निष्कासन किया जा सकता है, जिससे उन्हें नेपाल में पुनः प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।

नेपाल-चीन व्यापारिक नाकों पर कड़ाई: नेपाली व्यापारी परेशान

काठमांडू। नेपाल-चीन व्यापारिक नाको पर चीन की कड़ाई के कारण नेपाली कंटेनर समय पर नेपाल वापस न आ पाने के कारण नेपाली व्यवसायी परेशान हैं। एक नाका बंद होने और चीन से भी आने वाले कंटेनरों की संख्या में कमी आने की वजह से भी व्यापार प्रतिकूल रूप से प्रभावित हो रहा है। नेपाल के व्यावासियों ने यह शिकायत की है। उल्लेखनीय है कि गत जुलाई की बाढ़ के बाद से रसुवागढ़ी नाका पूर्ण रूप से बंद है, जबकि तातोपानी नाका को लंबे समय बाद संचालन में लाया गया है। मुस्तांग स्थित कोरला नाका खुलने के बावजूद, व्यापारी प्रमुख रूप से खाद्यान्न, वस्त्र, फलफूल सहित अन्य सामग्री रसुवागढ़ी व तातोपानी नाकों से ही आयात करते रहे हैं। कोरला नाका खुलने के साथ ही इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) का आयात भी शुरू हुआ है। व्यवसायियों का कहना है कि वर्तमान स्थिति में तातोपानी नाका से अपेक्षित संख्या में कंटेनर नेपाल नहीं आ पा रहे। उनके अनुसार रसुवागढ़ी नाका बंद होने के चलते तातोपानी नाका पर अत्यधिक भीड़भाड़ हो रही है, जिससे और समस्याएँ उत्पन्न हो रही हैं। एक व्यापारी ने बताया कि पहले दो नाकें चालू थे। एक दिन में एक नाकें से 25-30 कंटेनर आते थे, यानी दोनों से मिलकर 60-70 कंटेनर आते थे। अब केवल एक नाका चलने के कारण भीड़ बढ़ी है और संभवतः इसी वजह से देरी हो रही है। आयात में देरी से परिवहन लागत और किराया भी बढ़ गया है। उधर, तातोपानी भंसार कार्यालय के अधिकारी एवं सूचना अधिकारी रमेश बहादुर शाह ने कहा कि हाल ही में चीन की ओर से बहुत कम संख्या में कंटेनर नेपाल में प्रवेश कर रहे हैं। उनके अनुसार वर्तमान में औसतन प्रतिदिन 13 से 15 कंटेनर ही नेपाल पहुँच पा रहे हैं।

पानी की कमी से जूझते किर्गिजस्तान, ताजिकिस्तान में छाया 'ऊर्जा संकट'

बिश्केक/दुशान्बे। मध्य एशिया के दो पड़ोसी देशों, किर्गिजस्तान और ताजिकिस्तान में सूखे और जलवायु परिवर्तन के कारण जल स्तर में आ रही भारी गिरावट के गंभीर ऊर्जा संकट पैदा हो गया है। दोनों देशों की अधिकांश बिजली की आपूर्ति जलविद्युत संयंत्रों पर निर्भर है, जो सीधियात काल में बने हैं, लेकिन अब जलवायु में पानी की कमी से ये संयंत्र टप हो रहे हैं। स्थानीय मीडिया में शुक्रवार को एक रिपोर्ट में बताया गया कि ताजिकिस्तान के नुरेक बिजली संयंत्र के जलाशय का जल स्तर पिछले एक साल में 2.47 मीटर (लागभग 8.1 फुट) गिर चुका है, जिसे ताजिकि ऊर्जा एवं जल संसाधन मंत्रालय ने चिंतानक करार दिया है। सरकारी 'प्रपोगिता' कंपनी ने पुष्टि की है कि नुरेक जलाशय का जल स्तर गिरने से बिजली उत्पादन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक मध्य एशिया के प्रमुख जल स्रोत दिन दोनों देशों की हवाइयों में बसे लगभग 20,000 हिमनद यानी ग्लेशियर हैं, लेकिन सूखे और हिमनदों के पिघलने की धीमी गति ने जल भराव की प्रक्रिया को बुरी तरह से प्रभावित किया है। सीधियात संघ के विद्युतन के बाद से दोनों देशों में जनसंख्या में भारी वृद्धि हुई है, जिससे पानी के 'नेटवर्क' पर दबाव बढ़ गया है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक संदियों में बिजली कटौती की घटनाएं आम रही हैं, लेकिन अब साल भर ही यह संघट्न रहता है। बिजली संकट के कारण किर्गिजस्तान में ऊर्जा संरक्षण के लिए कड़े उपाय लागू कर दिए गए हैं। उदाहरण और होटलों को रात 10 बजे तक बंद करने का आदेश जारी किया गया है, जबकि सार्वजनिक स्थानों पर शाम 6 बजे के बाद लाइटें बंद रखने की सख्ती बरती जा रही है। वहीं, ताजिकिस्तान में अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि बिजली के अनावश्यक उपयोग को रोकने में विफल रहने वाले अधिकारियों को नौकरी से बर्खास्त किया जाएगा। हालांकि इन कदमों से आम जनता का दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है। घरों में घंटों बिजली गुल रह रही है, उद्योग टप पड़ रहे हैं और आर्थिक नुकसान बढ़ रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि जल स्तर और गिरा, तो संकट और गहरा सकता है। इस बीच ताजिक ऊर्जा एवं जल संसाधन मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा, हनुक जलाशय की स्थिति चिंताजनक है। पानी का गिरता स्तर पिछले साल की तुलना में असामान्य रूप से तेज है। सरकारी सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि जल स्तर में 2.47 मीटर की कमी है पनबिजली उत्पादन को 'सीमित' कर दिया है। किर्गिजस्तान के अधिकारियों ने भी स्वीकार किया है कि मौजूदा बुनियादी ढांचा जनसंख्या वृद्धि और जलवायु परिवर्तन के दबाव को झेलने में असमर्थ साबित हो रहा है। समाधान की दिशा में प्रयासरत दोनों देश नवीन ऊर्जा संयंत्रों के निर्माण के अलावा जल संसाधनों के बेहतर उपयोग और जन भंडारण सुविधित करने पर जोर दे रहे हैं। नई परियोजनाओं के पूरा होने पर न केवल घरेलू जरूरतें पूरी होंगी, बल्कि बिजली का निर्यात भी पड़ोसी देशों, अफगानिस्तान और पाकिस्तान को किया जा सकेगा। हालांकि, जलवायु परिवर्तन के व्यापक प्रभावों का निपटान किए बिना ये उपाय अस्थायी ही साबित होंगे।

चीन के यात्रा परामर्श पर जापान को कड़ा एतराज

टोक्यो। जापान ने चीन द्वारा अपने नागरिकों को जापान ना जाने संबंध में जारी परामर्श पर गहरी आपत्ति व्यक्त की है और चीन सरकार से इस पर पुनर्विचार करने को कहा है। जापान के मुख्य मंत्रिमंडल सचिव मिनोर्कु किहरा ने शनिवार को यहां कहा कि जापान ने चीन को संदेश भेजा है और उचित कदम उठाने के लिए अनुरोध किया है। किहरा ने कहा, हमने चीन को संदेश दिया है और उनसे उचित कार्रवाइयों के लिए हदता से अनुरोध किया है। हालांकि उन्होंने इस मुद्दे पर विस्तार से टिप्पणी नहीं की, लेकिन जोर दिया कि दोनों देशों के बीच मतभेद हैं जिसके लिए संवाद बनाए रखना आवश्यक है। चीन ने यह परामर्श जापानी प्रधानमंत्री सानाए ताकाइची के उस हालिया बयान के बाद जारी किया है, जिससे उन्होंने ताइवान पर संभावित चीनी हमले को अस्तित्व के लिए खतरा करार दिया था। ताकाइची ने पिछले सप्ताह कहा था कि ताइवान पर चीनी हमला जीवन-भर के खतरहे के समान होगा, जो जापान को सैन्य प्रतिक्रिया के लिए प्रेरित कर सकता है। यह बयान जापान की पारंपरिक रणनीतिक नीति से अलग है, जो अमेरिका के साथ जुड़ी है और ताइवान का सार्वजनिक उल्लेख से बचती रही है। चीन ताइवान को अपना अभिन्न अंग मानता है और द्वीप पर नियंत्रण के लिए बल प्रयोग की संभावना से इनकार नहीं करता। ताइवान जापान के तट से मात्र 110 किलोमीटर दूर स्थित है, और ताइवानी सरकार चीन के दावों को खारिज करती रही है। चीन के साथ रिश्तों में यह तनावनी इसलिए भी उपजी है क्योंकि जापान और अमेरिका ताइवान को समर्थन देते हैं। हालांकि राजनीतिक विश्लेषकों का मानना ​​है कि चीन का यात्रा परामर्शआर्थिक दबाव का माध्यम हो सकता है, क्योंकि जापान चीनी पर्यटकों पर निर्भर है। इस बीच जापान ने बाबाचीती की वकालत की है, लेकिन यदि चीन ने परामर्श वापस नहीं लिया तो द्विपक्षीय संबंध और खराब हो सकते हैं। हालांकि इस समय अमेरिका ने इस मुद्दे पर चुप्पी साधे रखी है, लेकिन यह तनाव एशियाई शांति को प्रभावित कर सकता है।

